ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Mrcchakatika Makes Centre stage In Bengaluru

There are neither black nor white characters in Mrcchakatika. Sanskrit scholar William Ryder points out, what you find in Shudraka's works are 'citizens of the world'

Miracle Trees

Orange Pith and Lemon Pith

भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ युद्ध स्तर पर प्रोपेगैंडा वॉर शुरु किया

कांग्रेस ने भी जवाबी हमले में मंगलवार को देश के 29 शहरों में वरिष्ठ नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रैंस आयोजित की

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। भाजपा ने महिलाओं के आरक्षण बिल को रोकने के आरोप में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ देशभर में प्रचार अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने भी भाजपा का जवाब देने की पूरी तैयारी कर ली है और वह कल देशभर में व्यापक अभियान चलाएगी। देश के 29 शहरों में 21 अप्रैल को वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएंगी, ताकि असली तथ्यों को सामने लाया जा सके और मोदी सरकार के झूठ और पाखंड को जनता के सामने रखा जा सके।

इसमें यह बात खास तौर पर बताई जाएगी कि महिलाओं का आरक्षण बिल पहले ही, 2023 में पास हो चुका है और भाजपा इस बिल के पीछे छिपकर परिसीमन लागू करने की कोशिश कर

- **कांग्रेस का मुख्य तर्क है कि भाजपा परिसीमन के मार्फत अपना राजनीतिक व चुनावी एजेण्डा प्राप्त करना चाहती है।**
- **कांग्रेस ओबीसी महिलाओं को भी जागृत करना चाहती है, यह कहकर कि परिसीमन में इन ओबीसी महिलाओं को अलग से कोटा तय करना, लगभग तय सा था, पर, भाजपा इन ओबीसी महिलाओं को अलग से कोटा नहीं देना चाहती।**
- **कांग्रेस के अनुसार, भाजपा इतनी भयभीत सी है, कांग्रेस व राहुल की राजनीतिक गतिविधि से, कि मोदी ने अपने 29 मिनट के "देश के नाम संदेश भाषण" में 58 बार राहुल गांधी का नाम लिया।**

रही है, और फिर ऐसा प्रचार कर रही है, जिसे कांग्रेस गलत बता रही है।

कांग्रेस इस बात पर जोर दे रही है कि भाजपा परिसीमन अपने राजनीतिक और चुनावी फायदे के लिए करना चाहती है, न कि निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके से।

कांग्रेस ने यह मुद्दा भी उठाया है कि ओबीसी महिलाओं को उनके चुनावी अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।

इस मुद्दे पर चर्चा करने और आगे की रणनीति तय करने के लिए 22 अप्रैल को कांग्रेस ने ओबीसी परिषद की बैठक बुलाई है।

राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में नरेन्द्र मोदी ने अपने 29 मिनट के भाषण का अधिकांश हिस्सा कांग्रेस और विपक्ष की आलोचना करने में बिताया।

अपने 29 मिनट के संबोधन में नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस का नाम 58 बार लिया। यह आश्चर्यजनक और चौंकाने वाला है।

क्या हो रहा है? क्या प्रधानमंत्री और उनकी टीम राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को लेकर इतने ज्यादा असुरक्षित हो गए हैं?

रिफायनरी में आग दुर्भाग्यपूर्ण- भजनलाल

जयपुर, 20 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रिफाइनरी में आग लगने की घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और प्रधानमंत्री मोदी का दौरा स्थगित होने की जानकारी दी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में कहा कि पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में आग लगने की घटना

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने एक्स पर लिखी पोस्ट में बताया कि घटना की जाँच के आदेश दिए गए हैं।**

अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों और रिफाइनरी प्रबंधन से त्वरित वार्ता कर स्थिति की विस्तृत जानकारी ली है।

उन्होंने आगे बताया कि वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है। सुरक्षा मानकों को सर्वोपरि रखते हुए, प्रधानमंत्री का प्रस्तावित दौरा फिलहाल स्थगित किया गया है।

इस घटना की उच्चस्तरीय जाँच के निर्देश दिए गए हैं। सभी प्रदेशवासियों की आशा की प्रतीक इस रिफाइनरी का भव्य उद्घाटन शीघ्र ही माननीय प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों द्वारा संपन्न होगा।

रिफायनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी, प्रधानमंत्री का कार्यक्रम स्थगित

कर्मचारियों को सीडीयू से बाहर निकाला, फायर सेफ्टी सिस्टम के बाद 50 दमकलों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

बालोतरा, 20 अप्रैल (नि.सं.)। पचपदरा रिफाइनरी की सबसे महत्वपूर्ण यूनिट क्रूड डिस्टलेशन यूनिट सीडीयू में सोमवार दोपहर अचानक आग लगी है। यह यूनिट रिफाइनरी आग लगने की सूचना मिलते ही यहां काम कर रहे कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम को चालू कर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया है। साथ ही करीब पचास से अधिक दमकलों ने आग बुझाई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जहां आग लगी, वहां से 800 मीटर दूर ही प्रधानमंत्री की सभा होनी थी। इस आग की घटना के बाद कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रिफाइनरी लोकार्पण का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

- **प्रधानमंत्री मोदी का 21 अप्रैल को रिफायनरी के उद्घाटन का कार्यक्रम था। आग के कारण यह कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया।**
- **क्रूड डिस्टीलेशन यूनिट के बाद आग वैक्यूम डिस्टीलेशन यूनिट में पहुँची। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, पर करोड़ों रूपए की मशीनरी को नुकसान पहुँचने की आशंका है।**
- **मुख्य सचिव व संभागीय आयुक्त प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी देखने पचपदरा पहुँचे हुए थे। एसपीजी दस्ता कार्यक्रम स्थल को सुरक्षा घेरे में ले चुका था।**

पहले रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) में और बाद में वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (वीडीयू) में आग लगी। कर्मचारियों को बाहर निकाल कर तत्काल वहां मौजूद फायर सेफ्टी सिस्टम से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया और बालोतरा व नागाणा स्थित मंगला ऑयल फील्ड से दमकलों को बुलाया गया। नागाणा टीम ने कैमिकल व फोम से आग बुझाने की कोशिश की। करीब दो घंटे तक आग की लपटें उठती रहीं। समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पा लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के बाद ही नुकसान और इसके कारणों का आंकलन किया जा सकेगा। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है और क्षेत्र को खाली कराया गया है। अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। लेकिन करोड़ों की मशीनरी को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि पाइप लाइन से जो कच्चा तेल रिफाइनरी में आता है, वह सबसे पहले यहीं आता है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका-ईरान के बीच शांतिवार्ता का दूसरा दौर भारी संकट में

ईरानी जहाज पर कब्जा करने की अमेरिकन कार्यवाही से क्षुब्ध ईरान शायद अपना डेलिगेशन न भेजे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान के मालवाहक जहाज पर अमेरिकी सेना के कब्जे की जिद के कारण इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान वार्ता का दूसरा दौर संकट में आ गया है। ईरान ने इसे युद्धविराम का उल्लंघन बताया और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी।

अमेरिकी सेना ने इस बात की पुष्टि की है कि एक अमेरिकी डिस्ट्रॉयर ने ईरान के झंडे वाले एक जहाज पर कई राउंड फायरिंग की। यह जहाज अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने रविवार को बाकायदा इस पूरे घटनाक्रम पर बयान जारी किया है। कमांड ने कहा कि नाकाबंदी शुरू होने के बाद से अमेरिका ने 25 कमर्शियल जहाजों को वापस मुड़ने या ईरान के किसी बंदरगाह पर लौटने का निर्देश दिया।

- **हालांकि ट्रंप ने अपनी टीम भेज दी है, पर ईरान ने जहाज पर कब्जा करने की कार्यवाही को सीज़फायर का उल्लंघन बताया और बदला लेने की धमकी दी।**
- **ज्ञातव्य है कि रविवार को एक अमेरिकन युद्ध पोत ने ईरान के कंटेनर जहाज पर गोलीबारी की और उस पर कब्जा लिया था, राष्ट्रपति ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी।**

सीएनएन, अल जजीरा, सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिका ने जहाज के नेविगेशनल उपकरणों को नष्ट कर दिया। जहाज के डेक पर अपने सैनिक तैनात कर दिए हैं। पोस्ट में कहा गया है कि ईरान की सेना जल्द ही अमेरिका की इस सशस्त्र समुद्री डकैती का जवाब देगी।

ओमान की खाड़ी में हुई इस घटना से कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा था कि वे ईरान के साथ बातचीत के लिए अपनी टीम इस्लामाबाद भेज रहे हैं। अब ईरान ने कहा है कि जब तक अमेरिका अपनी नाकाबंदी नहीं हटाता, तब तक बातचीत नहीं होगी।

सूत्रों के अनुसार, ट्रम्प द्वारा सोमवार को अमेरिकी टीम को आगे की बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने का आदेश देने के बावजूद, ईरान वार्ता के लिए इस्लामाबाद में अपना प्रतिनिधिमंडल शायद न भेजे।

इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तरी जापान में भूकंप और सुनामी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने सोमवार को उत्तरी जापान में 7.4 तीव्रता रिक्टर स्केल का भूकंप आने की जानकारी देते हुए तीन मीटर (10

- **7.4 तीव्रता के इस भूकंप में 40 मिनट बाद समुद्र में 80 सेंटीमीटर ऊंची लहरें उठीं। जापान सरकार ने वहाँ के लोगों के लिए चेतावनी जारी की है।**

फीट) तक ऊंची लहरों की सुनामी की चेतावनी जारी की।

उत्तरी इवाते प्रांत के पास प्रशांत महासागर में शाम 4:53 बजे (0753 जीएमटी) आए इस भूकंप की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर टोक्यो तक बड़ी-बड़ी इमारतें हिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल के भाषण का गुड़-गोबर हुआ तमिल अनुवाद में

अनुवाद में कुछ फर्क तो बर्दाश्त हो जाता है, पर, यहाँ तो जो राहुल दहाड़ रहे थे, उसका एकदम विपरीत अनुवाद हो रहा था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। अगर चुनावी प्रचार को रंगमंच कहा जाए, तो गुरुवार को होने वाले मतदान से पहले तमिलनाडु में राहुल गांधी की रैली अनजाने में एक हास्यास्प्रद प्रस्तुति के रूप में याद की जा सकती है। इसकी वजह यह है कि रियल-टाइम अनुवाद उनके भाषण से बिल्कुल मेल नहीं खा रहा था, बल्कि विरोधाभासी प्रतीत हो रहा था।

अंग्रेजी समझने वालों के लिए, कांग्रेस नेता पूरी तरह से आक्रामक मूड में थे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखे हमले कर रहे थे। उन्होंने गरजते हुए कहा, "उन्होंने (सत्ताधारी भाजपा ने) देश से झूठ बोला है," और फिर तीखी आलोचना करते हुए, राहुल ने मोदी पर भारत को "बेचने" का आरोप लगाया।

- **तमिलनाडु में चुनाव अभियान, फिल्मों से प्रभावित होने के कारण, में शब्दों का चयन बहुत महत्व रखता है।**
- **पर, राहुल के भाषण का अनुवाद इतना हास्यप्रद था कि ऐसा लग रहा था उनको पार्टी के प्रतिद्वंदियों से ज्यादा खतरा उनकी खुद की पार्टी के नेताओं से है। क्योंकि, अनुवाद बेवकूफी था या साजिश।**

गांधी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से "नियंत्रित" हो रहे हैं। उनका व्यंग्य स्पष्ट था, "अगर ट्रंप कूदने को कहें, तो वे कूद जाते हैं। अगर वे लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं।"

कड़े शब्द। स्पष्ट संदेश। कोई अस्पष्टता नहीं।

लेकिन कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. सेल्वपेरुंथगई, जिन्होंने रियल-टाइम अनुवादक की भूमिका निभाई, के आने से, जाहिर तौर पर, मूल अर्थ ही गायब हो गया।

क्योंकि इसके बाद जो कुछ हुआ, वह अनुवाद से अधिक रचनात्मक पुनर्व्याख्या थी।

"उन्होंने देश से झूठ बोला" बदलकर "वे कहते हैं कि देश जीवित है (समृद्ध है)" हो गया।

पलक झपकते ही, आरोप ने प्रशंसा का रूप ले लिया।

गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री, जिनमें "आत्मविश्वास की पूरी तरह कमी" है, तमिल में, उन्हें अचानक "पूर्ण आत्मविश्वास" से भरे व्यक्ति बताया गया।

और उन पर "भारत को बेच देने" का नाटकीय आरोप एक अस्पष्ट, लगभग दार्शनिक वाक्य में बदल गया: "उन्होंने सब कुछ बेच दिया है।"

यहां तक कि अमेरिकी नियंत्रण के बारे में भू-राजनीतिक कटाक्ष भी बदल गया।

"वे अमेरिका द्वारा नियंत्रित हैं" बदलकर "हम एकजुट भारत देखते हैं" हो गया।

इस समय तक, भाषण का केवल अनुवाद ही नहीं हुआ था, बल्कि उसे पूरी तरह से संशोधित भी किया गया था।

लेकिन, मूल भाव, भले ही सटीक रूप से न हो, बरकरार रहा हालांकि वह स्पष्ट नहीं हुआ।

"कूदना" और "लेट जाना" वाले वाक्य तो बचे रहे, लेकिन उनमें एक नया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल से सटी नेपाल सीमा सील

काठमांडू, 20 अप्रैल। भारत के पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए नेपाल-भारत सीमा सोमवार मध्यरात्रि से सील की जा रही है। 23 अप्रैल को दार्जिलिंग सहित 16 जिलों में मतदान होगा।

झापा जिला के प्रमुख जिला अधिकारी शिवराम गेलाल ने बताया कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले से सटे

- **प.बंगाल में हो रहे विधानसभा चुनाव के दौरान 72 घंटे के लिए नेपाल सीमा सील रहेगी।**

झापा के काकरभिट्टा और भद्रपुर तथा इलाम के पशुपतिनगर नाकों को 72 घंटे के लिए सील किया जाएगा। चुनाव अवधि के दौरान, सुरक्षा संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों के सुरक्षा निकायों के समन्वय में सीमा सील की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जिला प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक पत्र प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन सीमा के दोनों ओर चुनाव के दौरान सीमा सील करने की परंपरा रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऐतिहासिक दिन बनने वाला था 17 अप्रैल, विपक्ष ने काला पृष्ठ बना दिया- भजनलाल

मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री ने महिला मोर्चा की जन आक्रोश पदयात्रा को भाजपा कार्यालय से हरी झंडी दिखाई

जयपुर, 20 अप्रैल । भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से सोमवार को जयपुर में "जन आक्रोश महिला पदयात्रा" निकाली गई। पदयात्रा भाजपा कार्यालय से शहीद स्मारक तक निकाली गई, जिसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, कैबिनेट मंत्री मंजू बाघमार, प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, अल्का मूंदडा, सरिता गैना, सांसद मंजू शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ सहित, बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर लेकर विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की और पदयात्रा निकाली।

जन आक्रोश महिला पदयात्रा से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 17 अप्रैल ऐतिहासिक दिन बनने वाला था,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिन लोगों ने 70 वर्ष शासन किया, उन्होंने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। केवल वोट बैंक की राजनीति की।**
- **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने भी महिला सम्मेलन को संबोधित किया।**

लेकिन कांग्रेस सहित, विपक्ष ने इसे काला पृष्ठ बना दिया। इससे विपक्ष की मानसिकता स्पष्ट होती है। जिन लोगों ने 70 वर्षों तक शासन किया, उन्होंने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। केवल वोट बैंक की राजनीति की गई। अब, जब अवसर आया, तब भी महिलाओं के हितों की अनदेखी की गई। ऐसे लोगों को जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। हमारी सरकार माताओं और बहनों के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विपक्ष परिवारवाद से ग्रसित है और उन्हें डर है कि सामान्य परिवारों की महिलाएं आगे बढ़ेंगी तो उनका वर्चस्व समाप्त हो जाएगा। भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत पर कार्य करती है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला विरोधी मानसिकता रखने वालों को आइना दिखाया जाए। 5 जुलाई 2023 से हमने महिला विरोधी कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोला था, अब उसी तर्ज पर संघर्ष की शुरुआत करने का समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा की ओर से भाजपा कार्यालय से शहीद स्मारक तक निकाली गई "जन आक्रोश महिला पदयात्रा" को रवाना किया।

गर्मी की छुट्टियों के लिए 908 विशेष ट्रेन

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। भारतीय रेलवे ने गर्मियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। यात्रियों की सुविधा के लिए तीन महीनों में कुल 18,262 समर स्पेशल

- **रेल्वे ने यात्रियों की सुविधा के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की।**

ट्रेन ट्रिप्स चलाने की योजना बनाई गई है। इनमें से 11,294 ट्रिप्स पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। दरअसल, हर साल गर्मियों की छुट्टियों और त्योहारों के दौरान ट्रेनों में भीड़ बढ़ जाती है और वेटिंग लिस्ट लंबी हो जाती है। इसलिए रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए यह कदम उठाया है।

रेलवे ने बताया, 15 अप्रैल से 15 जुलाई की अवधि के लिए कुल 908 समर स्पेशल ट्रेनों को मंज़ूरी दी गई है। जो यात्रा की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए 18,262 फेरे लगाएंगी। 660 ट्रेनों को पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है, जो 11,294 फेरे लगाएंगी।

विचार बिन्दु

अपने नाम को कमल की तरह निष्कलंक बनाओ। –लांग फैलो

महिला आरक्षण के नाम पर धोखा ही धोखा

देश में महिलाओं की आबादी लगभग 50 प्रतिशत है, किंतु स्वतंत्रता के 79 साल बाद भी राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो पाया है। इस स्थिति के लिए कोई एक दल नहीं, अपितु सभी दल जिम्मेदार हैं।

महिला आरक्षण की बात सभी करते रहे, किंतु उसे वास्तविकता में लागू करने की मानसिकता किसी की नहीं दिखाई दी। यह बात क्यों कहीं जा रही है, यह निम्न विवरण से स्पष्ट हो जाएगा ।

2023 से पहले भी 1996, 1998, 2004 और 2008 में महिला आरक्षण बिल संसद में प्रस्तुत किए गए किंतु कभी भाजपा और कभी समाजवादी पार्टी के विरोध के कारण ये पारित नहीं हो पाए। एक बार तो यह बिल राज्य सभा में पारित भी हो गया किंतु लोकसभा भंग होने के कारण वहां पारित नहीं हो पाया। यही हाल लगभग सभी विधानसभाओं का है।

यह उल्लेखनीय है कि जब नरसिंहराव प्रधानमंत्री थे, कांग्रेस ने 1995 में संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए लागू कर दिया। तब से यह आरक्षण यथावत चल रहा है। कुछ राज्यों ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत भी किया। प्रारंभ में पंचायत स्तर पर कई महिलाओं के नाम पर उनके पति काम करते रहे किंतु धीरे-धीरे कई पढ़ी-लिखी महिलाएं पंचायती राज में निर्वाचित होने लगीं । स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई और वे अपने क्षेत्र की समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगीं । आज पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकायों के 10 लाख प्रतिनिधियों में से लगभग 3 लाख महिलाएं हैं। स्थानीय शासन व्यवस्था में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का श्रेय कांग्रेस को दिया जाना चाहिए ।

जब 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के लगभग 9 वर्ष बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से महिलाओं का आरक्षण बिल प्रस्तुत किया, तो उसे सभी राजनीतिक दलों ने सर्व समिति से पारित किया। सरकार ने जानबूझ कर इसे तत्काल लागू करने के बजाय यह प्रावधान कर दिया कि आगामी जनगणना और परिसीमन के बाद इसे लागू किया जाएगा। सरकार महिलाओं को आरक्षण देने के मामले में कितनी गंभीर है, यह इसी से स्पष्ट है कि इस कानून को प्रभावी करने में ही तीन साल लगा दिए और संसद के विशेष सत्र के दौरान 16 अप्रैल, 2026 को इसे लागू करने की विज्ञिप्त जारी की।

प्रारंभ से ही ऐसा लगता था कि भाजपा की नीयत महिला आरक्षण के नाम पर केवल उनके वोट बटोरने की थी। भाजपा ने इसे बहुत बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए इसका खूब प्रचार प्रसार किया। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को ''अबकी बार 400 पार'' के नारे के बावजूद केवल 240 सीटें मिलीं, जो बहुमत से बहुत कम थीं। यदि भाजपा वास्तव में महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में आरक्षण देना चाहती तो 2023 के अधिनियम में ही वर्तमान लोकसभा सदस्यों की संख्या के आधार पर महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित कर देती। यदि ऐसा कर दिया जाता और इसे जनगणना और परिसीमन से नहीं जोड़ा जाता तो जून 2024 के लोक सभा चुनावों में ही 181 महिला प्रतिनिधि चुनकर आ जातीं ।

यदि जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू होना था, जैसा कि अधिनियम में लिखा था, तो यह 2034 से पूर्व संभव ही नहीं था, यह बात सरकार को तब भी पता थी। अब एक बार पुनः इसका राजनीतिक और चुनावी लाभ उठाने के लिए संसद का एक विशेष सत्र 16 से 18 अप्रैल तक सरकार द्वारा बुलाया गया । इस 131वें संविधान संशोधन बिल में यह प्रावधान किया गया कि लोकसभा में सदस्यों की संख्या 850 तक बढ़ाई जा सकती है। दूसरा संशोधन यह था कि परिसीमन, 2011 की जनगणना के आधार पर किया जाएगा। स्वाभाविक रूप से इस बिल का घोर विरोध दक्षिण के राज्यों ने किया क्योंकि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करने से उनका राजनीतिक महत्व कम हो जाता और देश की राजनीति में उनकी भागीदारी भी कम हो जाती । उनकी आशंका को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने लोकसभा में बहस के दौरान यह आश्वासन दिया कि प्रत्येक राज्य के लोकसभा सदस्यों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि कर दी जाएगी और दक्षिणी राज्यों को नुकसान नहीं होगा। यह बात प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने भाषण में तो कही किंतु संसद में जो बिल प्रस्तुत हुआ, उसमें इस बारे में कोई उल्लेख नहीं था। विभिन्न विश्लेषकों के द्वारा जो आंकड़े इसके आधार पर प्रस्तुत किए गए, असस्पष्ट था कि उत्तरी पश्चिमी राज्यों को इसका बहुत लाभ मिलना था और दक्षिण के राज्यों को राजनीतिक रूप से बहुत नुकसान होना तय था।

डीएमके और टीएमसी आदि दलों ने भाजपा की इस साजिश को पहचान कर इसका तीव्र विरोध करना प्रारंभ कर दिया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने तो इस प्रस्तावित बिल की प्रतियां सार्वजनिक रूप से जला दीं । लोकसभा में बहस के दौरान डी एम के सभी संसद सदस्यों ने काले कपड़े पहनकर इसका विरोध किया और इसे लागू करने पर जन आंदोलन करने की भी चेतावनी दे दी।

> **महिला आरक्षण को परिसीमन और जनगणना से जोड़ने से यह कहावत बहुत सटीक लागू होती है, ''न नौ मन तेल होगा, ना राधा नाचेगी''. परिसीमन का काम इतना पेचीदा है और दक्षिण के राज्यों का इतना घोर विरोध है कि इस काम को पूरा करने में बहुत लंबा समय लग सकता है। सरकार के पास यह मौका था कि परिसीमन को महिला आरक्षण से अलग कर देते ।**

संख्या बल के आधार पर यह स्पष्ट था कि किसी भी रूप में दो तिहाई बहुमत एनडीए को प्राप्त नहीं है, अतः इसके पारित होने की संभावना नहीं थी। कांग्रेस, सपा, टी एम सी और डी एम के जैसे प्रमुख दलों के साथ अन्य विपक्षी दलों ने पूरी एक जुटता दिखाई। विपक्षी दलों की एकता में फूट डालने का प्रयास, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत किया, किंतु वे सफल नहीं हो पाए। भाजपा की मंशा को अच्छी तरह भांप कर उसे संसद में बहस के दौरान विपक्षी नेताओं ने अपने तर्कों को स्पष्ट रूप से देश के समक्ष रखा। इसका भाजपा के पास कोई उत्तर नहीं था कि महिला आरक्षण, वर्तमान सदस्यों की संख्या के आधार पर क्यों नहीं दिया जा सकता और इसे जनगणना तथा परिसीमन से क्यों जोड़ा गया?

यदि राजनीतिक दल चाहें तो महिलाओं को बिना आरक्षण के भी राजनीति में आगे लाने का काम अपने स्तर पर कर सकते हैं। उदाहरण स्वरूप, जहां भाजपा ने बहुत कम महिलाओं को टिकट दिया और उसके महिला सांसदों की संख्या लगभग 12 प्रतिशत ही है, वहीं, टी एम सी के अभी 38 प्रतिशत सांसद महिलाएं हैं।भाजपा के शीर्ष स्तर पर और संगठन में भी महिलाओं की संख्या लगभग नगण्य है।

विपक्षियों की एकता के परिणामस्वरूप लोकसभा में इस संविधान संशोधन विधेयक के पक्ष में 298 मत ही प्राप्त हो पाए और इसके विरोध में 230 सदस्यों ने मत दिया। उल्लेखनीय है कि संविधान संशोधन के लिए उपस्थित सदस्यों (528) के दो तिहाई यानि 352 मतों की आवश्यकता थी।

गत 14 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली बड़ी राजनीतिक पराजय थी। इससे बौखला कर प्रधानमंत्री ने अचानक 18 अप्रैल को रात्रि 8.30 बजे देश के नाम संबोधन दिया। इस 29 मिनिट के संबोधन में उन्होंने विपक्षियों को महिला विरोधी बताने का प्रयास किया और केवल कांग्रेस को ही 58 बार कोसा। प्रधानमंत्री ने इस संबोधन में केवल अपनी पार्टी का पक्ष प्रस्तुत किया और ऐसा उन्होंने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव को प्रभावित करने हेतु किया। चुनाव के बीच में भाजपा के पक्ष में इस प्रकार प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय चैनलों पर बोलना एक दृष्टि से चुनाव की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन था लेकिन निर्वाचन आयोग भाजपा से इस बारे में जवाब तलब करेगा, इसकी संभावना नहीं है।

सभी विपक्षी दलों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से स्पष्ट किया कि वे महिला आरक्षण के विरोध में नहीं है किंतु वह परिसीमन के साथ इसको जोड़ने का विरोध करते हैं। सरकार द्वारा लोकसभा में सदस्यों की संख्या 850 करने का भी कोई औचित्य नहीं है। विश्व के किसी भी देश के सदन में इतनी बड़ी संख्या नहीं है। लोकसभा के वर्तमान 543 सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का कम अवसर मिलता है और 850 सदस्यों की लोकसभा में किस प्रकार का हंगामा होगा और कैसे इसे संचालित किया जाएगा, इसकी केवल कल्पना ही की जा सकती है। साथ ही, हजारों करोड़ का अधिक वित्तीय भार जनता पर पड़ेगा। एम पी, एम एल ए फंड के नाम पर मिलने वाले अरबों रुपए में भी 30-40 प्रतिशत तक कमीशन लेने के समाचार प्रकाशित होते रहते हैं। जनता द्वारा इस प्रकार से जन प्रतिनिधियों पर अनाप शनाप खर्च करने को पसंद नहीं किया जाता। भाजपा का इस प्रकार लोकसभा सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव जनता के गले नहीं उतर रहा है।

स्वास्थ्य और शिक्षा, नागरिकों की मूलभूत आवश्यकता है। उसे पूरा करने के लिए सरकार पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं कर पा रही है। जनगणना का काम जो कि 2021 में होना चाहिए था वह अब 2026 में प्रारंभ किया गया है। इसमें जाति गत गणना होगी जिसके आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भी सीटों को आरक्षित करने की मांग उठेगी । यह आरक्षण होने के बाद फिर परिसीमन किया जाएगा और उसके आधार पर प्रत्येक आरक्षित वर्ग में महिलाओं को आरक्षण देने की बात होगी। कुल मिलाकर, यह तो स्पष्ट है अब यह आरक्षण 2034 से पूर्व लागू होने की कोई संभावना नहीं है। महिला आरक्षण को परिसीमन और जनगणना से जोड़ने से यह कहावत बहुत सटीक लागू होती है, **''न नौ मन तेल होगा, ना राधा नाचेगी''**। परिसीमन का काम इतना पेचीदा है और दक्षिण के राज्यों का इतना घोर विरोध है कि इस काम को पूरा करने में बहुत लंबा समय लग सकता है। सरकार के पास यह मौका था कि परिसीमन को महिला आरक्षण से अलग कर देते । तब, सभी राजनीतिक दलों के पास इसे पारित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता और तब भाजपा को महिलाओं का पूरा समर्थन मिलता।

यह तो भविष्य ही बताएगा कि भाजपा द्वारा संसद का विशेष सत्र बुलाने और महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने का तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों पर क्या प्रभाव होगा?

संक्षेप में हम यह कह सकते हैं कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को वास्तव में प्रतिनिधित्व नहीं देना चाहते और केवल इसके नाम का झुनझुना जनता को पकड़ा कर महिलाओं के वोट पाना चाहते हैं। कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि महिला आरक्षण के नाम पर सभी राजनैतिक दलों ने महिलाओं को धोखा ही दिया है। केवल तृणमूल कांग्रेस इसका अपवाद है जिसने बिना आरक्षण के भी 38 प्रतिशत महिलाओं को लोकसभा में भेजा। यह भी दिलचस्प है कि लोकसभा के सीटों की संख्या बढ़ाने की बात की जा रही है किंतु राज्यसभा के सदस्यों की संख्या यथावत रहेगी। यह देश के संघीय ढांचे पर आघात करता है क्योंकि राज्यों की विधानसभाओं के सदस्य भी राज्यसभा सदस्यों और उपराष्ट्रपति के चुनाव में हिस्सा लेते हैं।

सरकार के 131 वें संविधान संशोधन विधेयक का लोक सभा में गिरना लोकतंत्र की जीत है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

निर्णायक नेतृत्व से संभव हुई पचपदरा रिफाइनरी की विकास गाथा

राजेन्द्र गहलोत

राजस्थान के औद्योगिक इतिहास में बालोतरा जिले के पचपदरा में स्थापित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड परियोजना राजनीतिक इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व और समयबद्ध क्रियान्वयन का जीवंत उदाहरण बन चुकी है। यह रिफाइनरी उस बदलाव की कहानी कहती है, जिसमें वर्षों तक ठहरी योजनाओं को निर्णायक नेतृत्व ने गति देकर राष्ट्रीय उपलब्धि में बदल दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के सक्रिय प्रयासों ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने में निर्णायक भूमिका निभाई है।

इस परियोजना की यात्रा का आरंभ 22 सितंबर 2013 को हुए प्रारंभिक शिलान्यास से हुआ था। उस समय इस घोषणा ने पश्चिमी राजस्थान के विकास को लेकर उम्मीदों का नया क्षितिज जरूर खोला, लेकिन भूमि चयन, वित्तीय मॉडल और कार्यान्वयन ढांचे में स्पष्टता के अभाव के कारण यह योजना लंबे समय तक कागज़ों और प्रक्रियाओं में उलझी रही। उस दौर में अनेक बड़ी परियोजनाएं अक्सर राजनीतिक घोषणा ही रह जाती थी और समयबद्ध वास्तविक क्रियान्वयन तक नहीं पहुंच पाती थीं। वर्ष 2014 के बाद देश में विकास की राजनीति को नई दिशा मिली।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अटकी परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने, निवेश वातावरण को मजबूत बनाने और बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता देने की स्पष्ट नीति अपनायी गयी। इसी क्रम में पचपदरा रिफाइनरी परियोजना का पुनर्मूल्यांकन किया गया। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 14 जून 2017 को इसकी लागत और इक्विटी संरचना में संशोधन को मंजूरी दी। इसके बाद हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में एचआरआरएल का गठन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 16 जनवरी 2018 को इसका औपचारिक शिलान्यास किया। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 8 अप्रैल 2026 को इसकी संशोधित लागत को स्वीकृति दी गई। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से 21 अप्रैल 2026 को इस रिफाइनरी का लोकार्पण किया जा रहा है।

पचपदरा रिफाइनरी का पैमाना अपने आप में अभूतपूर्व है। लगभग 79,459 करोड़ की संशोधित लागत वाली यह परियोजना देश की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल परियोजनाओं में शामिल है। 9 एमएमटीपीए (मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष) रिफाइनिंग क्षमता और 2.4 एमएमटीपीए पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता के साथ यह परियोजना ऊर्जा और औद्योगिक विकास के नए मानक स्थापित कर रही है।

निर्माण के दृष्टिकोण से भी यह परियोजना इंजीनियरिंग और प्रबंधन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। लगभग 4,800 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली इस रिफाइनरी के निर्माण में 5-6 लाख मीट्रिक टन स्टील, 40-50 लाख क्यूबिक मीटर कंक्रीट और 1,000 किलोमीटर से अधिक पाइपलाइन नेटवर्क का उपयोग किया गया। अपने चरम निर्माण चरण में प्रतिदिन 25,000 से 30,000 श्रमिकों ने इस परियोजना को आकार दिया।

इस यात्रा के दौरान बीच के वर्षों में प्रशासनिक शिथिलता, प्राथमिकता के अभाव और वैश्विक परिस्थितियों के प्रभाव के कारण परियोजना की गति प्रभावित हुई, लागत में वृद्धि हुई और समय-सीमाएं भी आगे बढ़ी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गत ढाई वर्षों में इस परियोजना को पुनः तेज गति मिली। उन्होंने लगातार निर्माण स्थल के दौरे कर निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। निर्णय प्रक्रिया में तेजी, स्पष्ट जवाबदेही और केंद्र-राज्य समन्वय ने इसे निर्माण के अंतिम चरण तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पचपदरा रिफाइनरी का महत्व केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह राजस्थान को एक उभरते हुए पेट्रोकेमिकल हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक कदम है। इसके माध्यम से डाउन स्ट्रीम उद्योगों जैसे प्लास्टिक, केमिकल, लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण आदि को व्यापक बढ़ावा मिलेगा। अनुमान है कि इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 30,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होंगे। इससे स्थानीय युवाओं के लिए नए आर्थिक अवसर खुलेंगे। इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, केमिकल और तकनीकी सेवाओं में बड़ी संख्या में कुशल व अर्द्धकुशल युवाओं को अवसर मिलने लगे हैं। परिवहन क्षेत्र में ट्रकों, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और मेंटेनेंस सेवाओं की मांग बढ़ने से स्थानीय लोगों को स्थायी आय के साधन प्राप्त हो रहे हैं। छोटे उद्यमों और ठेकेदारी कार्यों में भी युवाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। रिफाइनरी के आसपास शिक्षण संस्थानों, होटल, ढाबों और अन्य सेवा क्षेत्रों का तेजी से विकास हो रहा है। आईटीआई, पॉलिटेक्निक और निजी प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना से युवाओं को कौशल विकास का लाभ मिल रहा है। होटलों और गेस्ट हाउसों के विस्तार ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। इन सबसे हजारों युवाओं के रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

इस परियोजना ने क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे के विकास को भी गति दी है। सड़क, रेल, जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति, वेयरहाउसिंग और आवास जैसे क्षेत्रों में व्यापक निवेश हुआ है। लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से अपेक्षाकृत दूर रहा पश्चिमी राजस्थान अब ऊर्जा और औद्योगिक निवेश का नया केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है। राजनीतिक दृष्टि से यह परियोजना एक महत्वपूर्ण संदेश देती है कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि निरंतरता, जवाबदेही और निर्णायक नेतृत्व से संभव होता है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व में पचपदरा रिफाइनरी इस बात का सशक्त उदाहरण है कि नीतिगत स्पष्टता और राजनीतिक इच्छाशक्ति से वर्षों से अटकी योजनाओं को भी समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सकता है। यह परियोजना मोदी जी की आत्मनिर्भर भारत की व्यापक अवधारणा से भी जुड़ी हुई है। ऊर्जा संकट की वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में प्रारम्भ हो रही यह रिफाइनरी ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने, आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही परियोजना राजस्थान के युवाओं को आधुनिक तकनीक, कौशल और औद्योगिक संस्कृति से जोड़ने का माध्यम भी बनेगी।

आज जब पचपदरा रिफाइनरी अपने पूर्ण स्वरूप में सामने आ रही है, तो यह औद्योगिक ढांचा नए राजस्थान की परिकल्पना का साकार रूप है। एक ऐसा राजस्थान, जहां योजनाएं केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि धरातल पर उतरकर विकास की नई गाथा लिखती हैं। यह परियोजना आने वाले वर्षों में न केवल राजस्थान, बल्कि पूरे देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगी और यह सिद्ध करेगी कि निर्णायक नेतृत्व के साथ विकास की राह कभी अवरुद्ध नहीं होती।

–राजेन्द्र गहलोत,
राज्यसभा सदस्य

'जेन-जेड' का राजनीतिक 'भूत'

राम निवास बैरवा

भूत काल के आदर्शों में जीने वाले सिद्धान्तहीन राजनेताओं और राजनीतिक पार्टियों के लिए 'भूत' शब्द ही सर्वथा उपयुक्त है। असम में चुनावों में वहां के मुख्यमंत्री ने नेपाल के 'जेन-जेड' आंदोलन की प्रत्यक्ष चर्चा करके भारतीय जनता पार्टी के सत्ताधारियों में व्याप्त 'जेन-जेड' के भूत के भय को ही उजागर किया है। लद्दाख के सोनम वांगचुक को सरकार ने अपने अन्तिम ब्रह्मास्त्र 'राष्ट्रीय सुरक्षा कानून' यानि कि एन.एस.ए. का उपयोग कर गिरफ्तार किया था- जिसे सुप्रीम कोर्ट ने गलत मान कर वांगचुक को रिहा कर दिया। यह दरअसल भारत सरकार के भयग्रस्त गृहमंत्री की लिखी स्क्रिप्ट है। दोनों जगहों पर नेपाल के 'जेन-जेड' का संदर्भ है। श्रीलंका और बांग्लादेश में भी 'जेन-जेड' के उभार थे, लेकिन भारत के भय का कारण नेपाल ही क्यूं है? पहला कारण तो यह है कि श्रीलंका में सिंहली बौद्ध रहते हैं, हिन्दू नहीं। उसी प्रकार बांग्लादेश में मुसलमानों की सरकार है, हिन्दुओं की सरकार नहीं है, अतः उनकी सरकारों के खिलाफ विद्रोह भारत की राजनीति के लिए एक राजनीति का तमाशा था और तमाशों का आनन्द तालियां बजाकर ही किया जाता है।

दूसरा कारण यह है कि श्रीलंका और बांग्लादेश के 'जेन-जेड' आंदोलन विद्यमान सत्ताधारियों को बदल कर उन्हीं के पुराने संस्करणों को पुनः स्थापित करना था। जबकि नेपाल का 'जेन-जेड' परम्परागत प्रतिद्वंद्वी सत्ताधारियों को फिर से सत्ता पर नहीं लाना चाहता था, वे नया नेतृत्व देखना चाहते थे। साथ ही उन्होंने परम्परागत पार्टियों पर चुनाव लड़ने की पाबंदिया नहीं लगाई थी बल्कि चुनावों में उन्हें भ्रष्टाचार, अव्यवस्था आदि के मामलों में नंगा करना चाहती थी। चुनावों को अन्तिम परिणाम भी वैसा ही रहा, जिससे भारतीय जनता पार्टी सहित लगभग सभी पार्टियां आतंकित हैं। भारत का एन.एस.ए. कानून भी सभी पार्टियों ने मिलकर ऐसे ही लोगों से निपटने के लिए बनाया लगता है। हरेक समय सत्ता की परम्परा पर चलने वाली राजनीतिक पार्टियां हमेशा से ही ऐसे ही कानून बनाती रही है और युवा जिन्हें आज 'जेन-जेड' का नाम दिया गया है; हमेशा से ही भ्रष्टाचार, गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ आवाज उठाने के कारण सरकार विरोधी ठहराये जाकर, देशद्रोही करार देकर उन्हें सजाऐं दी जाती रही हैं। किसी भी देश में युवाओं के आंदोलन जब वहां की मेहनत जनता-मजदूरों और किसानों के लिए करते हैं तो वह क्रान्ति ही होती है, परन्तु सैद्धान्तिक नेतृत्व के अभाव में घूम-फिर कर फिर से सत्ता उन्हीं लोगों के हाथों में दे दी जाती रही है जो उन 'जेन-जेड' के उग्र दिमाग लोगों को फांसी देकर उनकी हत्याएं कर दी जाती है। आधुनिक भारत में युवाओं के 'जेन-जेड' आंदोलन एक शताब्दी पहले भगतसिंह और उनकी पार्टी द्वारा उभरा था। जिसे तत्कालीन राजनेताओं के समर्थन से उन्हें फांसी देकर, उस आंदोलन को खतम कर दिया गया था। 1947 के बाद, 1974 में गुजरात में 'जेन-जेड' आंदोलन उभरा था, लेकिन उसे जातीय आरक्षण के विरोध की अफीम खिलाकर शान्त कर दिया गया। तब बिहार के 'जेन-जेड' ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी को लेकर आंदोलन उभरा, लेकिन जयप्रकाश नारायण जैसे पुराने नेताओं के समाजवादी आडम्बर से उस आंदोलन को अपने नेतृत्व में ले लिया।

उसकी परिणति श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह पुरानी परम्परागत तत्कालीन कांग्रेस पार्टी के विरोध में बदलकर उसे एक राजनीतिक प्रहसन, राजनीतिक उपहास में बदल दिया। उसी प्रहसन की पैदावार कांग्रेस के राजीव गांधी की सरकार ने 'जेन-जेड' का दायरा बढ़ाने के लिए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी थी। लेकिन गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई की स्थायी बीमारी के कारण राजीव गांधी को सत्ता से बाहर कर दिया गया और फिर उन्हीं भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और गरीब से लड़ने के लिए विकास का नारा देकर 'जेन-जेड' को मंदिर की घंटियों में गुम करके मस्जिदों पे सिर फोड़ने के लिए छोड़ दिया। अब नेपाल के 'जेन-जेड' आंदोलन ने चुनावों में जनता का समर्थन पाकर सत्ता परिवर्तन किया है, जिसमें परम्परागत राजनेताओं और राजनीतिक पार्टियों के भ्रष्टाचार को उजागर करना शुरू कर दिया है। साथ ही वहां की नई सोच वाली सरकार ने कई ऐसे कदम उठाये हैं जिनकी कल्पना मात्र से ही भारत के सत्ताधारियों को अपने स्वर्ग से वी.वी.आई.पी. संस्कृति में कुंभीपाक नर्क दिखाई देने लगता है। नेपाल में सबसे पहला कदम वहां शिक्षा के सभी केंद्रों को सरकार के अधीन लाकर सबके लिए समान शिक्षा का रास्ता खोला है। साथ ही और भी कई कदम उठाये हैं जो कि भारत की हिंदूवादी विश्वगुरू के कल्पनालोक को मिट्टी में मिलाने के लिए काफी है। हो सकता है, खुफिया जानकारियों के आधार पर भारत के राजनेताओं को सूचनायें मिली हो कि नेपाल का 'जेन-जेड' आंदोलन एक हिन्दू देश में होकर भी किसी प्रकार से भ्रष्टाचार के खिलाफ भविष्य गढने जा रहा है। सोनम वांगचुक का 'जेन-जेड' नाम लेने भर से ही वह देशद्रोही बना दिया गया, ठीक उसी तरह जैसे जनता, मजदूर-किसानों की गरीबी बेरोजगारी की बात करने वाला हरेक बुद्धिजीवी 'नक्सलवादी' या ''अर्बन नक्सलवादी'' कह दिया जाता है। उद्देश्य वही है, अंग्रेजी राज में भगतसिंह को मारा गया था, अब हरेक बुद्धिजीव को मारा जा रहा है क्योंकि अभी तक 'जेन-जेड' के लिए कोई अगला भगतसिंह नहीं हुआ है। लेकिन किसी भी राजनेता ने, न तो राहुल गांधी ने, न ही अखिलेश यादव ने, न ही 'जेन-जेड' की भूमि बिहार के लालू प्रसाद या नीतिश कुमार ने और न ही दक्षिण भारत के किसी नेता ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ कोई रैली निकाली, ना ही कोई आंदोलन किया। सुप्रीम कोर्ट से वांगचुकी की रिहाई को इन नेताओं ने 'जेन-जेड' की जीत के रूप में नहीं लिया बल्कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की हार के रूप में ही लिया है। उनके लिए 'जेन-जेड' आंदोलन की प्राथमिकता नहीं है बल्कि सरकार की आलोचना प्रमुख है।

-राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सेवा भावना की अनोखी गाथा समेटे लंदन का वेटरन ट्री गार्डन

घूमना-फिरना तो सभी को पसंद होता है लेकिन कुछ लोगों को खूबसूरत गार्डन और हरियाली जगहों पर जाना बेहद पसंद होता है। खूबसूरत पेड़-पौधे और फूलों के बीच घूमने का मजा ही अलग है। हरियाली और प्राकृतिक जगहें तो हर किसी को पसंद होता है। हिल स्टेशन हो या कोई प्लेस, अक्सर वहां की प्राकृतिक खूबसूरती आपका मन मोह लेती है। ऐसे में अगर आपको फूलों, हरियाली और प्राकृतिक नजारों से भरपूर गार्डन देखने को मिल जाए तो आपका मन खुशी से झूम उठेगा।

इन पंक्तियों के लेखक ने एक ऐसे गार्डन का हाल ही अवलोकन किया जो दो भाइयों की सेवा भावना की अपनी अनोखी मिसाल के लिए ख्यात है। लंदन के क्रॉयडन क्षेत्र में स्थापित यह गार्डन दो भाइयों की निजी मिल्कियत थी। दोनों भाइयों ने लाखों-करोड़ों रुपयों की राशि खर्च कर लगभग चार एकड़में इसे तैयार किया और बाद में इसे क्षेत्रीय कॉन्सिल को मुफ्त में गिफ्ट कर दिया ताकि आम लोग स्वतंत्र रूप से इस गार्डन की सुविधाओं का लाभ उठा सके। यह वेटरन ट्री गार्डन लगभग चार एकड़ के एरिया में फैला है जो पूरे क्रॉयडन में दुर्लभ और असामान्य झाड़ियों का एकमात्र लगाया हुआ

पेड़ का कलेक्शन है और यहीं स्थापित रोज़ गार्डन जिसके पास सीढ़ीदार लॉन और जड़ी-बूटियों वाले पौधों की सीमाएं हैं। ट्री गार्डन 1920 के दशक में एरिक वेटरन ने बनाया था जबकि रोज़ गार्डन उनके भाई, हर्बर्ट ने बनाया था। गार्डन शांत, दिलचस्प और टहलने या पिकनिक के लिए एकदम सही हैं। 1965 में एरिक वेटरन ने गार्डन, जिसे तब रोज़लैंड्स के नाम से जाना जाता था, लंदन के Borough of Croydon को दे दिया, ताकि इसे आम लोगों के मनोरंजन और भ्रमणीय आनंद के लिए एक खुली जगह के तौर पर रखा जा सके। यहाँ पेड़ों और झाड़ियों का एक अनोखा कलेक्शन है जिसे शुरू में मिस्टर एरिक फ्रैंक वेटरन ने बनाया था। यह गार्डन 1965 में जनता के फायदे के लिए ट्रस्टीज़ को गिफ़्ट के तौर पर कॉर्पोरेशन को दे दिया गया था। उन्होंने 1919 में बनाना शुरू किया था। गार्डन कई छोटे गार्डन से बने हैं, जिनमें डेल्फ़िनियम बॉर्डर और रोज़ ट्रेलिस गार्डन शामिल हैं, जो 1967 में बना था। जहाँ कई बड़े बीच के पेड़ हैं। इस पार्क को अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन फ्लैग अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

-बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल मंगलवार 21 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 11:59 तक, शोभन योग दिन 12:31 तक, बव करण दिन 2:47 तक, चन्द्रमा दिन 1:01 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज यमघट योग रात्रि 11:59 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 11:59 से आरम्भ होगा। आज श्री आद्य शंकराचार्य, सन्त सूरदास जयन्ती है। आज से राष्ट्रीय वैशाख मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:13 से 10:50 तक, लाभ-अमृत 10:50 से 2:02 तक, शुभ 3:38 से 5:14 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:01, सूर्यास्त 6:50

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

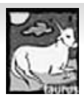

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल में वृद्धि होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यक्तिगत कारणों से मानसिक तनाव हो सकता है।

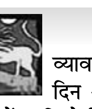

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

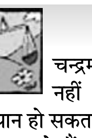

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

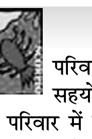

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

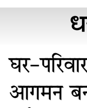

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

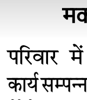

मकर

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

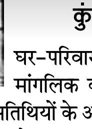

कुंभ

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

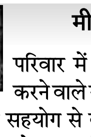

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकार्पण से पूर्व रिफाइनरी में आग लगना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल, सरकार तय करे जिम्मेदारी : टीकाराम जूली

राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष ने मांग उठाई कि पदपचरा रिफायनरी में आगजनी की उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बाडमेर की पचपदरा रिफाइनरी में भीषण आग लगने पर गहरी चिंता और दुःख जताया है। उन्होंने कहा कि यह देवताओं और संतों की भूमि का का पुण्य प्रताप है कि कोई जनहानि नहीं हुई। जूली ने कहा कि पचपदरा स्थित यह रिफाइनरी पूरे प्रदेश का मान- सम्मान और गर्व है तथा सभी इस बात से प्रसन्न थे कि इतने लंबे इन्तजार के बाद आखिरकार इसका लोकार्पण होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इससे पहले कि मंगलवार को पीएम मोदी इसका लोकार्पण करते, सोमवार को यहाँ आग लग गई, इस घटना से पूरा राजस्थान बेहद दुःखी है।

- जूली ने हैरानी जताते हुए कहा कि देश के इतिहास में शायद ही ऐसा कोई वाकया हुआ हो, जब किसी प्रधानमंत्री द्वारा किसी प्रोजेक्ट के उद्घाटन से ठीक एक दिन पहले वहां इतना बड़ा अग्निकांड हो जाए। प्रधानमंत्री की सुरक्षा और प्रोटोकॉल सर्वोपरि होता है, जिससे किसी भी सूरत में समझौता करना अक्षम्य है।
- उन्होंने कहा कि पिछले कई हादसों और घटनाओं से सरकार ने कोई सबक नहीं लिया है और किसी की भी ऐसे मामलों के जिम्मेदारी तय नहीं की जाती है। सरकार को इस प्रकरण में दोषियों पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

जूली ने कहा कि पिछले कई हादसों और घटनाओं से सरकार ने कोई सबक नहीं लिया है और किसी की भी ऐसे मामलों के एकाउंटेबिलिटी तय नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि इस बार इतना बड़ी घटना हो गई है तो सरकार को अब तो कम से कम अकाउंटेबिलिटी तय करके इस घटना के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाई करनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण था, जिसके लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले थे। ऐसे अति-महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले इतने बड़े पैमाने पर आग लगना कई सवालों को जन्म देता है। जूली ने हैरानी जताते हुए कहा कि देश के इतिहास में शायद ही ऐसा कोई वाकया हुआ हो, जब किसी प्रधानमंत्री द्वारा किसी प्रोजेक्ट के उद्घाटन से ठीक एक दिन पहले वहां इतना बड़ा अग्निकांड हो जाए। प्रधानमंत्री की सुरक्षा और प्रोटोकॉल सर्वोपरि होता है, जिससे किसी भी सूरत में समझौता करना अक्षम्य है।

राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री जी और उनका पूरा अमला पचपदरा में केवल इवेंट मैनेजमेंट और चमक-धमक की तैयारियों में व्यस्त रहा, उन्होंने सवाल खड़ा किया कि यदि यह भीषण हादसा एक दिन पहले न होकर ठीक लोकार्पण वाले दिन हो जाता, तो स्थिति कितनी भयावह और आत्मघाती हो सकती थी? क्या मुख्यमंत्रीजी के पास इसका कोई जवाब है?जूली ने कहा कि उनकी जानकारी में आया है कि जयपुर में हुई आज किसी रैली में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने काला पृष्ठ और उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने चुल्लू भर पानी में डूब जाने जैसी बातें बोली हैं, इस पर उन्होंने कहा "मैं तो ऐसी शब्दावली काम में नहीं लेता लेकिन किसे चुल्लू भर पानी में डूबना चाहिए, रिफाइनरी हादसे के बाद अब जनता तय करेगी।" मामले की गंभीरता को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष ने इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। जूली ने मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि अब उन्हें आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। सरकार को सत्ता में आए काफी समय हो चुका है, अब उन्हें केवल विज्ञापन और प्रचार के मोह से बाहर निकलकर गवर्नेंस की बुनियादी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर होना चाहिए। जनता की सुरक्षा और प्रदेश के विकास के प्रति इस तरह की लापरवाही राजस्थान कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ कर रही सरकार

दो दिवसीय अभियान में 1535 हैण्डपम्पों की मरम्मत, 911 पाइपलाइन लीकेज तथा 329 अन्य सुधार कार्य हुए

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेशभर में जल जीवन मिशन, अमृत, ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी कार्यों, क्षितग्रस्त पाईप लाइनों एवं हैण्डपम्पों का जिला प्रशासन एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान हजारों स्थानों पर पाईप लाईन लीकेज व हैंडपंपों की मरम्मत कर दुरुस्तीकरण किया गया।

गत 18-19 अप्रेल को संचालित राज्यव्यापी विशेष अभियान में जिला कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं खण्ड विकास अधिकारियों ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तकनीकी अधिकारियों के साथ गांव-गांव जाकर कार्यों का निरीक्षण किया और मौके पर ही मरम्मत कार्य करवाकर समस्याओं का निस्तारण किया। इस अभियान के अन्तर्गत 2677 कार्यों का निरीक्षण किया गया, जिनमें जल जीवन मिशन के 407, अमृत के 80, ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी के 77 कार्य एवं अवरूद्ध हैण्डपम्प, क्षितग्रस्त पाईप लाईन इत्यादि शामिल है। इसी प्रकार विभाग के तकनीकी कर्मचारी एवं अभियन्ताओं की लगभग 450 टीमों ने कुल 2792 शिकायतों को सूचीबद्ध कर 2775 शिकायतों का निस्तारण किया। इनमें 1535 हैण्डपम्प मरम्मत, 911 पाईप लाईन लीकेज सुधार एवं 329 अन्य सुधार कार्य शामिल है।

जेईएन भर्ती पेपर लीक का एक और मास्टरमाइंड एसओजी के हत्थे चढ़ा

आरोपी भीम सिंह वर्ष 2020 के पेपरलीक मामले में सक्रिय सदस्य था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले में गिरोह के एक सक्रिय सदस्य भीम सिंह को गिरफ्तार किया है। जो अभ्यर्थियों को टैबलेट पर पेपर पढ़वाकर लाखों की वसूली करता था। फिलहाल एसओजी की टीम आरोपित से पूछताछ कर रही है ।

आरोपी भीम सिंह

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले में गिरोह के एक सक्रिय सदस्य भीम सिंह (46) निवासी धीरपुर (अलवर) हाल बानसूर जिला कोटपुतली-बहरोड को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने आरपीएफ से

- आरोपी ने आरपीएफ से वीआरएस लेने के बाद बानसूर में कोचिंग और जयपुर में ऑनलाइन कंप्यूटर लैब शुरू कर ली थी

वीआरएस लेने के बाद बानसूर में कोचिंग और जयपुर में ऑनलाइन कंप्यूटर लैब का संचालन कर रखा था।

जांच में सामने आया है कि यह गिरोह प्रश्नपत्र लीक करने के बाद उसे अभ्यर्थियों को पढ़ाने के लिए सैमसंग टैबलेट और एप्पल आईपैड जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करता था। आरोपी भीम सिंह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रयुक्त टैबलेट अपनी पुत्री को दे दिया था। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी भीम सिंह और उसका साथी भूपेन्द्र सारण (जो पूर्व में आरपीएफ में साथ थे) मिलकर अभ्यर्थियों से प्रति पेपर 25 से 30 लाख रुपए वसूलते थे। यह राशि गैंग के सदस्यों में बांट दी जाती थी। आरोपी मोबाइल के बजाय टैबलेट का उपयोग करता था ताकि एक साथ कई अभ्यर्थियों को पेपर पढ़ाया जा सके। आरोपी भीम सिंह का पेपर लीक से पुराना नाता रहा है। वह पूर्व में भी कनिष्ठ अभियंता भर्ती-2020, सीएचओ भर्ती-2020, राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2022 और हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती जैसी प्रमुख परीक्षाओं के पेपर लीक प्रकरणों में शामिल रह चुका है और गिरफ्तार भी हुआ है। एसओजी अब तक इस गिरोह के सरगना जगदीश बिश्नोई, गणपत मालवाड़ा, अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा, भूपेन्द्र सारण, गणपत लाल और सुरेश को गिरफ्तार कर चुकी है। अब मुख्य फोकस इस बात पर है कि प्रश्न पत्र किस स्त्रोत से लीक हुआ और इसमें और कौन-कौन शामिल हैं।

विजय द्वार पर सड़क सुरक्षा का संदेश

जयपुर। गुलाबी नगरी की सड़कों को सुरक्षित बनाने और दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सोमवार को वैशाली नगर स्थित विजय द्वार चौराहे पर ट्रेफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा संदेश के साथ जागरूकता अभियान चलाया।

तलाक याचिका दायर करने के लिए समय सीमा नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि तलाक या वैवाहिक विवादों में फैमिली कोर्ट जाने के लिए कोई अधिकतम समय सीमा लागू नहीं होती है। इसके साथ ही अदालत ने समय सीमा के आधार पर केस खारिज करने वाले बूंदी फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर प्रकरण को पुनः सुनवाई के लिए भेज दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश एक विवाहिता की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वैवाहिक मामलों में उत्पन्न विवाद के कारण लगातार बने रहते हैं और इन्हें लगातार वाद कारण माना जाता है। इसलिए तलाक की याचिका किसी भी समय दायर की जा सकती है। फैमिली कोर्ट अधिनियम, 1984 में आने और उस पर परिसीमा अधिनियम की धाराएं लागू नहीं होने के कारण तलाक संबधी मामलों में अधिकतम समय सीमा की पाबंदी का प्रावधान लागू नहीं होता। अपील में कहा गया कि उसका नाबालिग रहते साल 1994 में विवाह हुआ और साल 2006 में वह शिक्षक नियुक्त हो गई। जिसके बाद अपीलार्थी व उसके पति के बीच विवाद हो गया और वह साल 2008 में मायके रहने चली गई।

वर्क से वेलनेस तक : रीको औद्योगिक क्षेत्रों में मिलेंगी खेल सुविधाएं

इसके लिए रीको प्रशासन ने प्रदेश के 17 औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि चिन्हित की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रीको औद्योगिक क्षेत्रों की तस्वीर बदलने जा रही है। जहां पहले उद्यमी और कामगार दिन-रात मशीनों के बीच व्यस्त नजर आते थे, वहीं अब वे समय निकालकर औद्योगिक क्षेत्रों में बनने जा रहे स्पोर्ट्स फैसेलिटी सेंटर्स में खेल खेलते और फिटनेस पर ध्यान देते भी दिखाई देंगे।

उद्यिमयों और कामगारों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और कार्यस्थल पर सकारात्मक माहौल विकसित करने एवं कार्य क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से रीको ने एक सराहनीय पहल की है। इस पहल के तहत अब सेचुरेटेड औद्योगिक क्षेत्रों (जहां अधिकांश भूखंड आवंटित हो चुके हैं) में खेल सुविधाओं के विकास के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

रीको ने राज्य के 17 औद्योगिक क्षेत्रों में इसके लिए भूमि चिन्हित कर ली है। जयपुर में औद्योगिक क्षेत्र बगरू छितरौली, अपैरल पार्क, सीतापुरा तृतीय चरण, भिवाड़ी द्वितीय में औद्योगिक क्षेत्र कारौली, कोटा में इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र, सवाई माधोपुर में खेरदा, आबूरोड में अर्बुदा, नागौर में एसजीसी परबतसर, पाली में पाली चतुर्थ चरण, किशनगढ़ में किशनगढ़ चतुर्थ चरण, झुंझनूं में झुंझनूं द्वितीय चरण, बीकानेर में कारनी एवं बीछवाल, बोरानाडा में ईपीआईपी बोरानाडा, श्रीगंगानगर में 13 एनएनपी, सीकर में एसकेएस रींगस (विस्तार) और अजमेर में अजयमेरू पालड़ा सम्मिलित हैं।इन क्षेत्रों में लगभग 1000 से 3000 वर्गमीटर तक के भूखण्ड खेल सुविधाओं के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनका आवंटन रेंटल मॉडल के आधार पर किया जाएगा। साथ ही, यहां भूखण्ड के 20 प्रतिशत क्षेत्र (10 प्रतिशत आच्छादित क्षेत्र) में रिफ्रेशमेंट, पेयजल और विश्राम कक्ष जैसी आवश्यक सुविधाएं भी विकसित करने की अनुमति होगी।रीको की इस नई पहल से औद्योगिक क्षेत्रों में न सिर्फ काम का माहौल बेहतर होगा, बल्कि उद्यिमयों और कामगारों को स्वस्थ और ऊर्जावान जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरणा मिलेगी। औद्योगिक क्षेत्रों में ही खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने से युवाओं का रूझान भी उद्योग लगाने में बढ़ेगा और रोजगार के नवीन अवसर भी सृजित होंगे।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट (दक्षिण) की डीएसटी टीम ने अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देसी कट्टा बरामद किया है। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन आग' के तहत संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राज ऋषि राज ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त मानसरोवर के सुपरविजन में डीएसटी टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा लगातार निगरानी और सूचना संकलन के बाद आरोपी कासिम पुत्र रमजानी (25) निवासी तिलहर, मोहल्ला सितारगंज, थाना शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) हाल निवासी रोहिणी नगर (रेनवाल मांझी, जयपुर ग्रामीण) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से मौके पर एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन राजस्थान दौरे पर आएंगे

27 अप्रैल को भाजपा के 7 नवनिर्मित जिला कार्यालयों का उद्घाटन होगा

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से 27 अप्रैल को प्रदेश में एक साथ 7 नवनिर्मित जिला कार्यालयों का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन प्रदेश दौरे पर रहेंगे। खास बात यह है कि नितिन नबीन का यह राजस्थान का पहला दौरा होगा, जिसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह और तैयारियां देखने को मिल रही हैं।

टोंक में जिला कार्यालय के उद्घाटन को लेकर विशेष रूप से भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार, इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। जिला मुख्यालय पर होने वाले इस कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्ताओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मंडल और बूथ स्तर तक व्यापक संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

उद्घाटन समारोह के साथ ही एक विशाल जनसभा का भी आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें नितिन नबीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित करेंगे। इस दौरान स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं को भी मंच पर स्थान दिया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें यातायात व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा और मंच प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से आयोजित करने की योजना बनाई गई है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आगामी चुनावों को देखते हुए भाजपा संगठन अपने ढांचे को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पकड़ बढ़ाने की दिशा में सक्रिय है। नए जिला कार्यालयों का निर्माण इसी रणनीति का हिस्सा है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं को बेहतर संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

टोंक सहित अन्य जिलों में एक साथ होने वाले इन उद्घाटन कार्यक्रमों से भाजपा प्रदेश में संगठनात्मक ऊर्जा का संचार करना चाहती है। पार्टी का मानना है कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता की नींव होता है, और इसी दिशा में यह पहल एक बड़ा कदम साबित होगी। कुल मिलाकर, 27 अप्रैल को होने वाला यह आयोजन न केवल संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक होगा, बल्कि प्रदेश की राजनीति में भी नई सक्रियता और संदेश देने वाला माना जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं में इस कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह है और इसे सफल बनाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

पेपर लीक प्रकरण में वीक्षक को जमानत नहीं

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कांस्टेबल भर्ती 2018 पेपर लीक मामले में परीक्षा केन्द्र पर वीक्षक रहे आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की एकलपीठ ने यह आदेश कमल कुमार वर्मा की जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मामला संगठित अपराध से जुडा हुआ है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों से प्रथमदृष्टया याचिकाकर्ता की मिलीभगत लग रही है। ऐसे में केवल जेल में लंबे समय से बंद होने के कारण उसे जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।याचिका में कहा गया कि वह परीक्षा केन्द्र पर वीक्षक पद पर तैनात था। इस मामले में अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन वह मई, 2022 से जेल में बंद है। उसे प्रकरण में फंसाया गया है। याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट तय कर चुका है कि एक तिहाई सजा पूरी होने के आधार पर भी जमानत मिलती है। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील जयप्रकाश तिवाडी ने कहा कि इस मामले में 46 में से 32 गवाहों के बयान हो चुके हैं। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

बीएसबी बोर्ड का 10वीं और 12वीं का परिणाम घोषित

10वीं में ऑल इंडिया टॉपर बनी आचार्यकुलम असम की अश्मिता बसनेट तथा 12वीं की टॉपर रहीं पतंजलि गुरूकुलम टिहरी की मल्लिका दास

हरिद्वार। भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी) ने शैक्षिणक सत्र 2025-26 के राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कक्षा 10 एवं 12 बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए है। 10वीं में ऑल इंडिया टॉपर बनी आचार्यकुलम असम की अश्मिता बसनेट तथा 12वीं की पतंजलि गुरूकुलम टिहरी की मल्लिका दास टॉपर रही।

कक्षा 10 में ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम स्थान अश्मिता बसनेट (97 प्रतिशत), आचार्यकुलम कुमारिकाता, असम ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान प्रियंम चक्रवर्ती (92.60 प्रतिशत), आचार्यकुलम चिरांग, असम तथा तृतीय स्थान एंजेल (92.40 प्रतिशत), पतंजलि गुरुकुलम टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड को प्राप्त हुआ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में ज्विशामत बसुमतारी (99), सूचना प्रौद्योगिकी में रमाशीष (92), हिंदी में एंजेल (94) से अव्वल रहीं। संस्कृत में प्रगति सिन्हा, रुचि कुमारी एवं वैष्णवी पंचोली (100/100) ने बाजी मारी। सामाजिक विज्ञान में अश्मिता बसनेट एवं सेविका देवी (97) से शीर्ष स्थान पर रहीं। पेंटिंग में माधवी त्यागी (99), तथा पंजाबी में सपना (84) अंकों के साथ रही। असमिया में बर्निल कश्यप, सुबदीप देबनाथ एवं प्रिया बैश्य (93), तथा बोडो में सुजुमा ब्रह्मा (79) रही।

कक्षा 12 में ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम स्थान मल्लिका दास (96.20 प्रतिशत), पतंजलि गुरुकुलम, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड ने प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान प्रिया (94.80 प्रतिशत), पतंजलि गुरुकुलम हरिद्वार, उत्तराखंड तथा तृतीय स्थान अंशिका चौहान (94.60 प्रतिशत), पतंजलि गुरुकुलम, हरिद्वार, उत्तराखंड को प्राप्त हुआ।

कंप्यूटर साइंस में मल्लिका दास (93), अंग्रेजी में काशिश यादव (95), इतिहास में दीक्षित्ता मौर्य (96), हिंदी में अनुष्का सिंह (99), ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्पेनिश एवं संस्कृत में ज्योति देवासी (90, 99), पेंटिंग में आस्था सिंह पटेल (100/100), अर्थशास्त्र में वेद भानु प्रधान (90), संगीत में अमन देवी एवं स्यामिन पौडेल (99) तथा योग में अंशिका चौहान एवं श्रद्धा जायसवाल (99) रही। बता दें कि भारतीय शिक्षा बोर्ड की ओर से 5 से 29 मार्च तक देश भर में आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद से बोर्ड ने तुरंत मूल्यांकन कार्य की शुरुआत कर दी। जिससे त्वरित गति से परिणाम 10 वीं और 12 वीं का आज सामने आया है।

युवती का पीछा कर धमकाने वाला मनचला गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए तैनात कालिका पेट्रोलिंग टीम ने सोमवार को एक मनचले को सलाखों के पीछे पहुंचाया है। यह युवक काफी समय से एक युवती का साए की तरह पीछा कर उसे दोस्ती के लिए डरा-धमका रहा था। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि सोमवार को कालिका पेट्रोलिंग यूनिट (गुलाब, सुमित्रा, सोनू और रेखा) गश्त पर थी । इसी दौरान एक युवती ने फोन पर सूचना दी कि एक युवक रोज उसका पीछा करता है और दोस्ती न करने पर धमकियाँ देता है। युवती ने बताया कि वह युवक उसके मोती डूंगरी स्थित ऑफिस तक पहुँच गया है और बाहर थड़ी पर बैठकर उसका इंतजार कर रहा है। जिससे उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा के नेतृत्व में टीम ने तुरंत मौके पर पहुँचकर युवती से संपर्क किया। युवती के इशारे पर टीम ने आरोपी अंकित पाराशर (24) निवासी मंडरायल जिला करौली को दबोच लिया ।

आईपीएल टिकट के नाम पर साइबर ठगी की संभावना

राजस्थान पुलिस ने आमजन के लिए जारी की एडवाइजरी

जयपुर। आईपीएल 2026 सीजन के दौरान टिकटों की भारी मांग को देखते हुए साइबर अपराधियों की सक्रियता बढ़ गई है। ऐसे में राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन, विशेष रूप से क्रिकेट प्रेमियों को सतर्क रहने के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) वी.के. सिंह के निर्देशों पर जारी इस एडवाइजरी में ठगी के नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।

पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) शान्तनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी लोगों की उत्सुकता और जल्दबाजी का फायदा उठाकर उनकी मेहनत की कमाई हड़प रहे हैं। उन्होंने बताया कि अपराधी फिशिंग और क्लोन वेबसाइट्स के जरिए असली टिकट बुकिंग साइट्स की नकल तैयार करते हैं, जिनमें मामूली बदलाव कर लोगों को भ्रमित किया जाता है। इन फर्जी वेबसाइट्स पर कार्ड डिटेल डालते ही बैंक खाते से रकम निकल जाती है।

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वीआईपी पास या कन्फर्म टिकट के नाम पर लुभावने ऑफर देकर भी लोगों को फंसा रहे हैं ठग

इसके अलावा सर्च इंजन विज्ञापनों के जरिए भी ठगी की जा रही है। गूगल पर सर्च करने पर सबसे ऊपर दिखने वाले कुछ विज्ञापन फर्जी वेबसाइट्स के होते हैं, जिन पर क्लिक करने से उपभोक्ता ठगी का शिकार हो सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स-जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम-पर वीआईपी पास या कन्फर्म टिकट के नाम पर लुभावने ऑफर देकर भी लोगों को फंसाया जा रहा है।

पुलिस ने चेताया है कि भुगतान के बाद ठग व्हाट्सएप पर नकली क्यूआर कोड या ई-टिकट भेज देते हैं, जो स्टेडियम पर स्कैन नहीं होते। साथ ही सिर्फ 2 टिकट बचे हैं या सीमित समय का ऑफर जैसे संदेश देकर तुरंत भुगतान के लिए दबाव बनाया जाता है।

पुलिस ने सलाह दी है कि टिकट केवल आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत प्लेटफॉर्म से ही खरीदें। भुगतान से पहले वेबसाइट के यूआरएल में और सही स्पेलिंग की जांच करें। किसी भी संदिग्ध या अत्यधिक सस्ते ऑफर से बचें और सुरक्षित पेमेंट गेटवे का उपयोग करें। राजस्थान पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सतर्कता ही साइबर ठगी से बचने का सबसे बड़ा उपाय है, इसलिए किसी भी ऑनलाइन लेनदेन में पूरी सावधानी बरतें।

बीकानेर में स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार महिला सहित तीन जनों की मौत

तीनों लोग शादी समारोह में मजदूरी के लिए पलाना गांव की ओर जा रहे थे

■ **टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए, वहीं महिला के हाथ-पैर टूट गए, महिला और एक व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, एक नाबालिग की इलाज के दौरान मौत हो गई**

बीकानेर, (निसं)। गंगाशहर थाना क्षेत्र में स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों लोग शादी समारोह में काम करने के लिए जा रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं महिला के हाथ-पैर टूट गए। महिला और एक व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक नाबालिग की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा सोमवार सुबह करीब चार बजे पलाना गांव की ओर जाते समय धारणिया पेट्रोल पंप से 500 मीटर आगे हुआ।

जानकारी के अनुसार बाइक पर लेखराम, भंवरी देवी और नाबालिग कुलदीप सवार थे। तीनों किसी विवाह समारोह में मजदूरी के लिए पलाना गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि लेखराम और भंवरी देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल कुलदीप को पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, तीनों आपस में रिश्तेदार नहीं थे। घटना की सूचना मिलते ही गंगाशहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पीबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। घायल कुलदीप को भी पुलिस की मदद से हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलने पर खिदमतगार खादिम सोसायटी असहाय सेवा संस्थान के हाजी जाकिर, हाजी नसीम, राजकुमार खड़गावत, जुनैद खान, रमजान, इमरान, अयूब, हाजी मलंग बाबा, शकील और शाएब एंबुलेंस लेकर मौके पर पहुंचे। इन्हीं लोगों ने पुलिस के निर्देशन में शवों को पीबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी में पहुंचाया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए।

श्रीगंगानगर में स्कॉर्पियो की टक्कर से डेयरी संचालक की मौत, चालक फरार

■ **बाइक पर पीछे बैठा दोस्त उछलकर 10 फीट दूर गिरकर घायल हुआ**

■ **बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन लॉक नहीं लगाया हुआ था**

■ **टक्कर के झटके से हेलमेट सिर से निकलकर दूर गिर गया, जिससे गंभीर हेड इंजरी हुई**

श्रीगंगानगर, (निसं)। स्कॉर्पियो ने बाइक को टक्कर मार दी। डेयरी संचालक की सड़क पर गिरते ही मौत हो गई। युवक ने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। पीछे बैठा दोस्त उछलकर करीब 10 फीट दूर जाकर गिरा। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं हादसे के बाद आरोपी स्कॉर्पियो ड्राइवर फरार हो गया।

हादसा जवाहर नगर थाना क्षेत्र में इंदिरा वाटिका के सामने रविवार की शाम को हुआ। घटना का वीडियो सोमवार को सामने आया है। स्कॉर्पियो की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार डेयरी संचालक की सड़क पर गिरते ही मौत हो गई। पीछे बैठा उसका दोस्त भी घायल हो गया।

एएसआई मनीराम ने बताया कि स्कॉर्पियो दक्ष प्रजापति चौक से चहल चौक की ओर जा रही थी। वहीं बाइक सवार डेयरी संचालक चहल चौक स्थित डेयरी पर अपने दोस्त के साथ जा रहा था। इस दौरान इंदिरा वाटिका के गेट के सामने ड्राइवर ने पहले गाड़ी को बाईं ओर सेक्टर 6-8 की तरफ मोड़ा, फिर अचानक दाईं ओर डिवाइडर कट पार करने के लिए घुमा दिया। इस दौरान ओवरटेक कर रही बाइक को स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक उछलकर दूर जा गिरे। बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन लॉक नहीं लगाया हुआ था। टक्कर के झटके से हेलमेट सिर से निकलकर दूर गिर गया, जिससे गंभीर हेड इंजरी हुई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने निजी वाहनों से दोनों को गंगानगर जिला हॉस्पिटल में पहुंचाया।

एएसआई मनीराम ने बताया कि महेश शर्मा (28) निवासी 2 एमएल सरपंच कॉलोनी नाथांवाला (श्रीगंगानगर) का रहने वाला था। महेश शर्मा की चहल चौक पर डेयरी है और दूध सप्लाई का काम करता था। वह अपने पिता श्रीचंद शर्मा का इकलौता बेटा था। घायल सौरभ, कालियां गांव (श्रीगंगानगर) का रहने वाला है। मृतक महेश के चाचा ने जवाहरनगर थाने में स्कॉर्पियो ड्राइवर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कराया है। सीसीटीवी के आधार पर आरोपी स्कॉर्पियो ड्राइवर की पहचान की जा रही है। शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया।

ट्रेन में तबीयत बिगड़ने से यात्री की मौत

कोटा, (निसं)। ट्रेन में यात्रा के दौरान तबीयत बिगड़ने से यात्री की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अपने परिचित के साथ एक युवक अवध एक्सप्रेस से सूरत से गोरखपुर घर जाने के लिये रवाना हुआ था, जिसकी रास्ते में तबीयत बिगड़ गई। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। जीआरपी पुलिस ने बताया कि गोरखपुर निवासी संदीप कुमर अपने परिचित के साथ सुरत से गोरखपुर जाने के लिये अवध एक्सप्रेस से रवाना हुआ था, जिसकी रास्ते में बीमारी के चलते तबीयत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां संदीप कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बीजेपी नेता के घर 28 लाख की चोरी, शादी में गया था परिवार

17 तोले सोने के गहने, 500 ग्राम चांदी और दो लाख की नगदी चोरी

■ **घर के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में तीन युवक घर के पास आते हुए दिखे**

अनूपगढ़, (निसं)। बीजेपी जिला उपाध्यक्ष अविनाश डाबी के घर चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। सूने मकान को चोरों निशाना बनाकर 17.2 तोले सोने के जेवर, 500 ग्राम चांदी और 2 लाख रुपए कैश चुरा लिए। सोमवार की सुबह पड़ोसियों ने ताले टूटे देखे तो अविनाश डाबी को सूचना दी। चोरी हुए सामान की कीमत करीब 28 लाख रुपए आंकी गई है।

अविनाश डाबी ने बताया कि अनूपगढ़ के वार्ड 21 में उनका मकान परिवार के सभी लोग चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए रायसिंहनगर गए थे। सोमवार सुबह पड़ोसियों ने अविनाश डाबी के घर के दरवाजे खुले देखे, जिसके बाद उन्होंने डाबी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर अविनाश डाबी परिवार सहित घर पहुंचे। डाबी ने बताया कि घर के सभी कमरों का सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने कमरों में रखी अलमारियों से करीब 172 ग्राम सोने के जेवर, लगभग 500 ग्राम चांदी के जेवर और दो लाख रुपए नकद चुरा लिए और फरार हो गए।

सूचना मिलने पर एएसआई सलीम खान और कांस्टेबल रतन सिंह मौके पर पहुंचे। एएसआई ने बताया कि घर के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में तीन युवक घर के पास आते हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन फुटेज साफ न होने के कारण उनकी पहचान करना मुश्किल है। पुलिस मामले में अनुसंधान कर रही है।

अविनाश डाबी ने बताया कि वह परिवार के सदस्यों के साथ 18 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे रायसिंहनगर में शादी पर गए थे। सोमवार सुबह करीब 9 बजे पड़ोसियों ने बताया कि आपके घर का मेन गेट खुला हुआ है। इस पर घर वापिस आकर देखा कि मेन गेट के ताला लगा हुआ था लेकिन कुंडा टूटा हुआ था। उन्होंने बताया कि चोरी होने की आशंका होने पर हमने घर में रखे जेवर और नगदी संभाले सारा सामान गायब मिला।

अविनाश डाबी के द्वारा इसकी सूचना अनूपगढ़ पुलिस थाने में दी गई। सूचना मिलने पर एएसआई सलीम खान और कांस्टेबल रतन सिंह मौके पर पहुंचे। एएसआई ने बताया कि पुलिस के द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए मुखबिरों को भी सक्रिय कर दिया गया है।

जोधपुर में नकली किताबें जब्त

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में नकली शैक्षिणक सामग्री बेचने के मामले में सरदारपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने एनसीईआरटी की नकली किताबें बेचने के मामले में एक पुस्तक व्यापारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सरदारपुरा थाने के सब इंस्पेक्टर दीपलाल ने रणछोड़दास मंदिर के पीछे बाईजी का तालाब क्षेत्र में स्थित मैसर्स कमल प्रकाशन पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मौके से एनसीईआरटी की नकली किताबें बरामद की गई। पुलिस ने दुकान संचालक वीरेंद्र गट्टानी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। जांच सरदारपुरा थानाधिकारी जय किशन सोनी कर रहे है।

अजमेर : अपहरण के आठ दोषियों को सजा सुनाई

अजमेर, (निसं)। एक वर्ष पुराने सनसनीखेज मामले में अदालत ने सख्त फैसला सुनाते हुए 8 आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने सभी दोषियों को तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास और 50-50 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार घटना 20 मार्च 2023 की है, जब आरोपियों ने पति-पत्नी का अपहरण कर उन्हें नागौर ले जाकर अलग-अलग कर दिया। इसके बाद सुनसान स्थान पर पति की नाक काट दी और इस अमानवीय कृत्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया। ट्रायल के दौरान 29 गवाहों के बयान और 97 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए, जिनके आधार पर अदालत ने दोष सिद्ध माना। अदालत ने पीड़ित के पुनर्वास को ध्यान में रखते हुए उसे पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 3.5 लाख रुपए की सहायता देने के आदेश भी दिए हैं। न्यायालय ने कहा कि यह फैसला समाज में कड़ा संदेश देगा कि जघन्य अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

डूंगरपुर में चाइल्ड हेल्पलाइन ने बाल विवाह रूकवाया, बारात वापस लौटी

पुलिस और प्रशासन की टीम ने परिजनों से समझाइश की।

■ **बालिका के माता-पिता को बाल विवाह नहीं कराने हेतु प्रशासन ने पाबंद किया**

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर के एक गांव में चाइल्ड हेल्पलाइन ने बाल विवाह रूकवा दिया। इसके बाद बारात बेरंग लौट गई।

बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को सूचना प्राप्त हुई कि धम्बोला थाना क्षेत्र के गांव नवाघरा चाडोली में एक बालिका जिसकी उम्र करीब 15 वर्ष 11 माह है, जिसका बाल विवाह सोमवार को होने जा रहा है, उसे मदद की आवश्यकता है। सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग डॉ. कल्पित शर्मा ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा ने इसकी सूचना जिला प्रशासन व धम्बोला पुलिस थाना को दी जिसके बाद उपखण्ड अधिकारी सीमलवाडा, धम्बोला पुलिस, सृष्टी सेवा समिति व चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 की संयुक्त टीम द्वारा उक्त बालिका के घर जाकर जांच की तो पता चला कि बालिका का बाल विवाह करवाया जाने की तैयारी हो चुकी थी और बारात भी पहुंच चुकी थी, जिस पर टीम ने दुल्हन के दस्तावेजों की जांच की तो पाया कि दुल्हन की उम्र 15 वर्ष 11 माह है। जिस पर उक्त बाल विवाह मौके पर रूकवाया गया और बारात को बेरंग लौटा दिया गया, बालिका के परिजन माता-पिता को बाल विवाह नहीं कराने हेतु उपखंड अधिकारी, तहसील सीमलवाडा द्वारा पाबंद किया। उक्त कारवाही मे उपखण्ड अधिकारी सीमलवाडा विवेक गुर्जर,पटवारी आशीष आमलिया, सचिव भंवरलाल,पुलिस थाना धम्बोला से उप निरीक्षक सकाराम व चेतन लाल सहायक उप निरीक्षक मय जाप्ताए चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 से हिमांशु जैंन व सृष्टी सेवा समिति से जिला समन्वयक सुरेन्द्र ढोली, मौजूद रहे।

होटल संचालक की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बीदासर, (निसं)। कस्बे के सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित एक रेस्टोरेंट एंड होटल के संचालक मुन्नी राम मंडा की दो मार्च होली की रात की गई निर्मम हत्या के नामजद मुख्य आरोपी हमलावर शूटर राजूराम उर्फ राजू नेहरा निवासी ढढेरू को पुलिस ने रविवार की रात्रि में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को सोमवार को सुजानगढ़ न्यायालय में पेश किया। जहां न्यायालय ने राजू राम को पांच दिन की पीसी रिमांड पर भेजा है। आईजी बीकानेर द्वारा आरोपी राजू राम की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। लगभग एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। आरोपी हत्या करने के बाद से ही फरार चल रहा था।

थानाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में मारपीट व लूट के आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी की तलाश में पुलिस ने राजगढ़, हिसार, उत्तर प्रदेश, सीकर, फतेहपुर, डिडवाना सहित अनेक स्थानों पर दबिश देकर गिरफ्तारी को अंजाम दिया है। इससे पूर्व पुलिस ने मुन्नीराम हत्याकांड में मुन्नी राम की थार की गाड़ी की रेकी कर आरोपियों को घटना से तुरंत पहले सूचना देने के आरोपी मनोज कुमार मेघवाल गांव लाछड़सर व रेकी करने के आरोपी लेखराम कड़वासरा गांव जोगलिया, सुभाष गोदारा गांव अमृतवासी व मास्टर माइंड हिस्ट्रीशीटर देवी सिंह जाट एवं फायरिंग के आरोपी धन्नाराम उर्फ दानाराम निवासी मोमासर, अजित हुड्डा निवासी खिड़वाली हरियाणा को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भिजवा चुकी है। आरोपी की गिरफ्तारी में थानाधिकारी दिलीप सिंह, एचसी महेश कुमार मीणा, कांस्टेबल नोपाराम, एजीटीएफ व साइबर सेल चूरू व विशेष भूमिका पुलिस थाना बीदासर के कांस्टेबल सुभाष की रही।

मंडफिया : भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 16 अप्रैल चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती सोमवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में तीसरे चरण में हुई। तीसरे चरण से भंडार से 9 करोड़ 60 लाख 61 हजार 500 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व दो चरणों में हुई भंडार गिनती से 17 करोड़ 62 लाख 24 हजार 500 रुपए नगद प्राप्त हुए थे। तीनों चरणों को मिलाकर 27 करोड़ 22 लाख 86 हजार नगद प्राप्त हुए। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

पिस्टल सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून पुलिस टीम ने इलाके में अवैध हथियार देशी पिस्टल सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध हथियार की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये विशेष ऑपरेशन क्रिमिनल डस्टिंग अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के तहत् कैथून थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दांयी मुख्य नहर तेजाजी मंदिर जाने वाले रास्ते के पास वारदात करने की फिराक में अवैध हथियार देशी पिस्टल लेकर घूम रहे मोहम्मद रिजवान (35) को आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार किया।

डीपीसी में चयनित 11881 व्याख्याता के चयन आदेश जारी

11881 व्याख्याता पदोन्नत होने के बाद भी 3833 क्रमोन्नत स्कूलों को टीचर नहीं मिलेंगे

■ **शिक्षक नहीं होने का नतीजा यह है कि स्कूल क्रमोन्नत होने के बाद भी अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला इन स्कूलों में नहीं करवा रहे हैं**

■ **वर्तमान में स्कूलों में व्याख्याताओं के 20 हजार से अधिक पद रिक्त हैं, पदोन्नत व्याख्याताओं की पोस्टिंग के बाद भी करीब 8 हजार पद रिक्त रहेंगे**

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने 13 अप्रैल को हुई डीपीसी में चयनित 11881 व्याख्याता की चयन आदेश जारी कर दिए हैं। अब इन व्याख्याता को काउंसलिंग के जरिए स्कूलों में रिक्त पदों पर पदस्थापन दिया जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता बनने के बाद भी प्रदेश के 3833 क्रमोन्नत स्कूलों को व्याख्याता नहीं मिल सकेंगे। इन स्कूलों में अभी तक व्याख्याता के पद मंजूर नहीं हुए हैं। हालांकि शिक्षा निदेशालय में पिछले साल क्रमोन्नत स्कूलों में 11499 व्याख्याता के पद मंजूर करने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे थे।

नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी इन स्कूलों में व्याख्याता के पद नहीं दिए गए हैं। ऐसे में 11881 व्याख्याता की पदोन्नति होने के बाद भी इन स्कूलों में 11वीं और 12वीं कक्षा की पढ़ाई प्रभावित होगी। हालत यह है कि क्रमोन्नत किए गए इन स्कूलों में 9वीं - 10 वीं कक्षा को पढ़ने के लिए स्वीकृत सेकंड ग्रेड शिक्षकों के भी 40 फीसदी से अधिक पद रिक्त हैं। 10वीं कक्षा में नामांकन भी काफी कम है। शिक्षक नहीं होने का नतीजा यह है कि स्कूल क्रमोन्नत होने के बाद भी अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला इन स्कूलों में नहीं करवा रहे हैं। वर्तमान में सरकारी स्कूलों में व्याख्याताओं के 20 हजार से अधिक पद रिक्त हैं। पदोन्नत व्याख्याताओं की पोस्टिंग के बाद भी करीब 8 हजार पद रिक्त रहेंगे।

बसंत कुमार ज्याणी, प्रदेश प्रवक्ता, राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा का कहना है कि नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है। अनेक स्कूलों में व्याख्याता के पद रिक्त हैं। वहीं क्रमोन्नत हुए स्कूलों में 3 साल बाद भी पद नहीं दिए गए हैं। ऐसे में नामांकन बढ़ोतरी भी प्रभावित होगी।

कोटा में छह लाख का अवैध मादक पदार्थ जब्त

पुलिस ने मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। बपावरकलां में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये 41.680 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा के साथ तस्कर चेतन निवासी बुचेटी थाना खेडापा जिला जोधपुर और सुनिल पुत्र गोमाराम निवासी सालवाकलां थाना डागियावास जिला जोधपुर को गिरफ्तार किया। वहीं घटना में प्रयुक्त वाहन एक कार को जब्त करने में सफलता प्राप्त की। जब्त मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 6 लाख 25 हजार रूपये बताई जा रही है।

जिला कोटा ग्रामीण द्वारा अवैध गतिविधियों की रोकथाम तथा वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी व धरपकड़ हेतू चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण रामकल्याण मीना आरपीएस सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत सांगोद नरेन्द्र जैन आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेश मीणा उ.नि. के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित कर रखा था।

इस क्रम में गठित पुलिस टीम द्वारा विशेष कार्य योजना बनाकर बांरा-झालावाड़ राज्य राजमार्ग सांगोद चौराहा पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध वाहन कार को रोकने की कोशिश की तो उक्त कार को कार चालक ने वापस खानपुर की तरफ जाने लगी तो खानपुरा तिराहा से कस्बा बपावर की तरफ घूमी। उसी समय तो सरकारी वाहन को आगे लगाकर जाब्ते की मदद से रोका व जांच की तो 41.680 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की तस्करी करते हुये दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त वाहन कार को जब्त किया गया। जब्त किये गये मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 6 लाख 25 हजार रूपये है। आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

पुष्कर बस हादसा : देवनानी ने घायलों से मुलाकात की

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जेएलएन अस्पताल पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूछी।

अजमेर, (कासं)। पुष्कर घाटी में हुए दर्दनाक बस हादसे के बाद सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जेएलएन अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने अस्पताल में भर्ती सभी घायलों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा चिकित्सकों से उपचार की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार सुबह जेएलएन अस्पताल पहुंचे। विधानसभा अध्यक्ष ने अस्पताल प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि हादसे में घायल किसी भी मरीज के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को निशुल्क, समुचित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अस्पताल दौरे के बाद विधानसभा अध्यक्ष हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के घर भी पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। वहीं देवनानी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जांच अभियान चलाया जाए। इस अवसर पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि व चिकित्सक उपस्थित रहे।

20 दुकानदारों के चालान काटे

टोंक, (निसं)। नगर परिषद टीम द्वारा सोमवार को स्वच्छता अभियान के तहत शहर में 20 दुकानदारों के चालान काटे गए। साथ ही उन्हें हरे और नीले रंग के डस्टबिन भी वितरित किए गए। परिषद टोंक आयुक्त धर्मपाल जाट के निर्देशन में टीम ने सोमवार को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) एवं स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के तहत कार्रवाई की।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/40 Dated :- 15/04/2026

CORRIGENDUM / ADDENDUM

Bid for item:
1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date : 04-05-2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN : MSC2526GLOB00056

Executive Director (EPM)
Rajasthan Medical Services Corporation

Raj.Samwad/C/26/1095

सड़क पर मिले 30 लाख रुपए के गहनों से भरे पर्स को पुलिस कांस्टेबल ने लौटाया

श्याम नगर थाने में तैनात कांस्टेबल मुखराम की ईमानदारी की उच्चाधिकारियों ने तारीफ की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के श्याम नगर थाना पुलिस के एक कांस्टेबल ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की अनूठी मिसाल पेश की है। ड्यूटी के दौरान मिले करीब 30 लाख रुपये की ज्वेलरी और नकदी से भरे पर्स को पुलिस ने सुरक्षित उसकी असली मालकिन तक पहुँचाया।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि सोमवार को श्याम नगर थाने में तैनात कांस्टेबल मुखराम कटेवा नगर क्षेत्र में चेतक ड्यूटी पर थे। गश्त के दौरान उन्हें लावारिस अवस्था में एक पर्स मिला। कांस्टेबल ने तुरंत इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी और पर्स को थाने के मालखाने में जमा करवाया।

पर्स की मालकिन रीता मिश्रा (निवासी कटेवा नगर) ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ बीकानेर में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रही थीं। ऑटो में बच्ची को बैठाते समय उनका पर्स सड़क पर गिर गया था। पर्स में 2 सोने की चैन, 2 ब्रेसलेट, 1 सोने का हार, 5 सोने की अंगूठियां सहित 10 हजार 600 रुपये और मोबाइल फोन था। पर्स में रखे मोबाइल पर जब कॉल आया तो पुलिस ने पीड़िता को थाने बुलाया। तस्दीक के बाद महिला को उनका सामान सुपुर्द कर दिया गया। पर्स लौटाने में कांस्टेबल मुखराम की विशेष भूमिका रही, जिसकी उच्चाधिकारियों ने सराहना की है।

■ **पर्स में 2 सोने की चेन, दो ब्रेसलेट, एक सोने का हार, 5 सोने की अंगूठियां और 10600 रुपये व मोबाइल फोन था।**

"ग्राम-2026" का रोड शो 23 को

जयपुर। राजस्थान को कृषि नवाचार और निवेश का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में राजस्थान सरकार द्वारा समिट पार्टनर फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 रोड शो का आयोजन 23 अप्रैल 2026 को कन्वेंशन हॉल होटल द अशोक नई दिल्ली में किया जाएगा। इस रोड शो का उद्देश्य राज्य की प्रगतिशील कृषि नीतियों, निवेश की संभावनाओं तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है। साथ ही, यह आयोजन उद्योग, स्टार्टअप्स और अकादमिक संस्थानों के साथ सार्थक साझेदारी को बढ़ावा देगा। इस कार्यक्रम कृषि, एग्रीटेक आदि क्षेत्रों से जुडे नीति मार्गदर्शक, नीति निर्माता, उद्योगपति, उद्यमी, कृषि स्टार्टअप्स, एफपीओ, प्रगतिशील किसान आदि भाग लेंगे। रोड शो के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा अनुभव साझा करने के लिए सत्र आयोजित किए जाएंगे जिसमें एग्रीटेक क्षेत्र में नवाचार एवं श्रेष्ठ प्रथाओं पर चर्चा होगी तथा राज्य की कृषि क्षेत्र में रूपांतरण की रणनीति पर प्रकाश डाला जाएगा।

महिला की बेरहमी से हत्या कर शव सुनसान जगह पर फेंका

■ **चौमूं इलाके में सड़क किनारे शव पड़ा देखकर हड़कंप मचा**

जयपुर (कासं)। चौमूं थाना इलाके के आनंदलोक क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिला। सूचना मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई और मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला की हत्या कर शव को सुनसान स्थान पर फेंका गया है। शव चौमूं के भट्टों की गली से रेलवे अंडरपास जाने वाले मार्ग के पास मिला, जो कम आवाजाही वाला क्षेत्र है।

थानाधिकारी हरबेन्द्र सिंह ने बताया कि मृतका की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष के बीच प्रतीत होती है। महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जिससे जानलेवा हमला किए जाने की आशंका है। वहीं महिला के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ मिला, जिससे घटना के सुनियोजित होने की संभावना जताई जा रही है। घटनास्थल से एक बटन वाला मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस जांच की अहम कड़ी मान रही है। मोबाइल के कॉल रिकॉर्ड के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधि-विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने साक्ष्य एकत्रित किए हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्र में पूछताछ करने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना के संबंध में सुराग मिल सके। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है, जो पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

15 शहरों का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचा

जयपुर। प्रदेश में अब धीरे- धीरे पारा बढ़ने लगा है। सोमवार को प्रदेश के 15 शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री और 8 शहरों का रात का पारा 25 डिग्री के पार दर्ज किया गया। 42 डिग्री के साथ कोटा का दिन और 28.4 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। आगामी समय में पारे में और उछाल आने व हीटवेव चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार कोटा के अलावा जयपुर, वनस्थली, अलवर, पिलानी, चित्तौडगढ़, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, करौली, दौसा का दिन का पारा 40 पार तो वही फलौदी के अलावा अलवर, जयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, बाड़मेर, जैसलमेर और बीकानेर का रात का पारा 25 डिग्री के पार दर्ज किया गया। जयपुर के पारे में मामूली गिरावट जयपुर के पारे में मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन आमजन को तेज गर्मी से राहत नहीं मिली। जयपुर में तेज धूप और गर्मी ने आमजन को सताया। जयपुर का तापमान 40 के आसपास रहा।

कार चालक ने तीन बाइक को टक्कर मारी, दंपत्ति घायल

विरोध करने पर पीड़ितों से मारपीट कर फरार हुए कार सवार बदमाश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मालपुरा गेट इलाके में तंग रास्ते से गुजर रहीं तेज रफ्तार कार तीन बाइकों को टक्कर मारते हुए आगे निकल गई। इस हादसे में पति-पत्नी घायल हो गए। व्यापारियों और राहगीरों ने कार सवारों को रोक कर विरोध किया तो कार सवार बदमाश मारपीट पर उतर आए। जिसके बाद वो तेज रफ्तार कार दौड़ाकर फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामला दर्ज कर कार सवार बदमाशों की तलाश शुरु कर दी है।

■ **मालपुरा गेट इलाके का मामला, पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी**

थानाधिकारी उदयभान यादव ने बताया कि सांगानेर के बाजार का रास्ता काफी सकड़ा और यहा आने जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शनिवार देर शाम दुकानों के बाहर खड़ी दो-तीन बाइक, कार से थोडा टच हो गई। जिसका विरोध करने पर कार सवार युवकों ने पति-पत्नी के साथ मारपीट की और मौके से फरार हो गए। वीडियों क्लिपिंग के आधार पर कार सवार युवकों की तलाश की जा रहीं है।

गौरतलब है कि सांगानेर स्थित गोविन्द विहार निवासी जोगेन्द्र सहित अन्य लोगों ने मामला दर्ज कराया है। पीड़ित जोगेंद्र का आरोप है कि शनिवार शाम करीब साढ़े 7 बजे वह इंडिया गेट के शताब्दी नगर स्थित मार्केट में किसी काम से गए थे। मार्केट में एक घुमाव पर स्विफ्ट कार की वजह से जाम लगा हुआ था। लोगों ने टोका तो युवक कार से उतरकर लाठी-डंडे निकालकर धमकाने लगे। इसके बाद मारपीट कर भाग गए। भागते समय उनके साथी ने ओवर स्पीड में कार को दौड़ाया, जिससे सड़क किनारे खड़ी तीन बाइक को टक्कर मार दी।

सार-समाचार

डॉ. जैन को मारवाड़ रत्न अवार्ड मिलेगा

जयपुर। मेहरानगढ़ म्युजियम ट्रस्ट, जोधपुर की ओर से दिए जाने वाला प्रतिष्ठित मारवाड़ रत्न अवार्ड के लिए बाड़मेर के डॉ. भुवनेश जैन का चयन मोहता नैणसी सम्मान वर्ष 2026 के लिए घोषित किया गया है। यह अवार्ड उनके द्वारा ओरण एवं थार का पर्यावरण, लोक संस्कृति, रेगिस्तानी आदिवासी, हस्तशिल्प आदि विषयों पर शोधपूर्ण लेखन एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में स्थायी महत्व के दीर्घकालीन उच्च स्तरीय योगदान के लिए दिया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित अवार्ड 12 मई को जोधपुर स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। थार के हुनर को वैश्विक पहचान दिलाने वाले पदमश्री मगराज जैन के सुपुत्र डॉ. भुवनेश जैन अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए थार की सांस्कृतिक, सामाजिक और लोक कला के उन्नयन तथा संरक्षण के लिए निरंतर संघर्षरत है। भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय के नेहरू युवा संगठन के पांच राज्यों के निदेशक रहे डॉ. भुवनेश जैन ने अपने सेवाकाल और सेवा निवृति के बाद थार की समृद्ध संस्कृति, इतिहास, लोक संगीत और पर्यावरण को अक्षुण्य रखने के लिए प्रयासरत है और युवा पीढ़ी को थार की ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य कर रहे है।

हेमलता प्रभु स्मृति समारोह 23 को

जयपुर। जवाहर कला केंद्र के मध्यवर्ती में 23 अप्रैल को शाम 6 बजे से सभी जयपुरवासियों के लिए 15वां हेमलता प्रभु स्मृति समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में एक ओर जहां नाट्य प्रस्तुति होगी, वहीं दूसरी तरफ हेमलता प्रभु के शिष्य उनके साथ जुड़े अपने यादगार व प्रेरणादायक अनुभवों को सबके समक्ष रखेंगे। कार्यक्रम जयपुर की पहली महिला नाट्यय निर्देशक और कनोडिया महिला महाविद्यालय की सह-संस्थापक व महारानी महाविद्यालय में दो दशक तक अंग्रेजी शिक्षिका रहीं हेमलता प्रभु के जन्मदिवस के अवसर पर किया जा रहा है। सभी कला प्रेमी निःशुल्क कार्यक्रम का हिस्सा बन सकेंगे। समारोह के पहले भाग में संगीता गैरोला (आईएएस) सभी को संबोधित करेंगी। अपने संबोधन में वे मेरा कॉलेज जीवन और उसका प्रभाव में अपने विद्यार्थी जीवन के समय में हेमलता प्रभु के प्रभाव के बारे में चर्चा करेंगी। कार्यक्रम के दूसरे भाग में शास्त्रीय नृत्यांगना एवं सांस्कृतिक कार्यकर्ता प्रियाक्षी अग्रवाल नाटक नंगा कपड़ा की प्रस्तुति देंगी।

"रेल स्वास्थ्य सार" का विमोचन

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा सेवारत कर्मचारियों, पेंशनरों एवं उनके परिजनों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी सरल और सुलभ भाषा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को प्रधान कार्यालय में रेल स्वास्थ्य सार ई-पत्रिका के प्रथम संस्करण का विमोचन किया गया। ई-पत्रिका का विमोचन महाप्रबंधक अमिताभ द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पहल रेलवे में स्वास्थ्य संवाद को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है, जो रेल परिवार तक समयानुसार चिकित्सकीय जानकारी और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की सटीक जानकारी पहुंचाने में सहायक होगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार रेल स्वास्थ्य सार ई-पत्रिका का उद्देश्य कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके परिजनों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें अद्यतन और प्रमाणिक चिकित्सा जानकारी उपलब्ध कराना है। ई-पत्रिका में विभिन्न रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों के लेख प्रकाशित किए जाएंगे। इसके साथ ही रेलवे अस्पतालों में उपलब्ध उन्नत चिकित्सा सुविधाओं, जटिल शल्यक्रियाओं और विशेष उपचार सेवाओं की जानकारी भी दी जाएगी। विमोचन कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक अशोक महेश्वरी, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक शिवेंद्र मोहन, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. के. कृष्ण कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

श्याम भजन संध्या का आयोजन

जयपुर। सांगानेर क्षेत्र स्थित जगन्नाथपुरी कॉलोनी में शिव-श्रीकृष्ण मंदिर में शनिवार को श्री श्याम शिव मित्र मंडल के तत्वावधान में विशाल श्याम भजन संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने भाग लेकर भक्ति रस में सराबोर माहौल का आनंद लिया। भजन संध्या की शुरुआत विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद आमंत्रित भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक मधुर भजन प्रस्तुत किए। जैसे-जैसे भजनों का क्रम आगे बढ़ा, श्रद्धालु झूमने लगे और पूरा वातावरण श्याम नाम की गूंज से भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में अखंड ज्योत, मनमोहक श्रृंगार, पुष्प वर्षा एवं इत्र वर्षा जैसे विशेष आकर्षण भी रहे, जिन्होंने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। देर रात तक चले इस आयोजन में भक्तों ने बाबा श्याम के भजनों पर नृत्य करते हुए अपनी श्रद्धा व्यक्त की। अंत में आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य लोगों को आध्यात्मिक वातावरण से जोड़ना और समाज में भक्ति एवं सकारात्मकता का संदेश फैलाना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निवर्तमान महापौर कुसुम यादव व जयपुर शहर उपाध्यक्ष अजय यादव रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान अक्षय यादव, रामावतार शर्मा, विष्णु यादव, रतन सिंह राजावत, पवन अग्रवाल, संतोष गुप्ता, सोमेंद्र सिंह, मनोहर सिंह, श्याम बाबू यादव, लक्ष्मण यादव, अंजली यादव, लक्ष्मी शर्मा, प्रीति कंवर, हेमलता यादव मौजूद थे।

80 हजार रुपए लूटने वाले तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी अभिषेक, जयवीर और सूर्यप्रताप

जयपुर। रामनगरिया पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई नकदी और वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की है। आरोपियों ने मौज-मस्ती के लिए लूट की वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजिता शर्मा ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा करते हुए अभिषेक यादव (23) निवासी रामचंद्रपुरा, कोटपूतली-बहरोड़, सूर्य प्रताप सिंह (20) निवासी कितलसर, नागौर और जयवीर सिंह नरूका (19) निवासी खोराबीसल जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मौज-मस्ती के आदी हैं और घूमने-फिरने के लिए उन्होंने अपने परिचित से स्विफ्ट कार ली थी। पैसों की जरूरत होने पर उन्होंने मेडिकल स्टोर संचालक की रैकी कर लूट की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई राशि बरामद कर ली है तथा वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार को भी जब्त कर लिया है।

थानाधिकारी चंद्रभान सिंह ने बताया कि 25 मार्च 2026 को परिवादी ने रामनगरिया थाने में लूट का मामला दर्ज हुआ था कि वह जगतपुरा फाटक के पास कंचन मेडिकल स्टोर संचालित करता है और 24 मार्च की रात करीब 11 बजे दुकान बंद कर घर लौटते समय अपने साथ दिनभर की बिक्री की राशि बैग में लेकर जा रहा था। रास्ते में सुनसान जगह पर एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। गिरने के बाद कार सवार दो बदमाशों ने धक्का-मुक्की कर उसका बैग छीन लिया, जिसमें करीब 70-80 हजार रुपए नकद, एक सैमसंग मोबाइल और जरूरी दस्तावेज थे। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल और सहायक पुलिस आयुक्त हरिशंकर शर्मा के सुपरविजन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपियों के रूट का पता लगाया और तकनीकी व मुखबिर सूचना के आधार पर नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र से तीनों आरोपियों को दबोच लिया।

छात्र ने सहपाठी पर किया चाकू से हमला

जयपुर। बगरू थाना इलाके में स्थित एक निजी स्कूल में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जहां 12वीं कक्षा के एक नाबालिग छात्र ने अपने ही क्लासमेट पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। घायल छात्र को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

थानाधिकारी राजेन्द्र गोदारा ने बताया कि गौशाला रोड स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले दोनों 17 वर्षीय छात्र कक्षा के दौरान पानी फेंकने की बात को लेकर आपस में उलझ गए। पहले कहासुनी हुई, जो बाद में गाली-गलौच में बदल गई। विवाद बढ़ने पर गुस्साए एक छात्र ने अपने पास मौजूद फल काटने के चाकू से दूसरे छात्र पर हमला कर दिया। इस हमले में छात्र के हाथ में चोट आई। मौके पर मौजूद शिक्षकों ने तुरंत हस्तक्षेप कर दोनों छात्रों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना की सूचना परिजनों को दी गई, जिसके बाद घायल छात्र का प्राथमिक उपचार कराया गया।

इस घटना के बाद दोनों पक्षों के परिजनों को थाने बुलाया गया, लेकिन दोनों ही पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। पुलिस ने फिलहाल दोनों पक्षों के बीच समझौता (राजीनामा) करवा दिया है।

हाईकोर्ट ने नाबालिग का बर्खास्तगी आदेश रद्द किया

■ **नाबालिग को सफाई कर्मचारी की नियुक्ति देकर बाद में किया था बर्खास्त**

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग को सफाई कर्मचारी के तौर पर नियुक्ति देने के कुछ साल बाद उसे इस आधार पर बर्खास्त करने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने उसे बर्खास्त करने वाले 20 फरवरी, 2023 के आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता को इस अवधि का भुगतान दिए बिना अन्य परिलाभों के साथ पुनः सेवा में लिया जाए। जस्टिस अशोक कुमार जैन यह आदेश जितेन्द्र मीणा याचिका पर दिए।

अदालत ने कहा कि नियुक्ति के समय याचिकाकर्ता ने कोई तथ्य नहीं छिपाए थे। यह नियोक्ता की जिम्मेदारी थी कि वह तथ्यों का सत्यापन करता, लेकिन उन्होंने न तो आवेदन पत्र की जांच के समय, चयन प्रक्रिया के दौरान और ना ही नियुक्ति देते समय सत्यापन किया। इसके अलावा सेवा समाप्त करने से पूर्व याचिकाकर्ता को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया। याचिका में अधिवक्ता सीपी शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने साल 2018 में सफाई कर्मचारी के पदों पर भर्ती निकाल न्यूनतम 18 साल की आयु के अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे। याचिकाकर्ता की उम्र उस समय 18 साल से कम थी, लेकिन उसने यह तथ्य नहीं छिपाया और भर्ती में शामिल हो गया। विभाग ने भर्ती प्रक्रिया पूरी कर उसका चयन कर लिया और सितंबर, 2018 में उसे नियुक्ति दे दी। याचिका में कहा गया कि उस समय वह 17 साल 4 माह का था। नियुक्ति के बाद अप्रैल, 2019 और मई, 2020 में उसके प्रकरण को स्थानीय निकाय निदेशक को भेजा गया, लेकिन निदेशक ने उस पर अपना जवाब देने में दो साल का समय लगा दिया। इस दौरान याचिकाकर्ता न्यूनतम आयु सीमा को पार कर गया। इसके बाद 20 फरवरी, 2023 को उसे 22 साल की उम्र में सेवा से बर्खास्त कर दिया। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि उसने कोई तथ्य नहीं छिपाया है तो उसकी बर्खास्तगी नहीं की जा सकती। वहीं विभाग की ओर से हाईकोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता ने विज्ञापन की शर्त के अनुसार 1 जनवरी, 2019 को न्यूनतम आयु सीमा प्राप्त नहीं की थी, लेकिन लिपिकीय गलती के कारण उसकी नियुक्ति हो गई। ऐसे में याचिकाकर्ता को बर्खास्त करना उचित था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया है।

'आध्यात्मिक विरासत संग्रहालय है आत्म-जागृति का सशक्त माध्यम'

ब्रह्माकुमारीज़ के आध्यात्मिक विरासत संग्रहालय को नवीन व अत्याधुनिक स्वरूप में पुनः समाज को समर्पित किया गया।

जयपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से सोमवार को आध्यात्मिक विरासत संग्रहालय नवीन एवं अत्याधुनिक स्वरूप में समाज को पुनः समर्पित किया गया। बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह आध्यात्मिकता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का विराट उत्सव बनकर उभरा। ब्रह्माकुमारीज की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बी.के. जयंती दीदी ने कहा कि आज विश्व जिस मानसिक अशांति, तनाव और मूल्यहीनता के दौर से गुजर रहा है, उसका एकमात्र समाधान आत्मिक जागरूकता और आध्यात्मिक जीवनशैली में निहित है। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी वास्तविक पहचान-आत्मा-को भूलकर बाहरी उपलब्धियों में सुख खोजता है, जबकि सच्ची शांति भीतर के मूल गुणों- शांति, प्रेम, आनंद और पवित्रता-को जागृत करने से प्राप्त होती है।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक प्रयास समाज को सही दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ब्रह्माकुमारी संस्थान इस दिशा में निरंतर सराहनीय कार्य कर रहा है। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसबीर सिंह ने संग्रहालय को सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला प्रेरणास्त्रोत बताया। महासचिव राजयोगी करुणा भाई ने कहा कि यह संग्रहालय एक जीवंत प्रेरणा का केंद्र है। जोनल हैड राजयोगिनी बी.के. सुषमा दीदी ने इसे आत्म-जागृति और जीवन परिवर्तन का प्रभावशाली माध्यम बताया, राजयोगिनी बी.के. मनोरमा दीदी ने भी इसकी सराहना की।

सीवर चैंबर में सफाईकर्मियों की मौत की जांच करेगी कमेटी

जयपुर (कासं)। सीवर चैम्बर में जहरीली गैस से दम घुटने से दो सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में नगर निगम ने जांच कमेटी गठित कर दी है। इस कमेटी में अतिरिक्त आयुक्त समेत 6 अधिकारियों को शामिल किया गया है। यह कमेटी 7 दिन में जांच कर रिपोर्ट अतिरिक्त आयुक्त मुख्यालय निगम को सौंपेगी।

इस कमेटी में अतिरिक्त आयुक्त सैकंड प्रवीण कुमार, उपायुक्त स्वास्थ्य ओम थानवी, उपायुक्त झोटवाड़ा मनीषा यादव, अधीक्षण अभियंता (सीवर) चरण सिंह मीणा, अधीक्षण अभियंता दिनेश चंद गुप्ता और अधिशाषी अभियंता (गैराज) गोपाल मूण्ड को रखा है। गौरतलब है कि 17 अप्रेल को झोटवाड़ा जोन के वार्ड 24 में सीवर चैम्बर की सफाई के लिए दो कर्मचारियों को उसमें उतारा था। इस दौरान वहां जहरीली गैस से दोनों कर्मचारियों का दम घुट गया और वह वहीं बेहोश हो गए। जिनको बाद में उपचार के लिए कांवटिया हॉस्पिटल लेकर गए और डॉक्टरों ने कुछ देर तक उन्हें सीपीआर देकर इलाज किया, लेकिन आखिर में दोनों कर्मचारियों ने दम तोड़ दिया था। इस घटना के बाद सफाई कर्मचारी यूनियन ने विरोध प्रदर्शन कर देर रात तक कावंटिया हॉस्पिटल के बाहर डेडबॉडी रखकर धरना दिया था।

महिला आरक्षण को लेकर महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

प्रदेश महिला कांग्रेस ने सोमवार को जयपुर में विरोध प्रदर्शन किया।

जयपुर। महिला आरक्षण बिल को लेकर देशभर में सियासी घमासान तेज हो गया है। सोमवार को महिला कांग्रेस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस ने संसार चंद्र रोड पर बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता आगे बढ़ने का प्रयास करती रहीं, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा प्रधानमंत्री कुर्सी छोडो जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि संसद में विपक्ष ने महिला आरक्षण बिल का विरोध नहीं किया, बल्कि उससे जुड़े परिसीमन के मुद्दे का विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिल को लागू करने में देरी कर रही है और विपक्ष को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष की मांग है कि वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण बिल को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा की 543 सीटों में से 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी चाहिए। अलका लांबा ने राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं की आवाज को पुलिस के जरिए दबाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस देशभर में इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रही है और आगे भी प्रदर्शन जारी रहेंगे।

रजवाड़ी श्रृंगार और आरतियों के साथ सजेगा श्रीराम दरबार

जयपुर। चांदपोल बाजार स्थित श्री रामचंद्र जी मंदिर का 141 वां स्थापना दिवस (पाटोत्सव) 21 अप्रैल मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। वैशाख शुक्ल पंचमी के अवसर पर प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला यह उत्सव मंदिर स्थापना (संवत 1885) की परंपरा का प्रतीक है। मंदिर के 140 वर्ष पूर्ण होने पर इस बार विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं।

मंदिर महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि कार्यक्रमों की शुरुआत प्रातः 6 बजे मंगला आरती के साथ होगी, जिसके साथ ही भक्तों के मनोरथ आरंभ हो जाएंगे। सुबह 8 बजे ठाकुर जी का श्रृंगार, 9:30 बजे श्रृंगार आरती तथा 11 बजे से श्री राम दरबार का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। अभिषेक में 101 किलो गाय के दूध सहित दही, घी, शहद, बुरा, चंदन, केसर, गुलाब जल, मोगरा जल, केवड़ा जल और फलों के रस से विधिवत स्नान कराया जाएगा। षोडश पूजन के साथ यह अनुष्ठान संपन्न होगा।

दोपहर 12:30 बजे के बाद ठाकुर जी का भव्य रजवाड़ी श्रृंगार किया जाएगा, जिसमें स्वर्ण ताज, रत्न जड़ित आभूषण और राजसी तलवार धारण कराई जाएगी। वहीं श्री सीता जी को भी पारंपरिक राजसी आभूषणों से सजाया जाएगा। दोपहर 2:30 बजे स्थापना दिवस की मुख्य आरती और शाम 7 बजे संध्या आरती का आयोजन होगा, जिसमें 51 हवाई गर्जना के साथ हजारों श्रद्धालु एक साथ आरती करेंगे।

World Creativity and Innovation Day

Observed annually on April 21, World Creativity and Innovation Day celebrates the power of creative thinking in driving progress across all sectors. The day encourages individuals, communities, and organisations to embrace new ideas, challenge conventional approaches, and find innovative solutions to global challenges. From art and science to business and technology, creativity fuels growth and transformation. Established by the United Nations, the day highlights how imagination and ingenuity can contribute to sustainable development and a better future. It serves as a reminder that every individual has the potential to think differently and spark meaningful change in the world.

#NUTRITION

Orange Pith and Lemon Pith

Orange pith is milder compared to lemon pith but is equally rich in functional compounds. It contains high levels of hesperidin, naringenin, and pectin

Citrus fruits are celebrated for their refreshing juice and vibrant flavour, yet one of their most valuable components is routinely discarded. The white, spongy layer beneath the peel, known as the pith, is often avoided for its bitterness and fibrous texture. From a scientific and nutritional perspective, however, both lemon pith and orange pith are dense reservoirs of bioactive compounds that play a significant role in human health.

Understanding Citrus Pith

Citrus pith is the inner albedo layer of the fruit, composed largely of soluble fiber, flavonoids, and polyphenols. Its primary biological function is protection, but when consumed, it delivers concentrated nutritional benefits that are largely absent from juice alone.

Lemon Pith: Bitter, Sharp, and Biochemically Powerful

Lemon pith is notably bitter and sharp in taste, a direct result of its high concentration of flavonoids such as eriocitrin, hesperidin, and diosmin. These compounds are extensively studied for their antioxidant and anti-inflammatory properties. Scientifically, flavonoids found in lemon pith help neutralize free radicals, thereby reducing oxidative stress at the cellular level.

In addition to flavonoids, lemon pith contains significant amounts of pectin, a soluble fiber that supports digestive health. Pectin slows glucose absorption in the intestine, aids cholesterol regulation, and promotes a healthy gut microbiome. The bitterness of lemon pith also stimulates digestive secretions, supporting liver function and enzymatic activity, a trait long associated with bitter plant foods.

Orange Pith: Subtle Bitterness with Systemic Benefits

Orange pith is milder in flavour compared to lemon pith but is equally rich in functional compounds. It contains high levels of hesperidin, naringenin, and pectin, all of which are associated with cardiovascular and metabolic health. Scientific studies suggest that these compounds improve blood vessel elasticity, reduce inflammation, and support healthy lipid metabolism.

The soluble fiber in orange pith enhances satiety, aids digestion, and helps stabilize blood sugar levels. By nourishing beneficial gut bacteria, orange pith contributes to improved immune regulation and overall metabolic balance. Its gentler taste makes it easier to incorporate into whole-food consumption without overwhelming bitterness.

Shared Benefits and Scientific Similarities

Despite differences in intensity and flavour, lemon pith and orange pith share several core nutritional and physiological benefits. Both are rich in flavonoids that exhibit antioxidant, anti-inflammatory, and cardioprotective effects. Their high pectin content supports digestive health, cholesterol management, and glycemic control. Additionally, both types of pith contribute to liver detoxification pathways and help reduce chronic inflammation linked to modern lifestyle diseases.

Conclusion

Orange pith and lemon pith exemplify the principle that nutritional value is not always found in the most palatable parts of food. Lemon pith offers intense flavonoid concentration and digestive stimulation through its sharp bitterness, while orange pith provides broader systemic benefits with a milder sensory profile. Together, they represent an underutilized yet scientifically validated source of dietary fiber, antioxidants, and metabolic support.

Mrcchakatika Makes Centre stage In Bengaluru

This is not your usual Sanskrit classic dealing with gods, damsels, apsaras, myths and nobility, it is peopled by gamblers, rascals, philanderers, drunks, avaricious rulers, scheming lovers, bhikshus and priests. It is set not in a forest, palace or celestial realm but in a bustling Indian city in ancient times. And, in a realistic portrayal of the time, all but five elite characters, who speak Sanskrit, slip into the subaltern languages of the time, such as Prakrit.

A still from G Venu-directed 'Mrcchakatikam.'

#ARTS

● Malini Nair

A celebrated courtesan is being chased across the streets of Ujjayini by the king's boorish brother-in-law and his thugs. She takes shelter in the home of a noble, impoverished and much-married Brahmin she is smitten with. To ensure another rendezvous, she leaves her jewellery behind in his son's toy cart. But her attendant's lover steals this bundle and the Brahmin is falsely implicated.

Several hairy twists later, there is a happy ending for all the good people. Along the way, the inept king is overthrown in a coup by a herdsman, the courtesan is murdered but revealed to be alive, and her beloved is saved from the noose at the last moment. For good measure, there are stormy nights and elephant fights.

For over 2,000 years, Shudraka's action-packed Sanskrit play *Mrcchakatika* (the little clay cart), and its plot woven with love, intrigue, crime, satire, caste and class inequities, politics, and human follies, has enthralled readers and theatre lovers. Noted for combining the grand sweep of Shakespeare with the fine irony of Moliere, the play maintains a perennial appeal despite its vintage.

This is not your usual Sanskrit classic dealing with gods, damsels, apsaras, myths and nobility, it is peopled by gamblers, rascals, philanderers, drunks, avaricious rulers, scheming lovers, bhikshus and priests. It is set not in a forest, palace or celestial realm but in a bustling Indian city in ancient times. And, in a realistic portrayal of the time, all but five elite characters, who speak Sanskrit, slip into the subaltern languages of the time, such as Prakrit. There are neither black nor white

> Ever since the Orientalists discovered the play around 200 years ago, the saga of Vasantasena and Charudatta's trials and travails has travelled the world and been translated widely into Indian and global languages. A popular script, it was turned into desi and western operas, and presented several times on silver screen in multiple languages.

characters in Mrcchakatika. As Sanskrit scholar William Ryder points out in the introduction to his 1905 translation of the play, what you find in Shudraka's works are cosmopolitan characters who are 'citizens of the world.'

Ever since the Orientalists discovered the play around 200 years ago, the saga of Vasantasena and Charudatta's trials and travails has travelled the world and been translated widely into Indian and global languages. A popular script, it was turned into desi and western operas, and presented several times on silver screen in multiple languages. Most famously, it became the lush Girish Karnad film *Utsav*.

Next week, Mrcchakatika will be staged in the world's oldest living dramatic tradition that claims a vintage as old as the play itself, koodiyattam, the Sanskrit theatre form from Kerala. Directed by scholar and choreographer G Venu, Mrcchakatikam will come alive at Bengaluru's Ranga Shankara theatre, its 10 acts compressed into about two hours.

"It is a very strong play for its time and the writing is remarkable," said Venu. "Shudraka's concerns are very progressive, he talks of revolt and inequalities. And I would describe Vasantasena as a feminist,

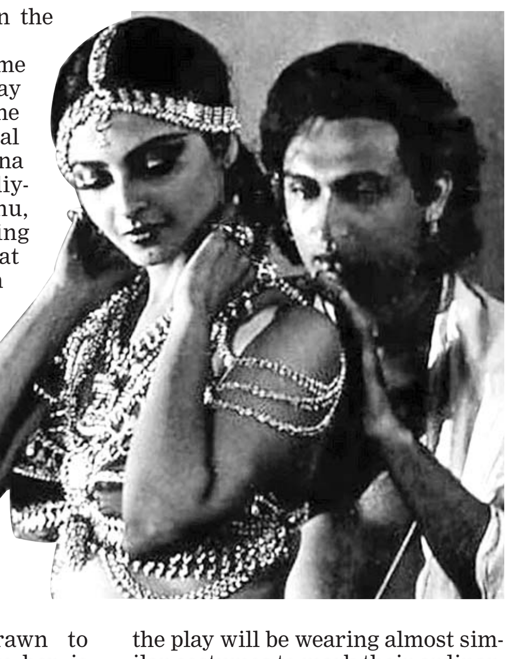

and an important figure in the city where the play is set."

Adapted for the first time for koodiyattam, the play marks a departure from the form's focus on mythological epics such as the Ramayana and Mahabharata. For koodiyattam artiste Kapila Venu, who will be playing Vasantasena, this is what makes Mrcchakatikam an invigorating experience. "I find it liberating, playing her, because she does not fit that subservient stereotype," she said. "Vasantasena is contradictory, she is wealthy, intelligent, beautiful and has agency. She does not succumb to the powerful and is drawn to Charudatta because he, like her, is kind and generous. When I play Sita or Shakuntala, I am required to bring lajja (shyness) to the character. Here, I love that I get to keep my chin up at all times."

Sooraj Nambiar, the koodiyattam artiste who plays Charudatta, says Mrcchakatikam is at heart a very current and a very political play. In koodiyattam, where characters are costumed very differently to indicate their high levels of virtuousness or infamy, the characters in the play will be wearing almost similar costumes to mark their ordinariness. "Charudatta, for example, is an even-tempered man, he is not very expressive and that calls for subtlety," he said. "And even more unusually, it is not he who approaches the nayika with declarations of love or expression of desire. It is she who embraces him first."

Fact and Fiction

There is an ongoing debate over who the playwright Shudraka was. Some like Sanskrit scholar MR Kale believe that he was a king-playwright of the southern Andhrabhritya dynasty. Others have concluded that he belonged to the nomadic Abhira (herdsman) dynasty and lived and ruled somewhere in modern-day Maharashtra. There are others still who claim that he was a Brahmin king of Ujjain.

As for the play's vintage, there is no agreement on that either, estimates place Shudraka between Kalidasa (4-5 CE) and Bhasa (3 CE). But Kale, in his 1926 work *The Mrichchhakatika of Sudraka*, dated him and his work even earlier, 2 BC, arguing that the references to astrology, Buddhist institutions and figures and the Sanskrit itself should mark it as an older play.

What is generally agreed upon is that the play combines historical facts with fiction and likely that Shudraka had a ring-side view of the factual events, presumably as a ruler. The revolt of the herdsman Aryaka against the cruel king Palaka, Kale points out, could hark back to a historical putsch after the death of Buddha.

The play has stood the test of time well, having lent itself easily to translation. It was in 1826 that it was first rendered in English by Horace Wilson, an employee of the British East India Company. This was followed by French and German translations. The playbill for an 1895 French stage adaptation, *Le Chariot de Terre Cuite*, was designed by painter-illustrator Henri de Toulouse-Lautrec. There are records of its performance in other parts of Europe in the late 19th century and in England, where it has seen countless productions.

> Koodiyattam is an art of extreme rigour. A ritual art that historians argue became the exclusive preserve of Brahminical groups around 9-12 CE, koodiyattam is a highly codified, arcane and stylised form where actors' manuals (attaprakaram) outline characters. The enactment, recalling past histories, lasts not over hours but days and weeks.

In India itself, the play has seen adaptations in several languages, especially Marathi, Telugu, Bengali and Hindi. Activist and reformer Kamaladevi Chattopadhyay played Vasantasena in a silent Kannada film by the same name in 1931. But one of the most inventive and contemporary adaptations of Mrcchakatika was Habib Tanvir's 1958 play *Mitti ki Gadi*, in which he first drew on the folk traditions of Chhattisgarh.

"It was at a 2002 show of his play that Tanvir and I spoke of the play's possibilities for koodiyattam," said Venu. "By that time, we had done the first act of Shakuntala and he had been very appreciative of it. But starting any new production from scratch in koodiyattam is a very tough task."

Koodiyattam is an art of extreme rigour. A ritual art that historians argue became the exclusive preserve of Brahminical groups around 9-12 CE, koodiyattam is a highly codified, arcane and stylised form where actors' manuals (attaprakaram) outline characters. The enactment, recalling past histories (nirvahanam), sometimes to the beginning of time, and painstakingly detailed character minutiae, lasts not over hours but days and weeks.

Scholar David Shulman, in a lyrical essay for *The New York Review of Books* in 2012, wrote of the experience of watching a 29-night performance of a single act from the Ramayana. Of the form's refusal to fast forward even in an attention-starved world, he said: "I think I live my life in this constant rush towards death, almost never allowing a single movement of the body, or a single passing thought of any power or novelty, or even a single deep breath or tender gesture, to complete itself without being cut off too soon. I suppose that in this, I am hardly alone. Kudiyattam is profoundly, perhaps uniquely, therapeutic in this respect."

With the passage of time, many things have changed in the art: it is no longer exclusive to one community, it has stepped out of temple grounds, and increasingly, the needs of the modern audience are kept in mind when the length of the exposition is decided.

Sudha Gopalakrishnan, the koodiyattam scholar who was among the experts to argue for the form's inclusion in UNESCO's intangible heritage list, says the change is both welcome and unsettling. "The plot itself is secondary in koodiyattam, which is what marks it apart from realistic theatre," she said. "Its crux is about how you arrest a small moment and use multiple sources and contexts to elaborate it. The trend of adapting it for contemporary context, editing for time and content, started in the 1940s and 1950s with Painkulam Rama Chakyar. But I think this will likely become even more prominent in the coming years."

rajeshsharma1049@gmail.com

#NATURE

Miracle Trees

Moringa and Banyan Trees: Nature's Life-Saving Wonders

In a world increasingly seeking natural and sustainable solutions, the Moringa and Banyan trees stand out as extraordinary examples of nature's healing power. Revered for centuries, these trees offer life-saving benefits that span nutrition, medicine, environmental support, and cultural significance.

Moringa: The Nutritional Powerhouse

Often called the 'Miracle Tree,' Moringa oleifera is native to parts of South Asia and Africa. It's renowned for its incredible nutritional value, its leaves are rich in vitamins A, C, and E, calcium, potassium, and protein. This makes Moringa a critical resource in combating malnutrition, especially in drought-affected and famine-prone regions.

Beyond nutrition, Moringa seeds serve an important environmental role by naturally purifying contaminated water. When crushed and added to water, the seeds act as a coagulant, causing dirt and bacteria to clump together and settle, effectively cleaning the water without harmful chemicals.

Medicinally, Moringa is a treasure trove. Its leaves and extracts have antimicrobial, anti-inflammatory, and antioxidant properties, helping fight infections and reduce inflammation. Scientific studies also show that Moringa can aid in lowering blood sugar and cholesterol levels, making it useful in managing diabetes and heart disease. Additionally, the antioxidants in Moringa protect cells from damage, promoting overall health. Moringa's ability to thrive in poor soil and arid climates has made it a focus of global health organizations like WHO and UNICEF, which promote its cultivation as a sustainable tool for improving nutrition and health in vulnerable communities.

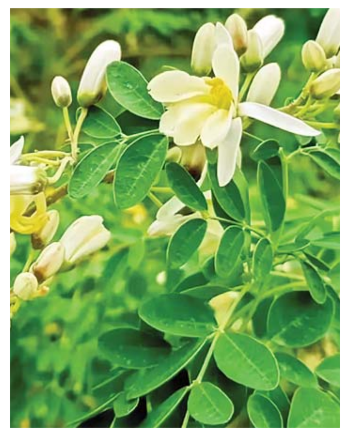

Banyan: The Shelter and Healer

The Banyan tree (Ficus benghalensis), India's national tree, is equally remarkable. Its sprawling canopy and characteristic aerial roots create vast shaded areas that support ecosystems and provide shelter to many species of birds, insects, and mammals. Medicinally, the Banyan tree has long been used in traditional Ayurveda. Its bark, roots, and sap possess properties beneficial for managing diabetes, healing wounds, and treating skin infections. The tree's latex has antibacterial qualities and is applied to ulcers and wounds to promote healing.

One fascinating use is in dental health: twigs from the Banyan tree serve as natural toothbrushes, helping maintain oral hygiene and prevent gum disease, a practice still common in rural India.

The Banyan tree's leaves and bark are also used to relieve respiratory conditions like asthma and bronchitis, demonstrating the tree's wide medicinal scope.

Culturally, the Banyan is a symbol of longevity, wisdom, and shelter. It is a traditional gathering place in many villages, embodying both spiritual and social significance.

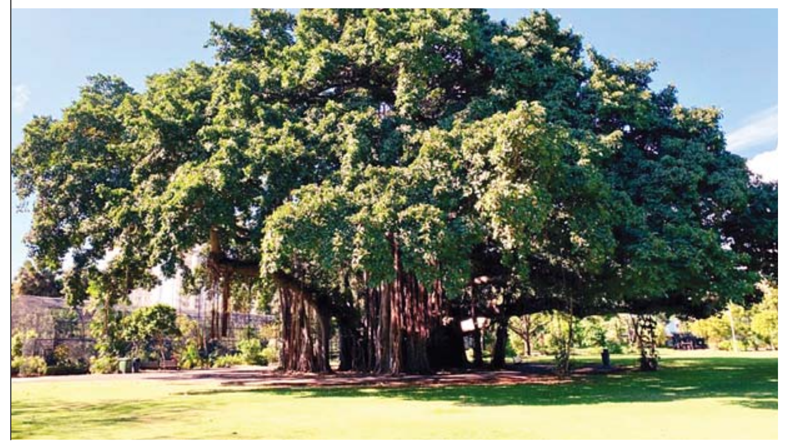

Ecological and Social Importance

Both trees are drought-resistant and contribute to combating soil erosion and desertification. They improve soil fertility, support biodiversity, and provide shade that moderates local climates. Their resilience makes them vital for reforestation and sustainable agriculture in challenging environments.

In addition to their health benefits, the Moringa and Banyan trees are keystone species in their habitats, supporting food webs and enhancing ecosystem stability.

The Moringa and Banyan trees are more than just plants, they are lifelines for people and the planet. From fighting malnutrition and purifying water to healing wounds and sustaining wildlife, their impact is profound and multifaceted. As modern science validates traditional knowledge, these trees remind us of nature's power to nurture and heal. Planting and protecting Moringa and Banyan trees are an investment in a healthier, greener future, one where natural solutions bring hope and life to communities around the world.

THE WALL

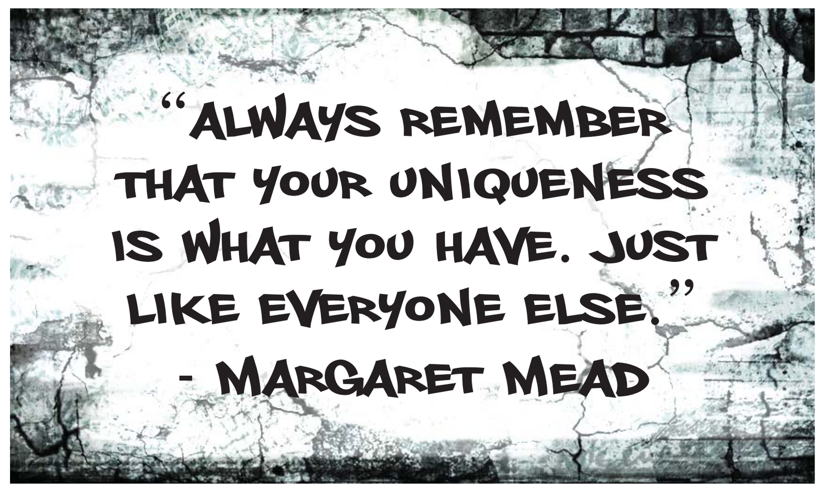

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

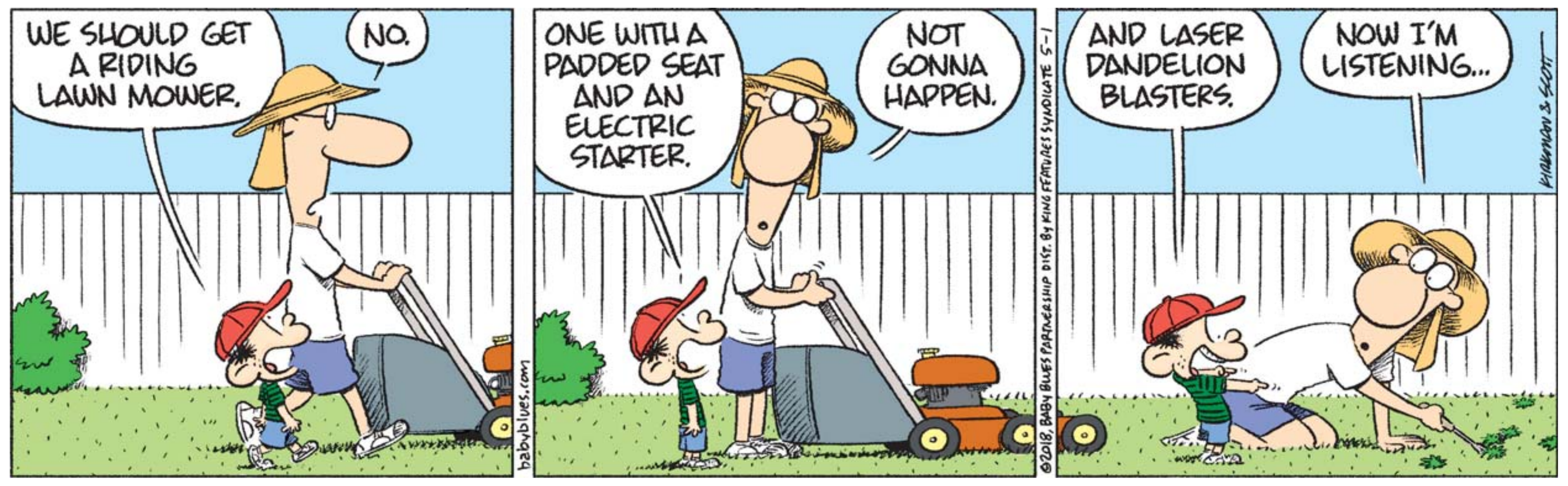

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में भी वेतन वृद्धि को लेकर श्रमिकों का असंतोष फैला

ईपीआईपी क्षेत्र स्थित एक विनिर्माण कंपनी में श्रमिकों ने मांगों को लेकर मोर्चा खोला

अलवर, (निसं)। औद्योगिक क्षेत्रों में वेतन वृद्धि व सुविधाओं को लेकर चल रहे श्रमिक आंदोलनों की सुगबुगाहट अब प्रमुख औद्योगिक हब नीमराणा तक पहुंच गई है। बीते कुछ दिनों से औद्योगिक इकाइयों में छिटपुट विरोध के बाद, अब रविवार के अवकाश के बाद सोमवार को श्रमिकों का असंतोष खुलकर सामने आ गया है। ईपीआईपी क्षेत्र स्थित एक विनिर्माण कंपनी में श्रमिकों ने अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरकर मोर्चा खोल दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नीमराणा के इंडियन जोन में स्थित हिलोस सेंट निर्माता कंपनी के श्रमिक अपनी वेतन वृद्धि और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर लंबे समय से लामबंद थे। प्रबंधन के साथ बातचीत बेनतीजा रहने के बाद आक्रोशित श्रमिकों ने कंपनी के मुख्य गेट पर धरना शुरू कर दिया है। श्रमिक लगातार नारेबाजी कर रहे हैं, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में एक बार फिर तनावपूर्ण माहौल बन गया है। श्रमिकों के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कंपनी के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

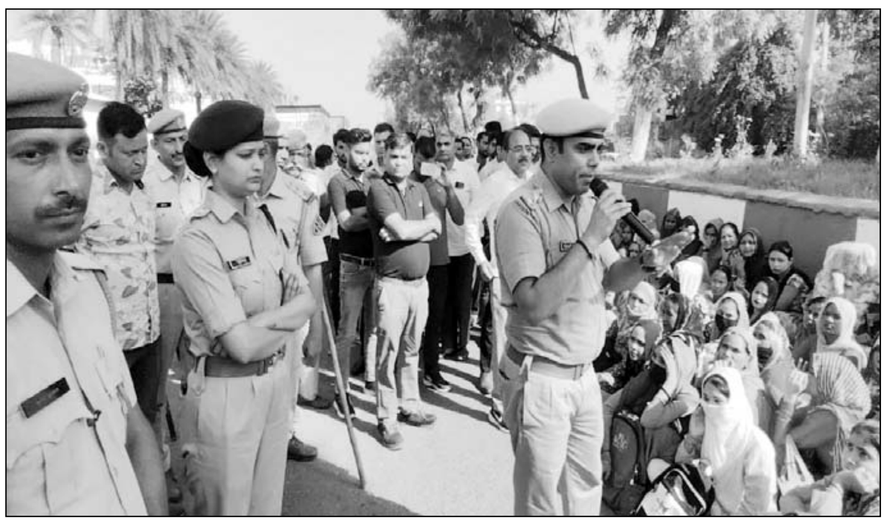
पुलिस-प्रशासन और कंपनी प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों ने श्रमिकों से वार्ता की।

अधिकारियों का कहना है कि वे स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं और प्राथमिकता यह है कि कानून व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन और कंपनी प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और प्रदर्शनकारी श्रमिकों के साथ लगातार संवाद करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रबंधन का कहना है कि वे मांगों पर विचार कर रहे हैं और आपसी बातचीत से समाधान निकालने की दिशा में प्रयासरत हैं, ताकि उत्पादन प्रक्रिया पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

- **किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कंपनी के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है**

गौरतलब है कि नीमराणा में पिछले तीन-चार दिनों में कुछ अन्य औद्योगिक इकाइयों में भी विरोध और हल्की झड़पों की खबरें सामने आई थी, जिन्हें प्रशासन और प्रबंधन ने समय रहते समझाइश कर शांत करा दिया था। सूत्रों के अनुसार, जापानी जोन की कुछ कंपनियों में भी श्रमिकों में असंतोष की दबी आवाजें उठ रही हैं। जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते श्रमिकों की जायज मांगों पर प्रबंधन द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह असंतोष व्यापक रूप ले सकता है। फिलहाल पूरे औद्योगिक क्षेत्र में शांति है, लेकिन स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। प्रशासन ने सभी कंपनियों को श्रमिकों के साथ बेहतर संवाद रखने के निर्देश दिए हैं।

सरवाड़ में स्कूल के बच्चों से भरा टेम्पो पलटा, तीन घायल

सरवाड़ में निजी शिक्षण संस्थान में अध्यनरत बच्चों से भरा टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया।

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ निकटवर्ती गांव प्रतापपुरा से हींगतड़ा जाने वाले रास्ते पर निजी शिक्षण संस्थान में अध्यनरत बच्चों से भरा एक टेम्पो अनियंत्रित होकर पलटने से बड़ा हादसा हो गया। टेम्पो में करीब 15 छात्र-छात्राएं सवार थे, जिनमें से तीन को गंभीर चोटें आई है। सभी घायलों को उपचार के लिए केकड़ी के राजकीय जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

- **टेम्पो में करीब 15 छात्र-छात्राएं सवार थे, जिनमें से तीन को गंभीर चोटें आई**

जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में 12 वर्षीय अर्पित धाकड़ पुत्र हेमराज, निवासी सोहनपुरा, 11 वर्षीय वंदना धाकड़ पुत्री शंकर धाकड़, निवासी भीमपुरा व 5 वर्षीय नैना कुमावत पुत्री भोजूराम, निवासी समेलिया गंभीर रूप से घायल हो गए।अन्य बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। सभी गंभीर घायलों को तुरंत जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।

अनूपगढ़ : आपसी कहासुनी में छोटे भाई ने कुल्हाड़ी से वार कर बहन की हत्या की

अनूपगढ़, (निसं)। छोटे भाई ने अपनी बड़ी बहन की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। यह घटना कृषि भूमि को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। मृतक की पहचान मंजू के रूप में हुई है, जबकि आरोपी भाई का नाम सुरेंद्र है।

जानकारी के अनुसार घटना रावला कस्बे के गांव 8 डीओएल की है। विवाद इतना बढ़ गया कि सुरेंद्र ने अपनी बहन मंजू के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जब मंजू ने शोर मचाया तो घर के बाहर खड़ा उसका पति रामावतार ने मंजू को फर्श पर लहूलुहान पड़ा देखा और पास में सुरेंद्र भी मौजूद था। रामावतार ने तुरंत रावला पुलिस थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही डीएसपी प्रशांत कौशिक और एसआई गिरधारी सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को मौके पर ही आरोपी सुरेंद्र शव के पास बैठा मिला, जिसे हिरासत में ले लिया गया है।

- **यह घटना कृषि भूमि को लेकर हुए विवाद के बाद हुई**

अनूपगढ़ डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि आज सुबह सुरेंद्र ने अपनी बहन मंजू को फसल का हिस्सा देने के लिए बुलाया था। इस दौरान उनकी बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि उसने गुस्से में कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और इसकी सूचना की मंजू की मां और श्रीगंगानगर रह रहे दूसरे भाई को दी है।

कोटा में छात्र ने फांसी लगाकर सुसाईड किया

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् थाना इलाके में एक छात्र ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक बीएससी सेकंड ईयर का छात्र था।

जानकारी के अनुसार आरकेपुरम् इलाके के रोजड़ी निवासी 21 वर्षीय अनिल ने कमरे में टिनशेड की एंगल से रस्सी से फंदा लगाकर फंदे पर लटक गया, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आरकेपुरम् थानाधिकारी सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने बताया कि इलाके के रोजड़ी निवासी सुनील ने घर में फांसी का फंदा लगा लिया, मृतक बीएससी सेंकड ईयर का छात्र था। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

पोकरण में भीषण आग लगी, तीन वाहन जले

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर के भगवान परशुराम चौक क्षेत्र में सोमवार को अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि मौके पर खड़े तीन वाहन जलकर पूरी तरह खाक हो गए। घटना के बाद आसपास के दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी दुकानों से सामान सुरक्षित स्थानों पर हटाने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग तेजी से फैलती गई, लेकिन समय पर फायर ब्रिगेड नहीं पहुंचने से नुकसान बढ़ गया। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, परंतु आग की तीव्रता के कारण उस पर काबू पाना मुश्किल रहा। सूचना मिलते ही पोकरण थाना अधिकारी भरत रावत मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

श्रीगंगानगर में 25 के बाद बारिश की संभावना जताई

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में एक कमजोर वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर जारी है। जिसके असर से तापमान में बढ़ोतरी हो रही है और धूल भरी आंधी के साथ तेज हवाएं चल रही है। आगामी दो-तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। हालांकि, 25 अप्रैल के बाद एक नया और अधिक एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा, जिससे मौसम में बदलाव होगा और हल्की बारिश की संभावना है।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री व न्यूनतम 23.1 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, शनिवार को न्यूनतम 22.2 डिग्री और अधिकतम 40.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। धूलभरी हवाओं से लोगों को दोपहर के समय लू जैसा एहसास हो रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जिले में कुछ दिनों तक गर्मी और धूलभरी हवाओं का सिलसिला जारी रह सकता है। 25 अप्रैल के बाद नया विक्षोभ सक्रिय होने पर हल्की बारिश या आंधी की संभावना है।

निजी स्कूल में बच्चे पर पोल गिरा, मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के एक निजी स्कूल में सिर पर पोल गिरने से तीसरी क्लास के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा मैदान में लगे हैंडबाल के पोल पर लटक रहा था। तभी पोल उसके सिर पर गिर गया। बच्चा घायल हो गया। स्टाफ उसे तुरंत एमबी हॉस्पिटल ले गया, जहां इलाज के दौरान बच्चे ने दम ताड़ दिया।

हादसा गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में एक निजी स्कूल में सोमवार दोपहर 12.30 बजे का है। सूचना पर गोवर्धन विलास थाना पुलिस मौके पर पहुंची। छात्र महर्थ राजसिंह (8) पुत्र देवेन्द्र पाल सिंह चौहान तीसरी कक्षा का छात्र था। महर्थ माता पिता का इकलौता बेटा था। बच्चे का शव एमबी हॉस्पिटल मोर्चरी में रखवाया है। हैंडबॉल का पोल साइड में रहता है। खेलने के वक्त उसे बीच में लाया जाता है। उसमें सेल्फ स्टैंड है। बाद में साइड में रख दिया जाता है। इस पोल पर तीन बच्चे लटक रहे थे। इस दौरान पोल गिर गया। बच्चा तीसरी क्लास में पढ़ता था। थानाधिकारी राजेंद्र सिंह चारण ने बताया हादसे के बाद बच्चे के पिता देवेंद्रपाल सिंह अस्पताल पहुंचे। बेटे की हालत देख बेसुध हो गए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

युवक का रेस्क्यू किया

उदयपुर, (कासं)। अग्निशमन विभाग नगर निगम उदयपुर ने सोमवार को रेस्क्यू ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा कर एक व्यक्ति का जीवन सुरक्षित बचाया। नगर निगम मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि अशोकनगर अग्निशमन केंद्र के कंट्रोल रूम पर सूचना प्राप्त हुई राजकीय बालिका विद्यालय के सामने कालामाटा पुजारियों की मादडी स्थित निर्माणाधीन ओवरहेड टंकी पर एक व्यक्ति फंसा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीप सिंह बग्गा के नेतृत्व में अग्निशमन दल तत्काल मौके के लिए रवाना हुआ और युवक को बचा लिया।

आसाराम की ओर से दायर अपील पर सुनवाई पूरी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ में नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की ओर से दायर अपील पर सुनवाई पूरी हो गई है। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ में 20 अप्रैल को दोनों पक्षों की अंतिम बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। आसाराम बापू और अन्य सह आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस मामले में 17 अप्रैल को आसाराम के वकीलों की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी, जिसके बाद पीड़िता के वकील पी. सी. सोलंकी ने अपनी दलीलें शुरू की। इसके बाद 20 अप्रैल को खंडपीठ ने दोनों पक्षों की जिरह पूरी तरह से सुन ली और मामले में अपना अंतिम निर्णय सुरक्षित रख लिया। आसाराम बापू के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि मौजूदा बेल का समय जल्द ही पूरा होने वाला है। हालांकि, 16 अप्रैल को हाईकोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार करते हुए पूछा कि अब तक मुख्य अपील की सुनवाई पूरी क्यों नहीं की गई?

नवलगढ़ में इंजेक्शन चोरी के मामले में तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

जयपुर के निजी अस्पताल का डायलिसिस टेक्नीशियन निकला खरीदार

नवलगढ़, (झुंझुनूं)। जिला अस्पताल से लाखों रूपए के ह्यूमन एल्ब्यूमिन इंजेक्शन चोरी मामले में पुलिस जांच लगातार नए खुलासे कर रही है। मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क की परतें खोलनी शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपी विकास सैनी जयपुर के एक निजी अस्पताल में डायलिसिस टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत है और चोरी किए गए इंजेक्शनों का खरीदार बताया जा रहा है। सीआई अजय सिंह के अनुसार आरोपी विकास सैनी को बबाई से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह मुख्य आरोपी देवेंद्र सिंह से चोरी के इंजेक्शन खरीदता था और दोनों के बीच नियमित आर्थिक लेन-देन भी होता था।

ट्रेनिंग से बनी पहचान, फिर तैयार हुआ सप्लाई नेटवर्क :- पुलिस जांच में यह अहम तथ्य सामने आया है कि विकास सैनी और देवेंद्र सिंह ने एक साथ ट्रेनिंग ली थी। इसी पुरानी पहचान का फायदा उठाकर दोनों ने मिलकर इंजेक्शनों की अवैध खरीद-फरोख्त का नेटवर्क तैयार किया। अस्पताल से चोरी कर महंगे इंजेक्शन बाहर सप्लाई किए जा रहे थे, जिससे पूरे मामले में संगठित गिरोह की आशंका गहराती जा रही है।

अब पुलिस का फोकस इस बात पर है कि चोरी किए गए इंजेक्शन आखिर किन जगहों पर और किन लोगों को बेचे जा रहे थे। आशंका है कि यह नेटवर्क अन्य शहरों और निजी अस्पतालों तक फैला हो सकता है। इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपी दीपाली कुमावत और देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है। तीसरी गिरफ्तारी के बाद जांच और तेज कर दी गई है तथा अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

तीर्थराज पुष्कर की बदहाली पर कोर्ट सख्त, प्रशासन को नोटिस जारी

अजमेर/पुष्कर, (निसं)। तीर्थराज पुष्कर सरोवर की बदहाल स्थिति पर न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए प्रशासन को फटकार लगाई है। सोमवार को सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ खंड) पुष्कर विमल कुमार व्यास की अदालत ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सरोवर में फैली गंदगी, आवारा पशुओं की आवाजाही और रखरखाव में लापरवाही को गंभीर माना। अदालत ने कलैक्टर अजमेर, अजमेर विकास प्राधिकरण के आयुक्त, उपखंड अधिकारी पुष्कर तथा नगर परिषद आयुक्त को नोटिस जारी कर तत्काल जवाब मांगा है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि आस्था के इस केंद्र के साथ लापरवाही किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी।

- **मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई 25 अप्रैल तय की गई**
- **अदालत ने प्रशासन को नोटिस जारी कर तत्काल जवाब मांगा**

यह मामला महिला अधिवक्ताओं तेजस्वनी पाराशर और अंजलि मुखिया द्वारा दायर जन प्रतिनिधित्व वाद के जरिए सामने आया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ताओं ने सरोवर की वर्तमान स्थिति को कोर्ट के समक्ष विस्तार से रखा। याचिका में बताया गया कि राष्ट्रीय झील परियोजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हुआ है। सरोवर में काई, पॉलीथिन और कचरे का अंबार लगा हुआ है, जबकि घाटों पर फिसलन श्रद्धालुओं के लिए खतरा बन चुकी है। न्यायालय ने प्रशासन से चार प्रमुख बिंदुओं पर जवाब मांगा है जिसमें सरोवर और आसपास के 52 घाटों की सफाई, आवारा पशुओं की रोकथाम, घाटों पर जमी काई हटाने की कार्यवाही और समुचित रखरखाव व सुविधाओं का विस्तृत रोडमैप। मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई 25 अप्रैल तय की गई है।

अलवर में अवैध खनन रोकने गई वन विभाग की टीम पर खनन माफियाओं ने हमला किया

अलवर, (निसं)। अलवर में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम पर खनन माफियाओं ने हमला कर दिया। बेखौफ खनन माफियाओं ने न केवल सरकारी कार्य में बाधा डाली, बल्कि वन रक्षक के साथ मारपीट कर उनका मोबाइल फोन, पहचान पत्र और नकदी लूट कर ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित फरार हो गए। घटना कठूमर के सहाड़ी गांव की है। वन विभाग ने धोलागढ़ थाने में शनिवार देर रात नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) रवि सिंह भाटी ने बताया कि सहाड़ी गांव के पास अवैध पत्थरों के परिवहन की गुप्त सूचना मिली थी। एसीएफ अलवर के मार्गदर्शन में टीम ने घेराबंदी की। इस दौरान पत्थरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकने का इशारा किया, लेकिन ड्राइवर श्याम गुर्जर ने तेज रफ्तार में भगा लिया। रवि सिंह भाटी ने बताया कि टीम ने पीछा कर ट्रैक्टर को दबोच लिया था। जब विभाग की टीम ड्राइवर को पकड़ने का प्रयास कर रही थी, तभी माफिया श्याम गुर्जर ने शोर मचाकर अपने साथियों को बुला लिया। कुछ ही देर में सतवीर गुर्जर और अन्य 4-5 साथी गाड़ी लेकर मौके पर पहुंचे और वन विभाग की टीम पर टूट पड़े। वन रक्षक रामवीर सिंह घटनाक्रम का वीडियो बना रहा था। उससे जबरदस्ती पथराव कर मोबाइल छीन ले गए।

खनन माफिया मौके से वन विभाग की टीम के साथ मारपीट कर फरार हो गये।

रेंजर ने बताया कि यहां अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का एक बड़ा गिरोह है, जो क्षेत्र में संवेदनशील इलाकों में अवैध खनन का कार्य करता है। आसपास एक दूसरे को सूचना देते रहते हैं। पकड़े जाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब तक तेज गति से भगाते रहते हैं, जब तक गिरोह के साथी सहायता करने नहीं आ जाते हैं और आने पर चारों ओर से वन विभाग की टीम को घेर लेते हैं। रेंजर ने बताया कि सहाड़ी गांव अति संवेदनशील है। आरोपी श्याम और सतवीर गुर्जर के साथ पहले भी मुठभेड़ हो चुकी है। इस बार उन्होंने राजकार्य में बाधा डालते हुए लूटपाट की है। पुलिस में मामला दर्ज करा दिया गया है।

रवि सिंह भाटी ने बताया कि इन लोगों के पास अवैध हथियार भी होते हैं।

- **बेखौफ खनन माफियाओं ने वन रक्षक के साथ मारपीट की, नामजद रिपोर्ट दर्ज**

इन लोगों के ऊपर कहीं ना कहीं राजनीतिक संरक्षण होने के चलते ये बेखौफ होकर ऐसी घटना को अंजाम देते रहते हैं। वन विभाग के पास मुकाबला करने के लिए हथियार नहीं है। फायदा माफिया उठा रहे हैं। आरोपियों ने वन रक्षक रामवीर सिंह के साथ अभद्रता और धक्का-मुक्की की। इस दौरान आरोपी वन रक्षक का मोबाइल, सरकारी आई-कार्ड और जेब में रखे 520 रुपए छीनकर फरार हो गए।

धोलागढ़ थाने के थानाप्रभारी रामजीलाल ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान वन अधिनियम और सरकारी कर्मचारी पर हमला-लूटपाट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों की तलाश में कई संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी गई है।

युवक की हत्या के मामले में सहमति के बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया

नोखा, (निसं)। बंधड़ा गांव में युवक की हत्या कर शव फेंकने के मामले में परिजनों की सहमति के बाद पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस द्वारा वारदात में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के आश्वासन के बाद यह सहमति बनी।

जानकारी के अनुसार श्री बालाजी थाना क्षेत्र के धुंधवालों की ढाणी निवासी मृतक मनीष जांगू पुत्र लुणाराम जांगू का शव 17 अप्रैल को बंधड़ा की सुनसान रोही में मिला था। घटना के विरोध में परिजन और ग्रामीण आक्रोशित थे। उन्होंने शव नोखा स्थित बागड़ी जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि मौके पर जुटे थे। कांग्रेस नेता मुरली गोदारा ने बताया कि पुलिस प्रशासन की ओर से सीओ जरनैल सिंह और सीआई अरविंद भारद्वाज अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों को वारदात में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सहमति बनी। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच का भी भरोसा दिलाया। इस दौरान नागौर प्रधान श्रवण मेघवाल, मंगनाराम केडली, काहिरा सरपंच रामदेव शिवराण, मकोड़ी सरपंच भंवरलाल जांगू, धुंधवालों की ढाणी सरपंच भंवर गोदारा, मोडाराम जांगू, आरपीएल नेता तिलोक खिलेरी, अशोक जांगू, पोकरराम गोदारा, केवीएस अध्यक्ष अलाय नेमाराम धुंधवाल और लाधुराम गोदारा सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

- **पुलिस ने वारदात में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया**

नशे में वाहन चलाते 15 गिरफ्तार

डीग/भरतपुर, (निसं)। डीग जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों और मोडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखों जैसी आवाज निकालने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है।

विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस ने 15 वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चलाते हुए गिरफ्तार किया। साथ ही उनकी 15 मोटरसाइकिलों को जब्त किया गया। इसके अलावा कार्रवाई के दौरान एक बुलेट मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया, जिसमें मोडिफाइड साइलेंसर लगा हुआ था और उससे पटाखों जैसी तेज आवाज निकाली जा रही थी। पुलिस ने एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मौके पर ही साइलेंसर खुलवाया। यह पूरी कार्रवाई यातायात प्रभारी रामभरोशी मीणा के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल लोचन सिंह, कांस्टेबल संजय और लाखन सिंह की टीम द्वारा की गई। यातायात प्रभारी रामभरोशी मीणा ने आमजन से अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और शराब पीकर वाहन चलाने से बचें, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

बैठक आयोजित

टोंक। भाजपा राष्ट्रीय-अध्यक्ष व मुख्यमंत्री के टोंक दौरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिसको लेकर सोमवार को जिला कलेक्टर टीना डाबी, एडीएम रामरतन सौकरिया, बीजेपी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान आदि ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के टोंक दौरे को लेकर बैठक की गई। जिसके अन्तर्गत जिला प्रशासनिक अधिकारियों ने 27 अप्रैल को प्रस्तावित दौरे को लेकर संभावित सभा स्थल, बीजेपी कार्यालय तक के रास्ते का जायजा लिया गया। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा राजस्थान के सात जिलों में टोंक सहित भाजपा कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन और दो कार्यालयों का भूमि पूजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय पर बूथ लेवल कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया सहित प्रदेश के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 118/310 मानसरोवर जयपुर के मूल अदेय प्रमाण पत्र, कब्जा पत्र कहीं खो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें-यशपाल वासवानी-9414918518

मेरे भूखण्ड संख्या -452 जेडीए की योजना अभिनव विहार विस्तार का जेडीए से जारी मूल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र एवं साइड प्लान कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें -सारिका ईसरानी मो - 9602040053

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम संजीव सिंह से बदलकर संजीव मुकेश सिंह, पुत्र श्री मुकेश सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। पता: फ्लैट नंबर 004, ग्राउंड फ्लोर, टावर एगेट, ओमेक्स एज्मीफ्यूटिव होम्स, ओमेक्स सिटी, सारंगपुरा, ठिकरिया, जयपुर- 302026, राजस्थान।

मैं, नंबर 13626424L हवलदार भागीरथ लाल, निवासी गांव- गोबरा, पोस्ट-जोगीपुरा, तहसील- बाजपुर, जिला-उधम सिंह नगर (उत्तराखंड)। मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे बेटे का नाम Vidrabh Chouhan गलत दर्ज है। मेरे बेटे का सही नाम Vidhrabh Chouhan है। एफिडेविट नंबर 0039313568, तारीख 17.04.2026

I Ghaiyour Ahmed S/o Zahoor Mohammad ploT No 3633 babu ka tiba mohalla naddafan chokdi topkhana hu Jaipur Have Changed Name GHAIYOUR AHAMMED to GHAIYOURAHMED

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मंडल वृत अलवर

-:आवश्यक सूचना:-

आवास संख्या 1/121 व 1/122, 10-बी योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री सुरेश चन्द वर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद वर्मा को एक ही आवंटन पत्रांक 618 दिनांक 14.04.1988 के द्वारा आवंटित किया गया था। आवास संख्या 1/121 व 1/122, 10-बी योजना, अलवर का अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 1457 दिनांक 15.07.2014 को श्री सुरेश चन्द वर्मा के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री सुरेश चन्द वर्मा द्वारा आवास संख्या 1/121 व 1/122, 10-बी योजना, अलवर की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 05.09.2014 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री सुरेश चन्द वर्मा द्वारा आवास संख्या 1/122, 10-बी योजना, अलवर को जरिये पंजीकृत दानपत्र (गिफ्ट डीड) दिनांक 05.09.2014 श्री विजय सोनी पुत्र श्री जगदीश प्रसाद के पक्ष में कर दिया गया था। श्री विजय सोनी द्वारा आवास संख्या 1/122, 10-बी योजना, अलवर का बेचान जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 05.08.2019 को श्रीमती सुशीला देवी पत्नि श्री गोपाल प्रसाद को कर दिया गया। श्रीमती सुशीला देवी द्वारा आवास संख्या 1/122, 10-बी योजना, अलवर का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है।

अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 1/122, 10-बी योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती सुशीला देवी पत्नि श्री गोपाल प्रसाद के पक्ष में आवास संख्या 1/122, 10-बी योजना, अलवर के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन, आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2074 चूंकि प्रार्थी श्री VIDUSHI GARG, 143, GOMS DEFENCE COLONY, AVENUE NO-2, VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास ज्योति विद्यापीठ यूनिवर्सिटी ट्रस्ट VILLAGE JHARNA, TEHSIL MOZAMABAD, SUB DIVISION DUDU, DISTRICT JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 27.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 05.06.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

'मुनि जिस स्थान पर बैठ जाते हैं, वहीं स्थान तीर्थ हो जाता है'

दिगम्बर जैन शान्तिनाथ अग्रवाल मंदिर में मुनि उत्कृष्टनन्दी महाराज व मुनि नाभिनन्दी महाराज के सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुआ।

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत आचार्य भगवन इन्द्रनन्दी महाराज के सानिध्य में दिगम्बर जैन शान्तिनाथ अग्रवाल मंदिर में मुनि उत्कृष्टनन्दी महाराज व मुनि नाभिनन्दी महाराज के सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं धार्मिक मीडिया प्रभारी हितेश छाबड़ा ने बताया कि सुबह बालमंडल द्वारा भगवान शांतिनाथ की वृहद शांतिधारा कर अभिषेक किया गया।

- तत्वार्थ सूत्र, द्रव्य संग्रह, छह ढाला का स्वाध्याय की कक्षाएं संचालित

इसके बाद श्रद्धालुओं ने आचार्य इन्द्रनंदी महाराज के समक्ष को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान नित्य नियम पूजा, शास्त्र भेंट व गुरु पूजन का आयोजन किया गया। धर्मसभा का शुभारंभ महिला मण्डल द्वारा मंगलाचरण करके किया। धर्म सभा में प्रवचन देते हुए उत्कृष्ट नन्दी महाराज ने कहा कि संत प्रेम-तीर्थ है। ऋषि मुनि चलते फिरते तीर्थ है। वह जिस स्थान पर बैठ जाते हैं, वही स्थान तीर्थ हो जाता है। जंगल में जाकर भी बैठ जाएं तो वहीं समवशरण लग जाता है। संत किसी को अपने पास आने का निमंत्रण नहीं देता है, लोग स्वत खींचे चले आते है। जैसे कमल खिलता है, तो भौंरे खींचे चले आते हैं।

संत के आचरण की सुगंध में खिंचाव होता है। उन्होंने बताया की धन संपत्ति कमाना बड़ी बात नहीं है, उस धन संपत्ति का सही उपयोग करना बड़ी बात है। लोग धन कमा तो लेते हैं पर सही उपयोग के अभाव में उसका दुरुपयोग हो जाता है, इसलिए कमाने के साथ-साथ धन का सही उपयोग भी करना आना चाहिए। धर्म केवल पूजा अर्चना तक सीमित नहीं बल्कि आत्म अनुशासन, सत्य, अहिंसा व पारस्परिक सम्मान के व्यवहार में प्रकट होता है। प्रवचन के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज का उद्घोष लगाए।

अवकाशों में कटौती के विरोध में ज्ञापन सौंपा

निवाई। शिक्षा विभाग द्वारा जारी शिविरा पंचांग सत्र 2026-27 में विद्यालयों के अवकाशों में की गई कटौती के विरोध में राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के प्रदेश मंत्री हनुमानप्रसाद बैरवा एवं जिलाध्यक्ष धनसिंह राजावत के सानिध्य में पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अवकाश कटौती के आदेश को वापस लेने की मांग की गई। जिला मंत्री मुकेशकुमार मीणा ने बताया कि ज्ञापन में विभाग द्वारा संस्था प्रधान के दो अधिकृत अवकाशों में से एक अवकाश समाप्त कर दिया गया है तथा ग्रीष्मावकाश में भी 10 दिन की कटौती की गई है। अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि इस निर्णय से शिक्षकों में भारी असंतोष व्याप्त है। ग्रीष्मावकाश में की गई 10 दिन की कटौती को समाप्त किया जाए। यदि विभाग कटौती को यथावत रखता है, तो इसके बदले शिक्षकों को 10 दिन का उपार्जित अवकाश प्रदान किया जाए। इस अवसर पर संगठन मंत्री रमेशकुमार मीणा, जिला कोषाध्यक्ष सोहनलाल वर्मा, मोलेशकुमार मीणा, केदारराम कुम्हार, कार्यकारी अध्यक्ष कन्हैयालाल मीणा, सभा अध्यक्ष महेंद्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष पीपलू मोरपाल गुर्जर, मो. इरफान व जितेंद्र शर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

पांच कुंडीय यज्ञ में गायत्री मंत्र की आहुति

राजगढ़। अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री शक्तिपीठ राजगढ़ की ओर से गेस्ट हाउस रोड पर गार्डन में पंच कुंडीय यज्ञ में गायत्री मंत्र की आहुति दी। इसमें भारी संख्या में महिला पुरुषों ने गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ यज्ञ को सफल बनाया एवं भाईचारा, प्रेम एवं सद्भाव के साथ विश्व कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी मीना खंडेलवाल, प्रीति विजय, एवं अन्य विद्वान महिलाओं की ओर से गायत्री परिवार के संचालित कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर राजेन्द्र गोयल, सुषमा गोयल, ओमप्रकाश झालानी, हेमलता, नीरज शर्मा, मोहनलाल मीणा, लाड बाई, प्रहलाद नारायण, सुन्दरी, सुरेश तांबी, अनीता, कान्ता तांबी प्रभु दयाल शर्मा, जगदीश झालानी, कृष्णा, धनश्याम सैनी, सुनीता शर्मा, प्रीति विजय, किरण शर्मा, मीरा बटवाडा, मुन्नी खुटेटा, बीना सर्राफ, सुनीता, उर्मिला मामोडिया एवं अन्य मौजूद रहे।

रोटावायरस वैक्सीन नहीं होने से छोटे बच्चों के अभिभावकों की चिंता बढ़ी

- वैक्सीन नहीं होने से अभिभावक अपने बच्चों को समय पर टीका नहीं लगवा पा रहे हैं, जिससे अभिभावक परेशान है
- समय पर वैक्सीनेशन न होने पर यह बीमारी जानलेवा भी साबित हो सकती है। सरकार ने इस वैक्सीन को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया है,ताकि हर बच्चे को इसका लाभ मिल सके

किशनगढ़ बास। उपखंड मुख्यालय पर सीएचसी अस्पताल में पिछले लगभग एक महीने से बच्चों के लिए अत्यंत आवश्यक रोटावायरस वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। ऐसा यहीं नहीं पूरे क्षेत्र में बने हुए हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है बल्कि नवजात और छोटे बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी उत्पन्न कर रही है।

रोटावायरस एक ऐसा वायरस है जो शिशुओं और छोटे बच्चों में गंभीर दस्त और डिहाइड्रेशन का कारण बनता है। समय पर वैक्सीनेशन न होने पर यह बीमारी जानलेवा भी साबित हो सकती है। सरकार द्वारा इस वैक्सीन को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है, ताकि हर बच्चे को इसका लाभ मिल सके। लेकिन वर्तमान में किशनगढ़ बास क्षेत्र में इसकी अनुपलब्धता यह दर्शाती है कि जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में कहीं न कहीं कमी रह गई है। कई अभिभावक अपने बच्चों को समय पर टीका नहीं लगवा पा रहे हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य खतरे में पड़ रहा है। यह आवश्यक है कि स्वास्थ्य विभाग इस समस्या को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द वैक्सीन की आपूर्ति सुनिश्चित करे। साथ ही, स्थानीय प्रशासन को भी इस विषय पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट से इस रोटावायरस वैक्सीनेशन को लेकर जब संवाददाता ने फोन पर जानकारी मांगी तो उनकी जानकारी में ही नहीं था कि वैक्सीनेशन उपलब्धता के अभाव में नहीं हो रहा है, यहां तक ब्लाक पर बैठे अधिकारी ने उन्हें अवगत कराया जाना तक मुनासिब नहीं समझा। सीएमएचओ ने बताया सप्लाई सीधे अलवर से आती हमारे यहां पर डीडीवेल्यू स्टोर नहीं है। फिर भी मैं मालूम करता हूं। किशनगढ़ बास ब्लॉक अधिकारी डॉ सतीश यादव ने बताया कि पिछले करीब एक माह से रोटावायरस वैक्सीन पिछे से नहीं मिल रही है यह कमी डिस्ट्रिक्ट लेवल पर भी है। अलवर स्टोर पर डिमांड भेजी हुई, उपलब्ध होने पर वैक्सीनेशन कराया जाएगा।

राजस्थान फिनिशिंग स्कूल प्रोग्राम होगा शुरू

कोटपूतली। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान द्वारा यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में विद्यार्थियों को युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाने और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करने के उद्देश्य राजस्थान फिनिशिंग स्कूल प्रोग्राम प्रारम्भ किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. आर. के सिंह ने बताया कि मंगलवार 21 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से उक्त नये कार्यक्रम से विद्यार्थियों को अवगत करवाया जायेगा। साथ ही इस प्रतिस्पर्दा वाले युग में अपने जीवन में नई उमंग एवं नई पहचान के बारे में बताया जायेगा। राजस्थान फिनिशिंग स्कूल प्रोग्राम के प्रभारी डॉ. शीशराम यादव ने कहा कि उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को सॉफ्ट स्किल्स, संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास एवं इंटरव्यू तैयारी जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं में प्रशिक्षित करना है, ताकि वे निजी एवं सरकारी क्षेत्रों में बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकें।

'आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाएं'

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने अधिकारियों के साथ बैठक की।

टोंक। मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलेक्टर टीना डाबी ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय संपर्क पोर्टल, जिला स्तरीय जन सुनवाई पर दर्ज परिवादों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाएं। उन्होंने सोमवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों को आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने फ्लैगशिप स्कीम, वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। राज्य बजट में जिले से संबंधित घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आमजन को इसका लाभ देने के लिए अधिकारी कार्यप्रणाली में तेजी लाएं। उन्होंने रसद विभाग की नवीन परिवारों को एनएफएसए से लाभान्वित करना, विद्युत विभाग की कुसुम योजना घटक-ए, लाडो प्रोत्साहन योजना, पीएम कृषि सिंचाई योजना, स्वच्छ भारत मिशन शहरी, मुख्यमंत्री विश्वकर्मा योजना समेत राज्य सरकार की फ्लैगशिप स्कीम की विस्तार से समीक्षा की। साथ ही इन योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने जिला स्तरीय मासिक जन सुनवाई में आए प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को आगामी सात दिवस में इन प्रकरणों का निस्तारण कर जवाब भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जन सुनवाई में आए प्रकरणों को स्वंय एक रजिस्टर में संधारित करें। साथ ही प्रकरण में की गई कार्यवाही भी दर्ज करें।

प्रत्येक गांव व ढ़ाणी विकास की दौड़ में भागीदार बने : पटेल

- ग्राम तालवा व पाथरेड़ी में अटल पथ निर्माण हेतु 04 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा विधायक हंसराज पटेल की अनुशंषा पर ग्राम तालवा व पाथरेड़ी में अटल पथ निर्माण हेतु 04 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। जिसमें ग्राम तालवा मोड़ से देवनारायण मंदिर की ओर पुडाला तक सड़क निर्माण (02 किमी) हेतु 02 करोड़ रूपये एवं राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 48 पाथरेड़ी रोड से मालेरा जोहड़ तक सड़क निर्माण (02 किमी) हेतु 02 करोड़ रूपये स्वीकृत हुये है। उक्त स्वीकृति प्रदान करने पर विधायक हंसराज पटेल ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व डिप्टी सीएम दिया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि प्रत्येक गांव व ढ़ाणी विकास की दौड़ में भागीदार बने यही भजन लाल सरकार का लक्ष्य है।

पटेल ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुये कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिये निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। अटल पथ निर्माण से आमजन को सुगम, सुरक्षित और आसान आवागमन की सुविधा मिलेगी। विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आयेगा। उन्होंने कहा कि विकास ही हमारी पहचान है एवं जनसेवा ही हमारा धर्म। विधायक पटेल ने कहा कि इससे आवागमन और अधिक सुगम होगा, व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, मजबूत आधारभूत ढांचे और आमजन की सुविधा के लिए हम दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर कार्यरत हैं।

अवकाश कटौती को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ ने ज्ञापन सौंपा

पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष होतीलाल जैमन एवं कृष्णसिंह बैंसला के नेतृत्व में एडीएम घनश्याम शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

भरतपुर। राजस्थान शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष होतीलाल जैमन एवं कृष्णसिंह बैंसला के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर घनश्याम शर्मा को ज्ञापन सौंपकर मांग की, कि सरकार द्वारा ग्रीष्मावकाश में की गई कटौती के आदेश को वापस लेकर शिविरा में शीघ्र संशोधन किया जाये और संस्था प्रधान के दोनों अधिकृत अवकाश यथावत रखे जायें।

इस अवसर पर प्रदेश संरक्षक श्यामसिंह जघीना एवं अशोक पाराशर ने बताया कि राजस्थान की भौगोलिक परिस्थिति और मौसमी दशाओं को देखते हुए सरकार का फैसला अविवेकपूर्ण एवं शिक्षकों को परेशान करने वाला है।

राजस्थान सरकार को इसमें शीघ्र संशोधन करना चाहिए। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पूनम चतुर्वेदी ने कहा कि यदि राजस्थान सरकार ने यह अन्यायपूर्ण फैसला वापस नहीं लिया तो पूरे राजस्थान के हजारों शिक्षक राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के बैनर तले शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के विधानसभा क्षेत्र रामगंज मण्डी से सबसे बड़े शिक्षक आन्दोलन का आगाज करेंगे। इस अवसर पर जिला मंत्री सुधीर कटारा, अशोक लवानियां, विष्णुदत्त शर्मा, बृजेश तिवारी, कृष्णवीर सिंह, चंचल गुप्ता, मुरारी लाल शर्मा, बलवीर सिंह शर्मा, वीरेन्द्रसिंह चौधरी, अशोक पाराशर, जितेन्द्र कुमार, मुकेश कुमार, याचना शर्मा, लक्ष्मण सिंह, सुरेन्द्र सिंह मदेरणा, प्रमोद लवानियां सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

- अन्यायपूर्ण फैसला वापस नहीं लिया तो हजारों शिक्षक राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के बैनर तले शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के विधानसभा क्षेत्र से सबसे बड़े शिक्षक आन्दोलन का आगाज करेंगे

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्कील श्री मोहम्मद रफीक पुत्र श्री मोहम्मद नबी निवासी- मोहल्ला नई बस्ती, पश्चिम मदिना मस्जिद, नबावगंज बरेली उत्तर प्रदेश हाल निवासी 3571, भिश्तियो का मोहल्ला, छोटी मस्जिद पहाडगंज, रामगंज बाजार जयपुर राजस्थान का पुत्र मोहम्मद अमान मेरे मुवक्कील के कहने मे नही है आये दिन हैरान परेशान तथा मेरे मुवक्किल से झगड़ा करता है तथा समझाने पर भी मेरे मुवक्किल व परिवार के अन्य सदस्यो के साथ गाली गलोच, बदतमिजी भी करता है। अतः उसके कृत्यो से परेशान होकर मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र मोहम्मद अमान को अपनी समस्त चल अचल सम्पति एवं अपने परिवार से बेदखल कर दिया है। मेरे मुवक्किल ने मोहम्मद अमान से सभी सम्बन्ध समाप्त कर दिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल के पुत्र मोहम्मद अमान से किसी भी तरह का संव्यहार करता या कोई कोर्ट केस होता है तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। इसमे मेरे मुवक्किल का किसी प्रकार का कोई लेना देना अथवा जिम्मेदारी नही होगी। अतः सूचित रहे।

(फिरोज हुसैन) एडवोकेट, मो.-9214443782,9314443782

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-29
Letter No.-MGGS/Shrikarpura/JP/29
Dated-20/4/26

जिशिअ (मा.शि.) जयपुर के आदेश क्रमांक जिपस/जय/2025-26/1098 की अनुपालना में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, शिकारपुरा सांगानेर जयपुर के 3 कमरे, शौचालय व अन्य को जमीदोज करने हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से खुली बोली की निविदा दिनांक 5/5/26 को दोपहर 2 बजे तक आमंत्रित की जाती है, दिनांक 6/5/26 को प्रातः 10 बजे निविदा खोली जाएगी। निविदा की शर्तों का अवलोकन कार्यालय समय में किया जा सकेगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त अधिकार SDMC, MGGS शिकारपुरा में निहित होगे।

अध्यक्ष सचिव
विद्यालय विकास प्रबन्धन समिति
महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय
शिकारपुरा, सांगानेर शहर, जयपुर

न्यायालय जिला एवं सैशन न्यायाधीश जयपुर महानगर जयपुर द्वितीय

प्रकरण संख्या............../2026
कोई अन्य दीगर व्यक्ति बनाम
1. शांती अग्रवाल पत्नि श्री राधा कृष्ण अग्रवाल, आयु 72 वर्ष, निवासी 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान - 302021
2. शुभम अग्रवाल पुत्री श्री राधा कृष्ण अग्रवाल, आयु 41 वर्ष, निवासी निवासी 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान- 302021

प्रार्थना पत्र अर्न्तगत धारा 148 (A) सीपीसी, 1908 केवियट में प्रवेश हेतु

महोदय,
प्रार्थीगण की ओर से प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार से प्रस्तुत है:-
1. यह कि प्रार्थीगण द्वारा उक्त केवियट सीविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 148 (A) के अर्न्तगत निम्न प्लॅाट के संबन्ध मे प्रस्तुत की जा रही है:-
632-ए स्कीम, विद्युत नगर-ए, बीड खातीपुरा, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, जयपुर
2. यह कि उक्त प्लॅाट से संबंधित कोई भी प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होता है तो ऐसी स्थिती मे बिना प्रार्थीगण को सुने किसी भी प्रकार का आदेश पारित नही किया जावे, इस हेतु प्रार्थीगण द्वारा उपरोक्त वर्णित प्लॅाट के संबंध मे उक्त केवियट प्रस्तुत की जा रही है।
3. यह कि उक्त प्लॅाट से संबंधित वाद निम्न के विरूद्ध पेश किया जा सकता है:- शांती अग्रवाल पत्नि श्री राधा कृष्ण अग्रवाल, आयु- 72 वर्ष, निवासी 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान - 302021 इण् शुभम अग्रवाल पुत्री श्री राधा कृष्ण अग्रवाल, आयु 41 वर्ष, निवासी 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान - 302021
4. यह कि उक्त प्रार्थीगण का वकालतनामा इस केवियट के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है।
अतः श्रीमान के समक्ष उक्त केवियट प्रस्तुत कर निवेदन है कि उक्त केवियट को रिकॅार्ड पर लिया जाकर प्लॅाट संख्या 632-ए स्कीम, विद्युत नगर-ए, बीड खातीपुरा, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, जयपुर के संबंध मे प्रार्थीगण को केवियेटर के रुप मे पक्षकार बनाया जावे एवं उक्त प्लॅाट के संबंध मे कोई भी आदेश पारित करने से पूर्व प्रार्थीगण को अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया जावे। केवियट का नोटिस सभी संबंधित लोगो के लिए लोकल अखबार मे पब्लिक कर दिया गया है और उसकी एक कोपी इसके साथ दी गयी है।

जरिये अधिवक्ता-जावेद खान, 9571654662

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805,
E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website:- www.rschf.org
क्रमांक-16/26 दिनांक-20/04/2026

आम सूचना

संघ की आवासीय योजना केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-3/45, श्री प्रहलाद दास तोषनीवाल को आवंटित किया गया था, जिसे इनकी मृत्यु उपरान्त इनकी नोमित पुत्री सुमन माहेश्वरी के नाम ट्रांसफर कर (12.01.2000) कन्वेंस डीड एवं परप्यूचल लीज जारी कर रजिस्ट्री करवा दी गई थी। बाद में उक्त भवन को सुमन माहेश्वरी से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा दिनांक 20.10.2004 को श्रीमती मंजु अग्रवाल पत्नि श्री हरिशंकर अग्रवाल द्वारा क्रय किया गया।

दिनांक 22.10.2025 को श्रीमती मंजु अग्रवाल की मृत्यु उपरान्त उनकी पुत्री अग्रवाल आरती बेन प्रदीप धर्मपत्नि श्री प्रदीप रामबिलास अग्रवाल द्वारा अपने माता, पिता एवं भ्राता के मृत्यु प्रमाण पत्र तथा उनके एकमात्र वारिस होने का एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो नोटेरी एवं उप-खंड मजिस्ट्रेड, जयपुर शहर (उत्तर) से प्रमाणित है। आवेदिका द्वारा उपरोक्त आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन स्वयं के नाम ट्रांसफर कराने हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या-3/45, केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर अग्रवाल आरती बेन प्रदीप धर्मपत्नि श्री प्रदीप रामबिलास अग्रवाल के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।

प्रबन्धक निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी
आवासन संघ लि. जयपुर

न्यायालय जिला एवं सैशन न्यायाधीश जयपुर महानगर जयपुर द्वितीय

प्रकरण संख्या............../2026
कोई अन्य दीगर व्यक्ति बनाम
1. राधा कृष्ण अग्रवाल पुत्र स्व. चौथमल अग्रवाल, आयु- 75 वर्ष, निवासी 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान- 302021
2. शुभम अग्रवाल पुत्री श्री राधा कृष्ण अग्रवाल, आयु 41 वर्ष, निवासी 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान - 302021

प्रार्थना पत्र अर्न्तगत धारा 148 (A) सीपीसी, 1908 केवियट में प्रवेश हेतु

महोदय,
प्रार्थीगण की ओर से प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार से प्रस्तुत है:-
1. यह कि प्रार्थीगण द्वारा उक्त केवियट सीविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 148 (A) के अर्न्तगत निम्न प्लॅाट के संबन्ध मे प्रस्तुत की जा रही है:-
633 स्कीम, विद्युत नगर-ए, बीड खातीपुरा, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, जयपुर
2. यह कि उक्त प्लॅाट से संबंधित कोई भी प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होता है तो ऐसी स्थिती मे बिना प्रार्थीगण को सुने किसी भी प्रकार का आदेश पारित नही किया जावे, इस हेतु प्रार्थीगण द्वारा उपरोक्त वर्णित प्लॅाट के संबंध मे उक्त केवियट प्रस्तुत की जा रही है।
3. यह कि उक्त प्लॅाट से संबंधित वाद निम्न के विरूद्ध पेश किया जा सकता है:-
(A) राधा कृष्ण अग्रवाल पुत्र स्व. चौथलम अग्रवाल, आयु- 75 वर्ष, निवासी 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान- 302021
(B) शुभम अग्रवाल पुत्री श्री राधा कृष्ण अग्रवाल, आयु 41 वर्ष, निवासी- 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर राजस्थान- 302021
4. यह कि उक्त प्रार्थीगण का वकालतनामा इस केवियट के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। अतः श्रीमान के समक्ष उक्त केवियट प्रस्तुत कर निवेदन है कि उक्त केवियट को रिकॅार्ड पर लिया जाकर प्लॅाट संख्या 633 स्कीम, विद्युत नगर-ए, बीड खातीपुरा, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, जयपुर के संबंध मे प्रार्थीगण को केवियेटर के रुप मे पक्षकार बनाया जावे एवं उक्त प्लॅाट के संबंध मे कोई भी आदेश पारित करने से पूर्व प्रार्थीगण को अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया जावे। केवियट का नोटिस सभी संबंधित लोगो के लिए लोकल अखबार मे पब्लिक कर दिया गया है और उसकी एक कोपी इसके साथ दी गयी है।

जरिये अधिवक्ता-जावेद खान, 9571654662

न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश, लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर

जयप्रकाश थालौर आदि बनाम जगन्नाथ शर्मा आदि

दावा बाबत बंटवारा जायदाद, आदेशात्मक एवं स्थाई व्यादेश ।।

अस्थाई निषेधाज्ञा प्रकाशनार्थ अंतर्गत आदेश 39 नियम 1 व LCPC

वाद संख्या-02 सन 2023
TI 2/2023

बनामः ममता देवी पुत्री स्व0 श्री जगन्नाथ शर्मा निवासी सुपर मार्केट के पास, बस स्टेण्ड, कस्बा लक्ष्मणगढ़ तहसील लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर।

चूंकि वादीगण ने इस अदालत में तारीख 03.01.2023 को दावा उनवानी जयप्रकाश थालौर आदि बनाम जगन्नाथ शर्मा आदि दायर किया। जिसमें प्रतिवादी संख्या 01 जगन्नाथ शर्मा बाद में फौत हो गया और चूंकि वादीगण मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर किया गया है कि आप मुतवफ्फी प्रतिवादी संख्या 01 मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है कि बजाय उसके आप प्रतिवादी संख्या 1/8 बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाब देही प्रतिवादी संख्या 1/8 तारीख 23 माह 04 सन् 2026 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिय तलब किया जाता है, और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजरी में सुना व फैसल किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 20 माह 04 सन 26 को जारी किया गया।

आज्ञा से-सीनियर रीडर
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायलय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्थान क्र.स. 10, महानगर,सांगानेर रामवतार शर्मा विरुद्ध गोपाल वगै.
वाद बाबत TI
वाद सं. 151/25
1.) बनाम गोपाल पुत्र सण्डा जाति माली स्थान ग्राम वाटिका त. सांगानेर हाल केयर ऑफ मांगीलाल सैनी पता पानी की टंकी के पास टीबा की ढ़ाणी वार्ड. नं. 29, चाकसू जिला जयपुर
2.)रामफूल चौधरी पुत्र सुजाराम जाति जाट स्थान निवासी निमडी की ढ़ाणी, ग्राम वाटिका, तहसील, सांगानेर
3.) जगदीश प्रसाद यादव पुत्र श्री नारायण यादव जाति महीर निवासी फतेहपुरवास वाटिका, तहसील चाकसू, जयपुर
4.) तहसीलदार महोदय जाति स्थान तहसील सांगानेर, जयपुर

ने आपके विरुद्ध के नकल सलंग्न के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 12 माह 5 सन् 26 को दिन में 7:30 उल बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा । यह वाद ता 02 माह 4 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। 210/07.04.2026

आज्ञा से
मोहर — अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर

कार्यालय ग्राम पंचायत गंभीरा, पंचायत समिति- मलारना डूंगर जिला- सवाई माधोपुर

क्रमांक:-28 दिनांक 17/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2026-27

पंचायत समिति, मलारना डूंगर के अधीन ग्राम पंचायत गंभीरा में महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजनाओं के निर्माण कार्य हेतु दर संविदा पर सामग्री एवं उपकरण आपूर्ति कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा दरें ई-प्रोक्युरमेंट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग अलग) वेबसाईट www.eproc.rajasthan. gov. in पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp. rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No.ZSM2627A0036
UBN No. ZSM2627WSOB00060

प्रशासक, ग्राम पंचायत गंभीरा — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत गंभीरा

कार्यालय ग्राम पंचायत बडागांव उर्फ कहार, पंचायत समिति- मलारना डूंगर जिला- सवाई माधोपुर

क्रमांक:-2026-27/07 दिनांक 16/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27

पंचायत समिति, मलारना डूंगर के अधीन ग्राम पंचायत बडागांव उर्फ कहार में महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजनाओं के निर्माण कार्य हेतु दर संविदा पर सामग्री एवं उपकरण आपूर्ति कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा दरें ई-प्रोक्युरमेंट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग अलग) वेबसाईट www.eproc.rajasthan. gov. in पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp. rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No.ZSM2627A0033
UBN No. ZSM2627WSOB00057

प्रशासक, ग्राम पंचायत बडागांव उर्फ कहार — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बडागांव उर्फ कहार

कार्यालय ग्राम पंचायत भारजा नदी, पंचायत समिति- मलारना डूंगर जिला- सवाई माधोपुर

क्रमांक: 2026 27/10 दिनांक 16/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27

पंचायत समिति, मलारना डूंगर के अधीन ग्राम पंचायत भारजा नदी में महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजनाओं के निर्माण कार्य हेतु दर संविदा पर सामग्री एवं उपकरण आपूर्ति कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा दरें ई प्रोक्युरमेंट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग अलग) वेबसाईट www.eproc.rajasthan. gov. in पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp. rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No.ZSM2627A0032
UBN No. ZSM2627WSOB00056

प्रशासक, ग्राम पंचायत भारजा नदी — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत भारजा नदी

कार्यालय ग्राम पंचायत शेषा, पंचायत समिति- मलारना डूंगर जिला- सवाई माधोपुर

क्रमांक:-2026-27/72 दिनांक 16/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27

पंचायत समिति, मलारना डूंगर के अधीन ग्राम पंचायत शेषा में महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजनाओं के निर्माण कार्य हेतु दर संविदा पर सामग्री एवं उपकरण आपूर्ति कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा दरें ई-प्रोक्युरमेंट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग अलग) वेबसाईट www.eproc.rajasthan. gov. in पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp. rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No.ZSM2627A0035
UBN No. ZSM2627WSOB00059

प्रशासक, ग्राम पंचायत शेषा — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत शेषा

कार्यालय नगर परिषद् शाहपुरा, जयपुर (राज0)
(पीपली तिराहे के पास, शाहपुरा,जयपुर)
Email:- shahpura.jaipur@gmail.com

क्रमांक:-न.प.शा./भूमि/2025-26/03 दिनांक- 15.04.2026

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर में कृषि भूमि नियमन/69ए पट्टा/उपविभाजन/पुर्नगठन हेतु आवेदन किया गया है।

क्र.स.	आवेदक का नाम व पिता /पति का नाम	स्थित भवन/भूमि का मौहल्ला रास्ता , खसरा नं. व दिशा	कुल क्षेत्रफल (वर्ग गज)	विशेष विवरण
1	श्री सांवर मल तक्षक पुत्र श्री गोपाल लाल जाट	भूखण्ड नं. 44 श्री श्याम वाटिका बिदारा शाहपुरा,जयपुर खसरा नं.851/3 पूर्व-30'आम रास्ता पश्चिम-प्लॉट नं.43 उत्तर-40'आम रास्ता दक्षिण-प्लॉट नं.45	193.44	आवासीय पट्टा हेतु
2	श्री सत्य नारायण शर्मा पुत्र श्री बनवारी लाल शर्मा, श्री राजेन्द्र प्रसाद गुर्जर पुत्र श्री सुणी लाल गुर्जर	भूखण्ड नं.09 त्रिवेणी सिटी जाजैखुर्द उर्फ बिशनपुरा शाहपुरा,जयपुर खसरा नं.103 पूर्व-60'आम रास्ता पश्चिम-प्लॉट नं.18 उत्तर-प्लॉट नं.08 दक्षिण-प्लॉट नं.10	83.33	व्यवसायिक पट्टा हेतु
3	श्री छीतरमल यादव पुत्र श्री रामसहाय यादव	भूखण्ड नं.37 गणेश वाटिका आर.टी.ओ ओफिस रोड़ बिदारा शाहपुरा,जयपुर खसरा नं.1954/1787,1949/1022 पूर्व-30'आम रास्ता पश्चिम-अन्य की भूमि उत्तर-भूखण्ड नं.36 दक्षिण-भूखण्ड नं.38	141.70	आवासीय पट्टा हेतु
4	श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री रामकरण जाट	मनु विहार कॉलोनी बिदारा शाहपुरा,जयपुर खसरा नं.779 पूर्व-प्लॉट नं.22 व 23 पश्चिम-प्लॉट नं.14 उत्तर-30'आम रास्ता दक्षिण-प्लॉट नं.20	125.00	आवासीय लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा हेतु
5	श्री विनोद कुमार कारेल पुत्र श्री गोमाराम कारेल	भूखण्ड नं.04 त्रिवेणी सिटी जाजैखुर्द बिशनपुरा शाहपुरा,जयपुर खसरा नं.101,105 पूर्व-अन्य की भूमि पश्चिम- प्लॉट नं.03 उत्तर-60'आम रास्ता दक्षिण-एन.एच.48	373.22	व्यवसायिक पट्टा हेतू
6	श्री हेमराज स्वामी पुत्र श्री अर्जुन लाल स्वामी	भूखण्ड नं.s20 हनुमान नगर बिदारा शाहपुरा,जयपुर खसरा नं. 1752/1032 पूर्व-10'पार्किंग छोडकर 80'आम रास्ता पश्चिम-प्लॉट नं.44 उत्तर-शॉप नं. s 21 दक्षिण- s 19	33.33	व्यवसायिक पट्टा हेतू

अतः किसी को भी इस बाबत् आपत्ति हो तो 07 दिवस में मय सबूत लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को आपत्ति पेश करे, बाद अवधि विचार संभव नही होगा।

राज.संवाद/सी/26/1058 आयुक्त

परिवादों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

कोटपूतली। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जायेगी। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुये कहा कि बिजली, पानी और चिकित्सा जैसी मूलभूत सेवाओं की उपलब्धता में निरंतर सुधार लाया जायें। जिला कलक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर रही थी। इस दौरान उपखंड स्तरीय अधिकारी वी.सी. के माध्यम से जुड़े रहे। उन्होंने संपर्क पोर्टल, जनसुनवाई तथा जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिये। साथ ही स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

जिला कलक्टर ने गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुये चिकित्सा विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि हीटवेव, लू एवं अन्य मौसमी बीमारियों की आशंका को ध्यान में रखते हुये अस्पतालों में समुचित व्यवस्थायें सुनिश्चित की जायें। पर्याप्त दवा भंडारण, उपचार सुविधायें तथा आमजन को बचाव संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना प्राथमिकता में रखा जायें।

- जिला कलक्टर ने आमजन संबंधी कार्यों में तेजी लाने के दिये निर्देश, आधारभूत सुविधाओं पर सख्त निगरानी

बैठक में बजट घोषणाओं, फ्लैगशिप योजनाओं एवं विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुये जिला कलक्टर ने प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें एवं पात्र लाभार्थियों तक अधिकतम लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। स्वच्छ भारत मिशन, स्वनिधि योजना एवं विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर निकायों को सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं कचरा संग्रहण को मानकों के अनुरूप संचालित करने के निर्देश भी दिये गये।

जिला कलक्टर ने पीएचईडी विभाग को निर्देशित किया कि खराब ट्यूबवेल, जल टंकियों की लीकेज एवं पम्पसेट की स्थिति का सर्वे कर तत्काल सुधार कार्य किये जायें। उन्होंने समस्याग्रस्त क्षेत्रों में पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित करने, टैंकरों की व्यवस्था करने तथा लंबित पाईपलाईन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। समर कंटिंजेंसी के तहत सभी आवश्यक कार्य समय पर पूर्ण करने को कहा। विद्युत विभाग को भी निर्देश दिये गये कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जायें तथा आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान कर राहत प्रदान की जायें।

संक्षिप्त

प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान

देवली । देवली गांव के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में दसवीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान कर देवली गांव परिक्षेत्र में रैली का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यनरत बालक बालिकाएं एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। प्रधानाचार्य दामोदर लाल वर्मा ने बताया कि रैली को एस डी एम सी सदस्य बिहारी लाल अग्रवाल , भंवरलाल माली ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के सदस्य सुरेन्द्र नामा, शंकर लाल मीणा, धनपाल मीणा, हंसराज कुम्हार,मदन लाल रेडर, कमलेश माली,रवि कुमार, अध्यापिका संगीता सिंह, अनुराधा शर्मा, ममता शर्मा सहित, एस डी एम सी सदस्य एवं अनेक ग्राम वासी उपस्थित रहे। विद्यालय के अध्यापक नोरत नामा ने बताया कि शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार प्रतिभावान छात्रों का सम्मान एवं अधिक से अधिक संख्या में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय देवली गांव (अंग्रेजी माध्यम) में प्रवेश दिलाने के लिए सम्पूर्ण ग्राम परिक्षेत्र में सम्पर्क कर जागरूक रैली का आयोजन किया गया है ।

ज्ञापन सौंपा

टोंक। मुख्यालय स्थित सिविल लाईन टोंक में राजकीय आवासों मे आये दिन चौरियों की होने के बाद वहां रह रहे लोगो ने कई बार थानाधिकारी कोतवाली को अवगत कराया गया, लेकिन इसके बावजूद भी राजकीय आवासों में चौरो का आंतक बढता देख सोमवार को वहां निवास कर रहे सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव से मिलकर ज्ञापन प्रस्तुत सौंपा। उन्होने बताया कि चोरों द्वारा सूने मकान देखकर दिन एवं रात में चारियों की जा रही है, जिसे आस-पास भय का माहोल बन गया है। ज्ञापन प्रस्तुतकर्ताओं में हीरालाल चौधरी, के.के. यादव, बबलू कुमार नागर, मुकेश चौधरी, पुष्कर चौधरी, मुकेश साहू, सोनिया आर्य, पूजा चौधरी, रमेश यादव, तेजसिंह, बलवीर सिंह, अवधेश कुमार नागर इत्यादि उपस्थित रहे।

अवैध बजरी परिवहन करते एक गिरफ्तार

निवाई। पुलिस ने अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक जने को गिरफ्तार करके ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि एसपी राजेश कुमार मीना के निर्देशन में एडीशनल एसपी रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में पुलिस द्वारा अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने अवैध बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर उसके चालक कैलाश पुत्र रामेश्वर नायक निवासी पराणा थाना बरोनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक और मालिक के विरुद्ध एमएमडीआर एक्ट का मामला दर्ज करके अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक भारती, कांस्टेबल जितेन्द्र व कांस्टेबल राजेश शामिल रहे।

बैठक आयोजित

भरतपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें संस्करण को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिलाकार्यालय भरतपुर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि मन की बात के संभाग प्रभारी कृष्ण सिंह सिंघल रहे। जबकि विशिष्ठ अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा रहीं। बैठक की अध्यक्षता मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक कुशलपाल सिंह राजावत ने की। बैठक में मन की बात के संभाग प्रभारी कृष्ण सिंह सिंघल ने मन की बात कार्यक्रम कीबूथ बार समीक्षा की और आवष्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। संभाग प्रभारी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का रेडियो कार्यक्रम मन की बात प्रत्येक माह अन्तिम रविवार को सम्पूर्ण देशभर में प्रसारित किया जाता है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में हो रहे नवाचारों एवं अपने विचारों को देशवासियों को साझा करते हैं। जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा नोन की बात के 133 वें संस्करण को अधिक से अधिक संख्या में सुनकर सरल एप्प पर अपडेट करने के निर्देश दिये। जिला मीडिया प्रभारी डॉ वीरेन्द्र पचौरी के अनुसार इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष मनोज खण्डेलवाल, जिला प्रवक्ता अनुराग तमरौली,कार्यालय प्रभारी उत्तम शर्मा, नेतराम जाटव, सौरभ शर्मा,मनोज शक्करपुर, मीनेश उवार, आकाश, योगा सहनावली, चिरौंजा चाची, लक्ष्मण सिंह,कन्हैया जादौं,अभय गुर्जर मलाह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर घायल

टोंक। घाड थाना क्षैत्र में रविवार रात्रि को एक अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। बाद में ग्रामीणो ने घायलों को अस्पताल भर्ती कराया, जहां से गम्भीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हे जयपुर रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना घाड़ कस्बे स्थित तालाब के पास की है, जहां अज्ञात वाहन ने मोटरसाईकिल पर सवार दो युवको का टक्कर मार दी तथा चालक ने मौके का फायदा उठाकर वाहन को लेकर फरार हो गया, जिसके बाद ग्रामीणो ने सड़क किनारे लहूलुहान और बेहोशी की हालत में पडे दोनो युवको को दूनी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत गम्भीर होने के कारण उन्हे जयपुर रैफर कर दिया गया।

गुप्ता के सुझावों को विकास योजनाओं में किया जायेगा शामिल : मुख्य सचिव

भरतपुर। विकसित राजस्थान विषय पर उच्चस्तरीय सम्मेलन राज्य के मुख्य सचिव टी श्रीनिवास की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने राज्य के विकास एव समग्र रणनीति के सम्बध में सुझाव प्रस्तुत किये। जिस पर मुख्य सचिव ने गुप्ता द्वारा दिये गये सुझावों को विकसित राजस्थान की योजनाओं एवं दस्तावेजों में शामिल करने का विश्वास दिलाया। मुख्य सचिव को सीता राम गुप्ता द्वारा लिखित इंडिया 100 रू रिसर्जेंट भारत पुस्तक भेंट की । सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों आर्थिक विकास, औद्योगिक निवेश, कृषि उन्नयन, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, कौशल विकास, रोजगार सृजन, जल प्रबंधन एवं क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने जैसे विषयोंकृपर गंभीर चर्चा हुई। गुप्ता ने अपने प्रस्तुतीकरण में वर्ष 2047 तक राजस्थान को विकसित

विकसित राजस्थान सम्मेलन गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक इंडिया 100रू रिसर्जेंट भारत पुस्तक मुख्य सचिव को भेंट की।

राज्य बनाने हेतु एक समग्र रणनीति प्रस्तुत की, जिसमें राज्य की अर्थव्यवस्था को बहु-ट्रिलियन डॉलर स्तर तक पहुंचाने हेतु चरणबद्ध विकास मॉडल, कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई एवं वैल्यू एडिशन को बढ़ावा, डैडम् एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को सुदृढ़ करना, जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए नवाचार आधारित योजनाएं, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार, क्षेत्रीय असंतुलन को दूर कर संतुलित विकास सुनिश्चित करने पर विस्तृत प्रकाश डाला। मुख्य सचिव टी श्रीनिवास ने गुप्ता द्वारा प्रस्तुत रोडमैप एवं सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक एवं दूरदर्शी विचार राज्य की नीतियों के निर्माण में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान /2047 पर एक विस्तृत एवं समग्र दस्तावेज तैयार किया जाएगा, जिसमें सीताराम गुप्ता के सुझावों एवं योगदान को शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मुख्य सचिव ने यह भी कहाँ कि राजस्थान /2047 पर एक विशेष सम्मेलन शीघ्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें सीताराम गुप्ता की सक्रिय भागीदारी एवं उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि उनके अनुभव एवं विचारों का लाभ व्यापक स्तर पर मिल सके।

डंपिंग यार्ड में लापता वृद्ध का क्षत-विक्षत शव मिला

पावटा। क्षेत्र में इंसानियत को झकझोर देने वाली एक अत्यंत हृदयविदारक और शर्मनाक घटना सामने आई है। पांच दिन से लापता चल रहे एक वृद्ध का क्षत-विक्षत शव उसके घर से महज 500 मीटर दूरी पर स्थित अस्थाई डंपिंग यार्ड में बरामद हुआ। शव की स्थिति इतनी भयावह थी कि उसे आवारा कुत्तों द्वारा बुरी तरह नोचा गया था। इस दर्दनाक मंजर ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया और लोगों के मन में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है।

- दिन-रात कचरा डालने के बावजूद नहीं लगी भनक, प्रशासन की लापरवाही पर आक्रोश

सबसे गंभीर और हैरान करने वाला पहलू यह है कि उक्त अस्थाई डंपिंग यार्ड में नगरपालिका के वाहन दिन-रात कचरा डालने के लिए लगातार आते-जाते रहते हैं, बावजूद इसके वहां कई दिनों से पड़े शव की किसी को भनक तक नहीं लगी। यह स्थिति सीधे तौर पर नगरपालिका और संबंधित प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही को उजागर करती है।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार, वृद्ध के लापता होने के तुरंत बाद परिजनों ने प्रागपुरा थाना पुलिस को सूचना दे दी थी और लगातार उसकी तलाश की गुहार लगा रहे थे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और खोजबीन में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई।

यदि समय रहते आसपास के क्षेत्रों, विशेषकर अस्थाई डंपिंग यार्ड जैसे संवेदनशील स्थानों की गहन तलाशी ली जाती, तो शायद इस दुखद घटना को टाला जा सकता था या कम से कम शव की इस प्रकार की दुर्दशा नहीं होती। ओमप्रकाश गोयल का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। परिवार में कमाने वाले सिर्फ ओमप्रकाश गोयल ही थे जो सामान्य काम करके अपने परिवार का लालन-पालन करते थे। परिवार में उनकी पत्नी और एक दोहिती है। उनकी तीन बेटियों का विवाह हो चुका है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता का परिणाम है। सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल पावटा भिजवाया गया। पुलिस अब मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वृद्ध की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

9 दिवसीय श्री रामकथा अमृत महोत्सव का शुभारंभ कलश यात्रा से होगा

पावटा। कस्बे के प्राचीन गोपाल भैया मंदिर में आज धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ 9 दिवसीय श्री रामकथा अमृत महोत्सव का आयोजन श्री गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत श्री मोहनदास रामायणी महाराज के सान्निध्य में किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से होगी, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार, कलश यात्रा सुबह विधिवत पूजा-अर्चना के बाद पावटा कस्बा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला परिसर से रवाना होगी। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल होंगी, वहीं भक्तगण भजन-कीर्तन करते हुए कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरेंगे। कलश यात्रा की जगह-जगह स्वागत की तैयारियां की गई हैं। कलश यात्रा के पश्चात प्राचीन गोपाल भैया मंदिर परिसर में श्री रामकथा अमृत महोत्सव का विधिवत शुभारंभ होगा।

कथा के दौरान श्री श्री 108 बाबूराम दास जी महाराज घाटीधाम द्वारा भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों और आदर्शों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को धर्म और संस्कारों की प्रेरणा मिलेगी। श्री गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत श्री मोहनदास

- 9 दिवसीय श्री रामकथा अमृत महोत्सव का आयोजन श्री गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत श्री मोहनदास रामायणी महाराज के सान्निध्य में किया जाएगा

रामायणी महाराज ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन आगामी 9 दिनों तक प्रतिदिन आयोजित होगा,जिसमें क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

कार्यक्रम का समापन 30 अप्रैल गुरुवार को हवन, संत समागम, भंडारा प्रसादी एवं पूर्णाहुति के साथ किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में संतों का विशेष सानिध्य प्राप्त होगा, जिनमें श्री गोपाल मैया जी महाराज सहित कई संत महात्मा शामिल रहेंगे।

आयोजक श्री मोहनदास जी रामायणी महाराज एवं समस्त भक्तगण व ग्रामवासी पावटा ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

'मरीजों के बैंक अकाउंट नंबर को निक्षय पोर्टल पर सही रूप से करें अपडेट'

निवाई। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के मीटिंग हॉल में निवाई ब्लाक चिकित्सा विभाग की ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बीसीएमओ डॉ. दीपेंद्र पांचाल, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल, ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर जयदीप सिंह नरुका, ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर विष्णु कान्त खंगार तथा बीएनओ महावीर शर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर विष्णु कान्त खंगार ने बताया कि बैठक में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल ने 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 33 हाई रिस्क विलेज की जनसंख्या की स्क्रीनिंग को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक टीबी मरीज की डिफरेन्टियटेड टीबी केयर, टीपीटी, कान्टेक्ट ट्रेसिंग, कोमोरबिडिटी, लोकेशन अपडेट तथा मरीजों के बैंक अकाउंट नंबर को निक्षय पोर्टल पर सही रूप से अपडेट किया जाना अनिवार्य है।

- चिकित्सा विभाग की ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन

उन्होंने बताया कि सभी टीबी मरीजों की फेस आभा आईडी बनाना तथा निक्षय आईडी में जाति का अपडेट करना भी आवश्यक है। क्योंकि इन जानकारियों के पूर्ण होने पर ही मरीज को डीबीटी के माध्यम से सहायता राशि प्राप्त हो सकेगी।

बैठक में बीसीएमओ डॉ. दीपेंद्र पांचाल एवं बीपीओ जयदीप सिंह नरुका ने एनसीडी टीकाकरण तथा मौसमी बीमारियों, विशेष रूप से गर्मी के मौसम में होने वाले उच्च तापघात एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की रोकथाम, पहचान एवं उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर विष्णुकान्त खंगार ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य टीबी उन्मूलन अभियान को गति देना तथा आमजन को मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने हेतु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।

एसडीएम के नाम पर 15 हजार की रिश्वत लेते प्रयोगशाला सहायक गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अलवर प्रथम चौकी ने कार्रवाई करते हुए दौसा जिले के बांदीकुई में एसडीएम के नाम पर रिश्वत लेते एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी आदित्य शर्मा, जो राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बसवा में प्रयोगशाला सहायक है और वर्तमान में एसडीएम कार्यालय बांदीकुई में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत था, को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया। एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी हेल्पलाइन नंबर 1064 पर परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि परिवादी ने मानसी बनाम शिवलखन व अन्य प्रकरण में 15 अप्रैल 2026 को एसडीएम कोर्ट बांदीकुई में दावा प्रस्तुत किया था। आरोप है कि उपखण्ड अधिकारी रामसिंह राजावत ने उक्त प्रकरण में स्टे आदेश देने की एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत अपने अधीन कार्यरत कर्मचारी आदित्य शर्मा के माध्यम से मांगना शुरू किया।

आरोपी आदित्य शर्मा

एसीबी द्वारा 17 अप्रैल 2026 को शिकायत का सत्यापन किया गया, जिसमें 15 हजार रुपए की रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। इसके बाद एसीबी टीम ने ट्रैप की योजना बनाकर कार्रवाई को अंजाम दिया। उप महानिरीक्षक पुलिस (चतुर्थ) भुवन भूषण के सुपरविजन में तथा एसीबी चौकी अलवर प्रथम के प्रभारी एवं उप अधीक्षक पुलिस शब्बीर खान के नेतृत्व में टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी आदित्य शर्मा को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

- आरोपी आदित्य शर्मा, जो राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बसवा में प्रयोगशाला सहायक है और वर्तमान में एसडीएम कार्यालय बांदीकुई में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत था, को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया

एसीबी के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में अन्य लिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सार-समाचार

भगवान परशुराम जयंती मनाई

देवली । भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। जयंती के इस अवसर पर परशुराम सर्किल पर विशेष पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में ब्राह्मण समाज के युवा बुजुर्ग महिलाएं एवं बच्चे केसरिया पगड़ी बांध कर वाहनों पर सवार रहे और भगवान परशुराम के भजनों पर नाचते गाते चल रहे थे। इस मौके पर अमित गौतम ने जानकारी में बताया कि समाज के लोगो मे जयंती को लेकर विशेष उत्साह बना रहा। शोभा यात्रा की शुरुआत भरतपुर हाउस के समीप परशुराम सर्किल से प्रारंभ होती हुई शहर के मुख्य मार्गो से होकर एजेंसी एरिया स्थित निर्माणाधीन परशुराम मंदिर पर पहुंची । जहां भगवान परशुराम की आरती की गई तत्पश्चा लोगों में प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा के दौरान शहर के विभिन्न स्थानो पर विभिन्न संगठनों की और से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया तथा यात्रा में शामिल लोगों के लिए जलपान व अल्पाहार की भी व्यवस्था बनी रही ।

निःशुल्क शिविर का आयोजन

निवाई। शहर में श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी के सानिध्य में निःशुल्क चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वितरण के दौरान लाभार्थियों के चेहरों पर मुस्कान देखी गई। शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य समाज के उन वर्गों की सहायता करना है, जिन्हें स्वास्थ्य सेवाओं की अत्यंत आवश्यकता है। शिविर के दौरान करीब 350 महिला व पुरुषों के आंखों की जांच के उपरांत उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले चश्मे निःशुल्क वितरित किए गए। संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपस्थित महिला व पुरुषों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर नितिन छाबडा, नितेश बरवाडा, जितेन्द्र विजय, जीतू धारवाल, अनिल केशवानी व श्योजराम फोजी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

भक्तामर पाठ का आयोजन

निवाई। चंद्र प्रभु जैन मंदिर बंपुई वालों के चेत्यालय में शुभकामना परिवार वैयर हाऊस जोन द्वारा संगीतमय भक्तामर पाठ कार्यक्रम आयोजित किया गया। धर्म प्रभावना महिला मण्डल प्रचार संयोजक संजू जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सुशीला देवी, अभय सोगानी एवं स्वाति सोगानी ने भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद धर्म प्रभावना महिला मण्डल के मंत्रोच्चार द्वारा संगीतमय भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें बंटी झांझरी, निशा झांझरी एवं उर्मिला सोगानी ने मंगलाचरण किया। कार्यक्रम में गायक विमल जौंला एवं विमल सोगानी के नेतृत्व में एक से बढक़र एक भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किए। भक्तामर स्तोत्र पाठ में गायिका उर्मिला सोगानी, इन्द्रा मोठूका, दिक्षा जैन, स्वाति सोगानी, प्रिती जैन, सपना जैन, तृप्ति जैन, मोना जैन, कुसुम सोगानी, अभय जैन व नरेश हथौना सहित कई महिलाओं ने रिद्धि मंत्रों की प्रस्तुतियां दी। संगीतमय भक्तामर पाठ अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने 48 काव्यों की प्रस्तुति देकर भगवान आदिनाथ जी के समक्ष 48 दीपक चढ़ाकर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ जी की महाआरती उतारी।

सवाई मानसिंह स्टेडियम में फाइनल मुकाबले 25 अप्रैल से शुरू होंगे

शाहपुरा । जयपुर कबड्डी लीग मे शाहपुरा ब्लॉक की अंडर 25 पुरुष टीम ने चौगान स्टेडियम में खेले गए सेमी फाइनल मुकाबले में सांगानेर की टीम को हराते हुए फाइनल मे प्रवेश कर लिया। अब शाहपुरा ब्लॉक की अंदर 25 पुरुष टीम 25 अप्रैल से सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले में खेलेगी। सभी मुकाबले में शाहपुरा की टीम के खिलाड़ियों ने दमखम,रणनीति और जुझारूपन का शानदार प्रदर्शन प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए पूरी ताकत झोंक कर खिताब अपने नाम किया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार जाट ने टीम को जीत की बधाई देते हुए बताया कि ब्लॉक स्तर का सेमीफाइनल मुकाबला शाहपुरा व सांगानेर की टीम के मध्य खेला गया। सेमी फाइनल मुकाबले में शाहपुरा की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल रणनीति और मजबूत डिफेंस के दम पर खिताब अपने नाम किया। इस दौरान दर्शकों की जबरदस्त हुंटिंग ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

कुएं में गिरने से युवक की मौत

राजगढ़ । पुलिस वृत्त के टहला थाना क्षेत्र के हल्कारा का बास मंडावरी ग्राम में सोमवार को प्रात: कुएं में गिरने से युवक की मौत हो गई। युवक खेत पर बने कुए पर मोटर चलाने गया था। टहला थाना प्रभारी मुकेश मीणा ने बताया कि सुबह करीब 9:00 बजे सूचना मिली कि हल्कारा का बास मंडावरी थाना टहला कुएं में कोई युवक गिर गया है। इस सूचना पर मौके पर पहुंचे। कुएं में करीब 50-60 फीट पानी होने के कारण शव को निकालने में परेशानी हुई। एसडी आरएफ की टीम ने करीब 5-6घंटे में मृतक को कुएं से बाहर निकाला। इस घटना की रिपोर्ट चाचा रामफूल ने दर्ज कराई है.। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रिपोर्ट में बताया कि उसका भतीजा रामावतार 22 वर्ष पुत्र फैली राम मीणा 20 अप्रैल को सुबह पानी की मोटर चलाने की कह कर गया था। काफी देर तक मोटर नहीं चलाई तो उसको फोन किया, फोन नहीं उठाने पर हम बोरिंग पर पहुंचे तो मोबाइल मुंडेर पर रखा हुआ था। उसने सूचना गांव में दी तो परिवार वाले लोग 19 अप्रैल को छोटे भतीजे की शादी में गए थे। छोटे भतीजे की बारात गई थी जिसमें राम अवतार भी रात्रि को करीब 2 बजे गांव आया था। जिसकी नींद आने या फिर फिसलने के कारण कुएं में गिरने से मौत हो गई। सूचना पर प्रशासक सरपंच मुकेश मंडावरी एवं थाना प्रभारी मुकेश मीणा सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे । मृतक का शव राजगढ़ चिकित्सालय की मोरचरी मे रखा।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए कैंडल मार्च निकाला

टोंक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 15 अप्रैल से 21 अप्रैल तक मनाए जा रहे बाल विवाह प्रतिषेध सप्ताह के अंतर्गत रविवार देर सायं राजकीय पन्नाधाय आवासीय विद्यालय में छात्राओं द्वारा कैंडल मार्च एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक, जिला बाल संरक्षण इकाई तथा एनजीओ सिकोईडिकॉन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इसका नेतृत्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार जलुथरिया द्वारा किया गया। इस दौरान उनके साथ बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान तथा एनजीओ सिकोईडिकॉन के प्रभारी देवेंद्र जांगिड़ भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्राओं ने हाथों में मोमबत्तियों के साथ-साथ तख्तियां, बैनर लेकर बाल विवाह के विरुद्ध संदेश प्रदर्शित किए, जिन पर ''बाल विवाह अभिशाप है'', ''बाल विवाह अपराध है'' जैसे जागरूकता नारे अंकित थे । साथ ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा के उन्मूलन का संकल्प लिया। मार्च के दौरान यह अपील की गई कि लोग बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध आगे आएं, ऐसे मामलों की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें ।

जिस टीम के पाँच मैच बाकी हों, तीन अंक की बढ़त हो और वो चैंपियंस लीग के आखिरी दौर में हो, उसे हिम्मत देने की कोई जरूरत नहीं होती। ड्रेसिंग रूम में सब निराश जरूर थे, लेकिन सभी ने मिलकर कहा कि आज एक मौका गया, अब पाँच और आएंगे। - मिकेल आर्टेटा

आर्सेनल के मैनेजर, खिलाड़ियों के मनोबल को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ब्लेसिंग मुजरबानी

पाकिस्तान सुपरलीग को छोड़कर आईपीएल में खेलने वाले जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच एक तरह की मुंह जुबानी जंग शुरू हो गई है। पीसीबी ने मुजरबानी पर पीएसएल में उनके अगले 2 साल तक खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुजरबानी ने कहा कि आप ऐसी किसी कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन कैसे कर सकते हैं जिसे आपने कभी किया ही नहीं हो। वहीं अब पीसीबी ने भी ये कबूल किया है कि पीएसएल फ्रेंचाइजी और मुजरबानी के बीच कॉन्ट्रैक्ट नहीं हुआ था लेकिन उसने साथ में गैरपेशेवर रवैये की वजह से खिलाड़ी पर 2 साल का प्रतिबंध लगाया है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में भारत का सर्वोच्च स्कोर 759/7 (घोषित) है, जो 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ बना था।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैम्प के लिए 36 खिलाड़ियों का चयन किया

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। हॉकी इंडिया ने आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारियों के मद्देनज़र सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 36 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित कर दी है। यह कैंप 20 अप्रैल से 9 मई तक बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में आयोजित किया जाएगा।

इस कैंप का मुख्य उद्देश्य टीम के सामंजस्य को मजबूत करना, खिलाड़ियों की फिटनेस और रणनीतिक तैयारियों को बेहतर बनाना है। आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को देखते हुए टीम संयोजन, लय और प्रदर्शन में निरंतरता लाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। टीम को एफआईएच प्रो लीग, विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी करनी है।

चयनित खिलाड़ी

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर: अमित रोहिदास, जर्मनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लाकड़ा

मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, रोशन कुजूर, मनप्रीत सिंह

फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडाल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्ति, आदित्य अर्जुन लालगे, मनिंदर सिंह, दिलप्रीत सिंह।

मुझे असंभव शब्द सुनना पसंद नहीं : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। पंजाब किंग्स का आईपीएल 2026 में अजेय अभियान जारी है। अय्यर ने कहा कि मैच से पहले रिक्की बात करते हैं और मैं थोड़ा इनपुट दे देता हूं। बस इतना ही। हमारी टीम के ज्यादातर गेंदबाज इंटरनेशनल लेवल के हैं, आप देख सकते हैं कि वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भी अच्छा कर रहे हैं। बात सिर्फ सही तरीके से प्रदर्शन की थी, मुझे ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है आप खुद देख सकते हैं।

मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को 99 रनों से हराया

तिलक वर्मा का शतक, अश्विनी को 4 विकेट

अहमदाबाद, 20 अप्रैल। आईपीएल 2026 के 30वें मुकाबले में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस 99 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की टीम ने गुजरात को 200 रनों का लक्ष्य दिया, जिसकी जबाव में गिल की अगुआई वाली टीम 100 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका पहला विकेट 10 रन के स्कोर पर दानिश के रूप में आउट हो गया। इसके बाद 25 रनों के टीम स्कोर पर डिकॉक भी चलते बने। जब टीम का स्कोर 44 रन था तब अच्छी लय में दिख रहे सूर्यकुमार यादव (15 रन 10 गेंद) भी पवेलियन चलते बने। इसके बाद नमन धीर और तिलक वर्मा के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। नमनधीर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 32 गेंदों में 45 रनों की पारी खेली, हालांकि, 96 के टीम टोटल पर वे भी चलते बने। इसके बाद तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पांड्या ने पारी को संभाला और यहीं से तिलक वर्मा का तांडव शुरू हुआ। उन्होंने 45 गेंदों में 101 रनों की पारी खेली। हार्दिक और तिलक के बीच 82 रनों की साझेदारी हुई। हार्दिक ने 16 गेंदों में 15 रन बनाए। गुजरात टाइटंस की ओर से कगिसो रबाडा ने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की और तीन विकेट झटके। एक विकेट मोहम्मद सिराज और 1 विकेट प्रसिद्ध कृष्णा को मिला।

अश्विनी कुमार ने 4 विकेट झटके

पावरप्ले के आखिरी ओवर में गिल को आउट करने वाले अश्विनी कुमार ने 4 विकेट झटके। उन्होंने राहुल तेवतिया (8 रन), शाहरुख खान (17 रन) और राशिद खान (4 रन) को पवेलियन भेजकर गुजरात की वापसी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

बीसीसीआई अब भारत की दो टी-20 टीम उतारेगी

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। बीसीसीआई ने बड़ा फैसला किया है। दरअसल, टी20 में भारत की अब एक नहीं बल्कि दो टीमें खेलती दिखेंगी। ऐसा ही एख ही समय पर होगा। बीसीसीआई ने इसके लिए पूरी प्लानिंग कर दी है। इसे लेकर एक रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार प्रतिभाओं की भरमार को देखते हुए भारतीय बोर्ड अब 30-35 खिलाड़ियों का एक पूल तैयार करने की सोच रहा है। उसकी योजना टी20 में भारत की दो टीम तैयार करने की है। इसका मतलब ये होगा कि अब ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। वहीं अब सवाल ये है कि इस योजना के पीछे आखिर बीसीसीआई का मकसद क्या है? दरअसल, भारत को इस साल के आखिर तक कई इंटरनेशनल इवेंट में शिरकत करना है जिसमें एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज भी शामिल है। दरअसल, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल एशियाई खेल और भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर होने जा रहे हैं इसलिए हमें दो टीमों को खिलाने पर ध्यान देना होगा। उसके लिए अभी से ही 30-35 खिलाड़ियों का एक पूल तैयार करना अहम है, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए बुलाया जा सके। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा कि आयरलैंड दौरे के लिए खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल रखा जाएगा। वहीं एशियाई खेलों के लिए भी यही नियम लागू होगा। वहां भी बड़ा पूल रखा जाएगा। अब सवाल ये है कि 30-35 खिलाड़ियों के पूल में कौन-कौन से चेहरे शामिल होंगे? तो अभी तक किसी भी खिलाड़ी के नाम पर आधिकारिक मुहर तो नहीं लगी है।

द्रोणाचार्य अवार्डी कोच नवल सिंह बर्खास्त

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। खेल जगत में इन दिनों एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहां दिग्गज खिलाड़ियों की शिकायत के बाद कड़ा कदम उठाया गया है। पैरा ओलंपिक समिति भारत ने द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच नवल सिंह को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है, जिसको लेकर खेल जगत में चर्चा तेज हो गई हैं। बता दें कि यह कार्रवाई नीरज चोपड़ा और सुमित अंतिल समेत कई खिलाड़ियों द्वारा मानसिक उत्पीड़न और अपमानजनक भाषा के आरोप लगाए जाने के बाद की गई हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि कोच का व्यवहार लगातार अनुचित होता जा रहा था और इसका असर उनके मानसिक संतुलन और प्रदर्शन पर पड़ रहा था।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया, नाहिद राणा के 5 विकेट

ढाका, 20 अप्रैल। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन पर सिमट गई, जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 35.3 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

निक केली का 83 रन बेकार, न्यूजीलैंड 198 पर सिमटा

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम लगातार विकेट गंवाती रही। एक छोर से निक केली ने जरूर पारी संभाली और 102 गेंदों में 83 रन बनाए, जिसमें 14 चौके शामिल रहे।

उनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। हेनरी निकोल्स (13), विल यंग (2) और कप्तान टॉम लैथम (14) जल्दी आउट हो गए। मध्यक्रम में मोहम्मद अब्बास (19) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (15) भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। निचले क्रम में नाथन स्मिथ 18 रन बनाकर नाबाद रहे। पूरी टीम 48.4 ओवर में 198 रन पर ऑलआउट हो गई।

दक्षिण अफ्रीका विमेंस टीम की दूसरी टी-20 में जीत

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। भारतीय महिला टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डरबन में खेले गए इस मुकाबले में शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद मिडिल और लोअर ऑर्डर के फ्लॉप प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही। साउथ अफ्रीका ने 148 रन का टारगेट 17.1 ओवर में केवल 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीकी टीम ने सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली है। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की शानदार पार्टनरशिप की, जिसने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

टीएमएल जीवी ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप सम्पन्न

मोहन सिंह मीणा- राजेन्द्र कोठारी ने जीता युगल खिताब

जयपुर, 20 अप्रैल। ज्ञान विहार स्कूल बैडमिंटन हॉल में टीएमएल लॉजिस्टिक के तत्वावधान में आयोजित जी. वी. ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में एकल, युगल एवं मिश्रित युगल वर्गों में रोमांचक मुकाबले खेले गए।

सीनियर पुरुष युगल वर्ग में मोहन सिंह मीणा और राजेंद्र कोठारी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में संजय श्रीवास्तव एवं जितेंद्र राजवंशी की जोड़ी को सीधे गेमों में 21-18, 21-17 से हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं सीनियर महिला एकल में शिखा वार्ष्णेय ने मीनाक्षी बिष्ट को पराजित कर विजेता बनीं। अंडर-13 बालक वर्ग के फाइनल में विनायक राजपुरोहित ने वेदांश कटेवा को कड़े मुकाबले में 17-21, 21-19, 21-9 से हराकर खिताब जीता।

अन्य वर्गों के परिणाम इस प्रकार रहे- अंडर-11 बालक: विनायक राजपुरोहित विजेता, वेदांश यादव उपविजेता। **अंडर-11 बालिका:** ईरीशा विजेता, वैदेही एवं अहाना उपविजेता। **अंडर-13 बालिका:** दुर्विषा रामवानी विजेता, आराध्या गुप्ता उपविजेता। **अंडर-17 बालक एकल:** काव्य मनवानी विजेता, कार्तिक उपविजेता। **मिक्स्ड डबल्स:** दुर्विषा रामवानी एवं दर्शय चावला विजेता, शिखा वार्ष्णेय एवं मोहन सिंह मीणा उपविजेता। **अंडर-17 बालक युगल:** काव्य मनवानी एवं कार्तिक विजेता, नक्श एवं प्रियांश उपविजेता। टीएमएल के डायरेक्टर प्रदीप सिंह झाला ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समापन अवसर पर अकादमी के डायरेक्टर अतुल गुप्ता ने प्रतियोगिता के ऑफिशियल एवं मैच कंट्रोलर धर्मराज शर्मा, गणेश शर्मा, विशाल तथा मीनाक्षी सहित ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री संजय श्रीवास्तव का स्वागत एवं सम्मान किया।

जयपुर स्पोर्ट्स क्लब ने आरबीआई रिक्रिएशन क्लब को 61 रन से पराजित किया

जयपुर, 20 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर स्पोर्ट्स क्लब के आशीष शर्मा के शतक के दम पर आर बी आई रिक्रिएशन क्लब को 61 रन से पराजित किया। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने बताया की आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के मैच में जयपुर स्पोर्ट्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 295 रन बनाए। जिसमें आशीष शर्मा ने 102 बॉल पर 136 रन बनाए शिवांजल अग्रवाल ने 46 रन, चिरायु गोठवाल ने 43 रन, शोभित मिश्रा ने 26 रन बनाए। आर बी आई रिक्रिएशन क्लब के लिये महिपाल ने 76 पर 3 विकेट, नरेश मीना, राजेश विश्नोई जुनियर तथा गोपेश कुमार ने 1-1 विकेट लिया। जवाबी पारी में आर बी आई रिक्रिएशन क्लब की टीम 36 ओवर में 234 रन पर आल आऊट हो गई।

जिंक फुटबॉल अकादमी ने रेहान फुटबॉल क्लब को एकतरफा मैच में 4-0 से हराया

जयपुर, 20 अप्रैल। राजस्थान फुटबॉल संघ और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के सयुंक्त तत्वाधान में जारी आर लीग डिवीज़न फुटबॉल लीग के आज तीन मैच खेले गए। पहला मैच ब्रदर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और जयपुर सिटी फुटबाल क्लब के बीच मैच खेला गया। जिसमें जयपुर सिटी फुटबाल क्लब ने 2-0 से मैच अपने नाम किया। मैच के 23 मिनट में महिपात पंवर ने पहला गोल किया दूसरा गोल मैच के 45 2 मिनट में हर्ष ने किया।

दूसरा मैच ज़िंक फुटबॉल अकादमी और रेहान फुटबाल क्लब के बीच खेला गया । जिसमें जिंक फुटबाल अकादमी ने रेहान कों 4-0 से एकतरफा हराया जिसमें जिंक की तरफ से करण बैनीवाल और मनीष मील ने दो दो गोल किये जिसमें पहला गोल 36 मिनट ओर दूसरा गोल 68 मिनट मे करण बेनीवाल ने किए तीसरा गोल 76 मिनट और चौथा गोल 78 मिनट मे मनीष मील ने किये

तीसरा मैच सनराइज फुटबॉल क्लब और जेरठी फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें सनराइज फुटबॉल क्लब ने जेरठी फुटबॉल क्लब को 6-2 से हराया सनराइज की तरफ से कुशागर (1मिनट) दियासन रावत (6 मिनट) मो.सुफियान (24 मिनट) चित्रांशु (60 मिनट) बिटू प्रधान (71 मिनट) बिशाल बरमन (73 मिनट) में गोल किये। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 20 मार्च से शुरू हुई आर लीग 1 महीने तक चलेगी। कुल 42 मैचों में से अभी तक 33 हो चुके हैं । 22 अप्रैल को अगले तीन मैच खेले जाएंगे।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 20 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 238 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। कौशलेंद्र सिंह ने 65, लोकेश सियाग ने 60 और हंस ओझा ने 55 रनों का योगदान दिया। एसबीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से अरमान सिंह ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसबीएस क्रिकेट एकेडमी 36 ओवर में 152 रन पर ऑल आउट हो गई। आयुष्मान ने सर्वाधिक 67 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से रोहित गुर्जर, दीपक सैनी और राजवीर ने 2-2 विकेट लिए। कौशलेंद्र सिंह राजावत को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

75 क्लबों की सदस्यता को समाप्त करना एडहॉक कमेटी, जेडीसीए द्वारा गैरकानूनी और अलोकतांत्रिक कार्यवाही : विमल सोनी

75 क्लबों को किस माध्यम से तीनों नोटिस भेजे गए और कितने नोटिस उनके पास वापस लौटकर आए : अनिल सिंह शेखावत

जयपुर, 20 अप्रैल। जयपुर जिला किक्रेट एडहॉक कमेटी ने जयपुर जिला क्रिकेट संघ प्राथमिक सदस्यों को अपने अधिकार क्षेत्र व जयपुर जिला क्रिकेट संघ के संवधिान की मूल भावना को रोधते हुये लगभग 75 जिला क्रिकेट संघ से सम्बद्ध सदस्यों की सदस्यता समाप्त कर दी। इस संबन्ध को लेकर पूर्व सचिव जेडीसीए डॉ. विमल सोनी, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेडीसीए अनिल सिंह शेखावत, पूर्व सचिव जेडीसीए, मोहम्मद इकबाल, पूर्व कोषाध्यक्ष जेडीसीए समीर शर्मा, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेडीसीए एस. एन. माथुर के साथ- साथ जिला क्रिकेट संघ के अनेकानेक सदस्यों की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जिसमें सभी उपस्थित सदस्यों ने इस कार्यवाही को अवैध बताया। साथ ही एडहॉक कमेटी को आगाह किया है कि वो इस गैरकानूनी और अलोकतांत्रिक कार्य करने से बाज आये अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जावेगी। डॉ विमल सोनी ने इस तरह की कार्यवाही को जिला कमेटी संघ के सविंधान तथा स्पोर्ट्स एक्ट के अनेका अनेक नियमो, उपनियमों को घोर अवहेलना बताया।

इस प्रकार एक्ट के अनुसार यह स्पष्ट है कि वार्षिक सदस्यता शुल्क जमा ना करवाने पर सदस्य को केवल मात्र वार्षिक साधारण सभा में शामिल होने से रोका जा सकता है, ना की क्लब की सदस्यता समाप्त की जा सकती है। यहाँ यह भी बताना आवश्यक हैं कि जयपुर जिला क्रिकेट संघ के संविधान के तहत वार्षिक साधारण शुल्क 31 जुलाई तक जमा करवाना होता है, ऐसी स्थिति में 31 जुलाई से पहले किसी भी क्लब पर वार्षिक सदस्यता शुल्क बकाया होने पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही कानूनी तोर पर नहीं की जा सकती है। सोनी ने बताया कि 134 क्लबों में से 114 क्लबों की फीस 2025 तक की जमा है। अनिल सिंह शेखावत ने कहा कि एडहॉक कमेटी द्वारा बताया गया है कि उनके द्वारा 75 क्लबों को तीन नोटिस भेजे गए थे जबकि आज तक किसी भी क्लब को कोई नोटिस नहीं मिला। एडहॉक कमेटी साक्ष्यों के साथ बताए कि उनके द्वारा 75 क्लबों को किस माध्यम से तीनो नोटिस भेजे गए और कितने नोटिस उनके पास वापस लौटकर आए।

एडहॉक कमेटी के द्वारा 75 क्रिकेट क्लबों में से किसी भी क्लब को वार्षिक सदस्यता शुल्क जमा करवाने को लेकर आज तक कोई डिमांड नोटिस जारी नहीं किया गया। मिडिया के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि 75 क्लबों में से किसी भी क्लब का पता उनके पास नहीं है, ऐसी स्थिति में बताना चाहेंगे कि 18.03.2018 को जेडीसीए के चुनाव भी एडहॉक कमेटी द्वारा करवाए गए थे जिसमे जी.पी. शुक्ला, चुनाव अधिकारी और रोहित झालानी, कन्वीनर, एडहॉक कमेटी, जेडीसीए द्वारा रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम चुनाव नोटिस और चुनाव कार्यक्रम भेजे गए थे तब जेडीसीए के पास रजिस्टर्ड क्लबों का सारा रिकॉर्ड एडहॉक कमेटी के पास मौजूद था और वर्तमान एडहॉक कमेटी में सदस्य रोहित झालानी द्वारा रिकॉर्ड उपलब्ध होने से इनकार करना बताता हैं कि 75 क्लबों को हटाने की कार्यवाही दुर्भावना से ग्रसित होकर की गई है।

एडहॉक कमेटी द्वारा 134 क्लबों में से 75 क्लबों में कौन कौन से क्लबों को हटाया गया है, कोई जानकारी नहीं दी जा रही है : इकबाल

इकबाल ने बताया कि वर्ष 2025-2026 में एडहॉक कमेटी द्वारा आयोजित कई क्लबों ने ए-डिविजन व बी डिविजन प्रतियोगिता में भाग लिया। इन क्लबों को एडहॉक कमेटी द्वारा प्रतियोगिता के संबंध में समय समय प्रतियोगिता के आयोजन व एंट्री फीस के संबंध में अवगत कराया जाता रहा तो इनका ये आरोप झूठा है कि क्लबों के पते नहीं मिल रहे।

एस एन माथुर ने कहा कि इस तरह की कार्यवाही जेडीसीए के इतिहास में कभी नहीं देखी गई कि फीस जमा नहीं करने पर क्लबों का नाम ही जेडीसीए से गायब हो जाए। पिछले वर्ष भी इसी एडहॉक कमेटी ने वार्षिक साधारण सभा बुलाई गई थी जिसमे उन्होंने कहा था कि उनके द्वारा सभी क्लबों को एजीएम की सूचना भिजवाई गई है ऐसी स्थिति में स्वयं एडहॉक कमेटी को बताना चाहिए कि तब उनके पास 75 क्लबों का रिकॉर्ड मौजूद था और अब उनके पास रिकॉर्ड मौजूद ना होना अपने आप में 75 क्रिकेट क्लबों पर कार्यवाही को स्वत: संदेहास्पद बना देती है।

स्पोर्ट्स एक्ट के अनुसार आवश्यक कानूनी तथ्य

एडहॉक कमेटी, जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा किए गए गैरकानूनी और अलोकतांत्रिक कार्यवाही कर 75 क्लबों की सदस्यता को समाप्त करने के संबंध में कुछ आवश्यक कानूनी तथ्य पेश किए गए जिनमें एडहॉक कमेटी का गठन जिला क्रिकेट संघ के नवीन चुनाव करवाने के लिए किया जाता है तथा एडहॉक कमेटी स्वयं की मर्जी से साधारण सभा की शक्तियों का उपयोग करते हुए किसी भी क्लब की सदस्यता को समाप्त नही कर सकती है। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के संविधान के अनुच्छेद 08 में उल्लिखित है कि "मेंबरशिप में कोई भी बदलाव, हटाना या जोड़ना सिर्फ़ जनरल बॉडी मीटिंग में ही किया जा सकता है।" इस प्रकार से एडहॉक कमेटी को किसी भी प्रकार से किसी भी सम्बद्धता प्राप्त क्रिकेट क्लब की प्राथमिक सदस्यता समाप्त करने का कोई अधिकार नहीं है। अनुच्छेद 12 में "कोड ऑफ कंडक्ट" दिया हैं जिसके अनुसार भी प्रभावित पक्ष को 07 दिवस का नोटिस और सुनवाई का अवसर दिया जाएगा जिसकी पालना भी एडहॉक कमेटी द्वारा नहीं की गई। राजस्थान खेल अधिनियम 2005 की धारा 09 के अनुसार "इस एक्ट के नियमों के तहत, मेंबरशिप में कोई भी बढ़ोतरी, कटौती या बदलाव सिर्फ़ स्पोर्ट्स एसोसिएशन की जनरल बॉडी मीटिंग में ही किया जा सकता है।" इस प्रकार से भी स्पष्ट है कि किसी भी संबद्धता प्राप्त क्रिकेट क्लब की संबद्धता को साधारण सभा द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है, एडहॉक कमेटी द्वारा नही। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के संविधान के अनुच्छेद 13(2) (सी) में उल्लिखित है कि "जनरल बॉडी की मीटिंग में सिर्फ़ उन्हीं मेंबर्स को आने दिया जाएगा जिनका सब्सक्रिप्शन 31 जुलाई तक बकाया नहीं है और ऐसे नाम समय-समय पर एसोसिएशन के नोटिस बोर्ड पर ऑनरी सेक्रेटरी द्वारा दिखाए जाएंगे।"

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर

राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर

फोन: 07462-233169, email-eemhswm@gmail.com

क्रमांक : 64 ई-टैन्डिरिंग निविदा सूचना 01/2026-27 दिनांक : 15/4/26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर सें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के जिला बूंदी व सवाई माधोपुर में विभिन्न स्थानों पर रू. 190.45 लाख के 7 निर्माण कार्य / विद्युत कार्य/मरम्मत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य / निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org. http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO.- NRH2627WSOB00054, NRH2627WSOB00055 NRH2627WSOB00057, NRH2627WSOB00058, NRH2627WSOB00059, NRH2627WSOB00060, NRH2627WSOB00061

DIPR/C/7049/2026

अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, चूरू

(जिला परिषद परिसर, चूरू-331001)

E-mail:- sewdsc.churu@rajasthan.gov.in, Phone : 01562-254494

क्रमांक : एफ1 ()/अ.अ/डब्ल्यूसीडीसी/लेखा/2026-27/69-73 दिनांक :13/04/26

ई-निविदा सूचना संख्या-04/2026-27

राजस्थान राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजना क्षेत्र में करवाये जाने वाले विभिन्न कार्य हेतु जिला चूरू में स्वीकृत कार्यो हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वा. एवं अभि. विभाग, सिचिंत क्षेत्र विकास एवं केन्द्रीय सरकार के अभियांत्रिकी विभाग में पंजिकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा दिनांक 24.04.2026 को सांय 05.00 बजे तक ऑन लाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण "http://sppp.rajasthan.gov.in", 1 "http://eproc.rajasthan.gov.in" वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- WSC2627A0074

UBN NO :- WSC2627GLOB00111, WSC2627GSOB00112 WSC2627GLOB00113, WSC2627GSOB00114 WSC2627GLOB00115

DIPR/C/7024/2026

(रमेश कुमार मीणा) अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, चूरू

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना) जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सरदारशहर

e-mail: eeproj.chu.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक - अअ / जनस्वा/ निविदा/2026-27/74 दिनांक : 15.04.2026

ई-निविदा सूचना 06/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्लू.एफ. एण्ड ए.आर. पार्ट-।। अपेडिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (प्रकाशन दिनांक तक) के अनुरूप विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं संबंधित कार्यों में अनुभव रखने वाली फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑन लाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से कॉलम संख्या 06 में अंकित तिथि तक सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किए जा सकते हैं। वैब साईट पर तकनीकी बिड कॉलम संख्या 07 में अंकित तिथि को इस कार्यालय में प्रातः 02.00 पी.एम. पर खोली जावेगी। यदि किसी कारणवंश उस दिन अवकाश रहता है, तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय पर तकनीकी बिड खोली जावेगी।

निविदा शुल्क / धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ई-ग्रास के माध्यम से DDO Code 4836-X.EN Project Div SARDARSHAHR Budget Head लोक निर्माण कार्य जमा 8443-00-108-00-00 एवं निविदा शुल्क (through e-GRAS Challan (website http://egras.raj.nic.in) in favour of DDO Code 4836-X.EN Project Div SARDARSHAHR Budget Head निविदा शुल्क प्रति 0075-00-800-52-01) के अन्तर्गत जमा करवाया जावेगा, ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रूपये 50.00 लाख तक 500/- रू. 50.00 लाख से 100.00 तक 1500/- 100.00 लाख से 500.00 लाख तक रू. 2000/- तथा 500.00 लाख से अधिक रू. 2500/- का का द्वारा ई-ग्रास के माध्यम से जमा करवाकर भौतिक रूप कालम से. 07 में अंकित दिनांक को प्रातः 11.00 बजे तक इस कार्यालय में जमा करवाना आवश्यक है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल (DSC)-हस्ताक्षर के माध्यम से वैब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

निविदा सख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाखो में)	धरोहर राशि (राशि लाखो ने)	निविदा शुल्क (राशि रूपयें)	निविदा डाउनलोड/ अपलोड करने की तिथि	तकनीकी बिड खोलने की तिथि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
06/ 26-27	Work of maintaining power factor and Hiring of power capacitor for various electric connections (Pump House Tube Well Open Wells etc.) under the jurisdiction of Div Sardarsahar. UBN is: PHE2627WSRC00362 Date 15.04.2026	30.00	60000	500	04.05.26	05.05.26	03 Year

नोट :- निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण एवं अन्य शर्ते निम्नलिखित वैब साईट पर देखी जा सकती है

1. http://eproc.rajasthan.gov.in 2- sppp.rajasthan.gov.in 3-www.dipronline.org निविदा में निर्धारित दिनांक तक नवीनतम पुर्नावलोकन रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है। शर्त सहित निविदा मान्य नहीं होगी, निविदा विक्रय/प्राप्ति / खोलने की तिथि को अवकाश होने पर अगला कार्य दिवस माना जावेगा। निम्न हस्ताक्षरकर्ता को किसी भी निविदा या सभी निविदाओं को बिना कारण बतायें निरस्त करने का पूर्ण अधिकार रहेगा।

प्रकृति का अनुपम उपहार स्वच्छ जल का सबको उपहार

DIPR/C/7015/2026

(रामदेव पारीक) अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना) जन स्वा.अभि.विभाग, खण्ड सरदारशहर

भारत और रूस ने महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर साइन किए

अमेरिका व पाक की बढ़ती निकटता के मौजूदा दौर में यह समझौता काफी महत्वपूर्ण है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट एग्रीमैंट के तहत दोनों देशों में एक-दूसरे के सैनिक, युद्धपोत व फाइटर प्लेन तैनात रह सकते हैं। फिलहाल समझौता 5 साल के लिए है, इसे बाद में आगे बढ़ाया जाएगा।

■ जाने-माने अमेरिकन वकील गॉर्डन सी.चांग ने कहा कि वॉशिंगटन का पाकिस्तान के प्रति बढ़ता झुकाव भारत को रूस की तरफ धकेल रहा है।

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संबंधों के बीच, नई दिल्ली और मॉस्को "रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट" (आरईएलओएस) समझौते की पुष्टि करके एक कदम और करीब आ गए हैं। यह समझौता दोनों देशों को संघर्ष की स्थिति में भी एक-दूसरे के क्षेत्र में सैनिक, युद्धपोत और सैन्य विमान तैनात करने की अनुमति देता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह समझौता भारत को व्लादिवोस्तोक से मरमांस्क तक उत्तरी समुद्री मार्ग पर स्थित बंदरगाहों तक पहुंच प्रदान करता है, जिनका उपयोग रूस के यामल प्रायद्वीप से एलएनजी आयात के लिए किया जा सकता है। यह इसलिये विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ईरान युद्ध के बाद खाड़ी देशों से आपूर्ति बाधित होने के बाद भारत अपने ऊर्जा आयात में विविधता लाने का प्रयास कर रहा है।

इस समझौते का ब्यौरा 18 अप्रैल को रूस के आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित होने के बाद सामने आया। समझौते के अनुसार, दोनों देश प्रारंभिक पांच वर्षों के लिए एक-दूसरे के क्षेत्र में 3000 सैनिक, पांच युद्धपोत और 10 सैन्य विमान रख सकते हैं, और आपसी सहमति से यह अवधि स्वत: बढ़ती जाएगी। अमेरिकी वकील गॉर्डन सी चांग ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पाकिस्तान की ओर वॉशिंगटन का बढ़ता झुकाव भारत को रूस के करीब धकेल सकता है, जिसके ठोस रणनीतिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

आरईएलओएस समझौता सैन्य टुकड़ियों, युद्धपोतों और विमानों की पारस्परिक आवाजाही और अस्थायी तैनाती के लिए प्रक्रियाएं तय करता है। इसमें संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट शामिल है। यह समझौता आर्कटिक और प्रशांत महासागर में लंबी दूरी की नौसैनिक तैनाती और अभ्यासों के लिए नई दिल्ली की परिचालन पहुँच को बढ़ाता है। रूस के लिए, यह समझौता रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करता है। रूस एकमात्र पी-5 देश है, जिसकी अभी तक हिंद महासागर क्षेत्र में उपस्थिति नहीं है।

आरईएलओएस समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के कार्यकाल के शुरुआती दिनों में हस्ताक्षिरत हुआ था, लेकिन इसकी पुष्टि ऐसे समय में हुई, जब भारत-अमेरिका संबंधों में अमेरिकी टैरिफ और भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को रोकने के लिए प्रतिबंधों के इस्तेमाल सहित, कई महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव आए थे।

राहुल गांधी नागरिकता केस सुनवाई से जस्टिस विद्यार्थी हटे

लखनऊ, 20 अप्रैल। राहुल गांधी के कथित दोहरी नागरिकता मामले में सुनवाई कर रहे इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने खुद को इस प्रकरण की सुनवाई से अलग कर लिया है। जस्टिस विद्यार्थी ने मामले के रिकॉर्ड को चीफ जस्टिस के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया हैद्ध ताकि नए जज को केस आवंटित किया जा सके। अपने आदेश में जस्टिस विद्यार्थी ने स्वीकार किया कि राहुल गांधी के खिलाफ गत 17 अप्रैल को खुली अदालत में फैसला लिखाने से पहले उन्हें केस के प्रस्तावित अभियुक्त राहुल गांधी को नोटिस जारी कर उनका पक्ष सुनना चाहिए था।

■ जस्टिस विद्यार्थी ने कहा, उन्हें आदेश देने से पहले राहुल गांधी को नोटिस जारी कर उनका पक्ष सुनना चाहिए था। इस गलती के कारण वे सुनवाई से खुद को अलग कर रहे हैं।

'मेरी शपथ संविधान के प्रति है, मैं सुनवाई से नहीं हटूंगी'

केजरीवाल की सुनवाई से हटने का आग्रह करने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने आदेश दिया

■ कोर्ट ने कहा कि जज का फैसला बदलने का हक ऊपरी अदालत को होता है प्रतिवादी को नहीं।

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। आबकारी नीति मामले में आज हाईकोर्ट अरविंदकेजरीवाल की रिक्यूजल याचिका पर अपना फैसला सुनाया। केजरीवाल दिल्ली हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। इस दौरान केजरीवाल ने अपना जवाबी हलफनामा रिकॉर्ड पर लेने की मांग की। सुनवाई को दौरान केजरीवाल ने कहा, मैडम अगर मेरा जवाब रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया तो यह न्याय के प्रति लापरवाही होगी।

अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा यदि किसी न्यायाधीश का फैसला ऊपरी अदालत द्वारा बदला जाता है तो किसी भी प्रतिवादी को यह कहने का हक नहीं है कि अमुख जज फैसला करने योग्य नहीं हैं। जज की क्षमताओं पर फैसला इसकी उच्च अदालत करती है न कि प्रतिवादी।

अदालत में अखिल भारतीय देवता परिषद के कार्यक्रमों में न्यायमूर्ति के शामिल होने पर कहा कि वह महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई थीं, जिसमें उन्होंने जूनियर वकीलों और अन्य बार के सदस्यों को संबोधित किया था। केवल अरविंद केजरीवाल की आईडियोलॉजी से सहमति न रखने के चलते यह आरोप गलत है।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, मैं इन आवेदनों को खारिज कर रही हूं क्योंकि मेरी शपथ संविधान के प्रति है और संविधान हमें बताता है कि निर्णय दबाव में नहीं लिए जाते। मैं इस मामले की सुनवाई से नहीं हटूंगी। अदालत में मुख्य ममले से जुड़े प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। प्रतिवादियों को शनिवार तक अपना जवाब दाखिल करना होगा। अदालत में 29 और 30 अप्रैल को मामले में बहस के लिए सूचीबद्ध किया है। इससे पहले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए कहा, पूरे देश में जब भी फैसला सुरक्षित हो जाता है तो ऐसे में कोई भी एडिशनल एफिडेविट रिकॉर्ड पर नहीं लिया जाता लेकिन अदालत ने फिर भी केजरीवाल के एडिशनल एफिडेविट को रिकॉर्ड पर लिया है। वहीं,न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा,सॉलिसिटर जनरल सही कह रहे हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया है वह सभी लोगों पर बराबर है किसी व्यक्ति विशेष के लिए बदली नहीं जा सकती। हालांकि, अदालत ने चुकि केजरीवाल स्वयं अपना पक्ष रख रहे थे ऐसे में उन्हें थोड़ी राहत देते हुए एडिशनल एफिडेविट को रिकॉर्ड पर ले लिया।

उत्तरी जापान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गईं। जेएमए के अनुसार, लगभग 40 मिनट बाद, 80 सेंटीमीटर (31 इंच) ऊंची सुनामी की लहर इवाते के कुजी बंदरगाह से टकराई।

"तटीय क्षेत्रों और नदी किनारे के इलाकों से तुरंत सुरक्षित स्थानों, जैसे ऊँची जगह या इवेक्यूएशन इमारत में चले जाएँ," चेतावनी जारी करते हुए कहा गया कि सुनामी की लहरों से नुकसान होने की आशंका है। चेतावनी में कहा है कि "सुनामी की लहरें बार-बार आने की आशंका है। चेतावनी हटने तक सुरक्षित स्थान न छोड़ें।" राष्ट्रीय प्रसारण एनएचके के फुटेज में इवाते के कई बंदरगाहों के आसपास तत्काल कोई स्पष्ट नुकसान दिखाई नहीं दिया। जेएमए के एक अधिकारी ने टेलीविजन पर प्रसारित प्रेस ब्रीफिंग में चेतावनी दी कि क्षेत्र में और भूकंप आ सकते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि एक संकट प्रबंधन टीम का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने पत्रकारों से कहा, "जिन क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की गई है, वहां रहने वाले लोग कृपया ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।" उन्होंने आगे कहा कि सरकार हताहतों या संपत्ति के नुकसान की पुष्टि करने का प्रयास कर रही है।

ऐतिहासिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आ गया। महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" विधेयक केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं है, बल्कि भारत की आधी आबादी का पूरा हक है। महिलाओं के इस हक को कांग्रेस सहित, सभी विपक्षी दलों ने दबाने का काम किया है।

राहुल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोड़ आ गया, ऐसा लग रहा था कि प्रधानमंत्री सिर्फ कूदे ही नहीं, बल्कि "गिर भी रहे थे और भारत के खिलाफ काम भी कर रहे थे।"

सच कहें तो, चुनावी प्रचार का अनुवाद आसान काम नहीं होता, खासकर तमिलनाडु जैसे राज्य में, जहाँ राजनीतिक संदेश को अक्षरश: सटीक बनाया जाता है।

लेकिन यह कोई मामूली चूक नहीं थी। यह प्रचार में हुई एक गंभीर गड़बड़ी थी। ऐसे चुनाव में, जहाँ गठबंधन मजबूत है और संदेश और भी सटीक हैं, यह अनुवाद याद दिलाता है कि कभी-कभी सबसे कड़ा विरोध प्रतिद्वंद्वियों से नहीं, बल्कि अपने ही खेमे के भीतर से आता है। और यह, कि सिर्फ यह चीज मायने नहीं रखती कि आप क्या कहते हैं, यह भी मायने रखता है कि अनुवाद के बाद उसका क्या अर्थ निकलता है।

रिफायनरी की क्रूड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा यहीं से रिफाइन होकर अलग-अलग यूनिट में भेजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कल सुबह 11 बजे दिल्ली से विशेष विमान से उत्तरलाई हवाई अड्डे पहुंचने का कार्यक्रम था। इसके लिए आज सुबह प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की रिहर्सल भी हो गई थी और प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए एसपीजी दस्ते ने कार्यक्रम स्थल को सुरक्षा घेरे में ले लिया था। वहीं मुख्य सचिव वी श्रीनिवासन और कार्यवाहक संभागीय आयुक्त आलोक रजंन भी पचपदरा पहुंच गए थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी दोपहर बाद पचपदरा पहुंचने वाले थे, लेकिन दोपहर में रिफाइनरी के मुख्य यूनिट में आग लगने पर मुख्य सचिव ने तमाम प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ मौका मुआयना किया। उसके बाद एचपीसीएल के अधिकारियों से आग से संबंधित जानकारी लेने के बाद, मुख्य सचिव श्रीनिवासन ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय को सारी स्थिति से अवगत कराया। इस पर समाचार लिखे जाने तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कल रिफाइनरी के लोकार्पण का कार्यक्रम स्थगित होने की खबर मिली है।

प.बंगाल से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, जिसे इस बार भी जारी रखा गया है।

जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार सीमा बंद रहने के दौरान अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आम लोगों से अनावश्यक यात्रा न करने की अपील की गई है। हालांकि आपातकालीन सेवाएं, स्वास्थ्य संबंधी कारण या अत्यावश्यक सरकारी कार्यों के लिए समन्वय के माध्यम से आवागमन की व्यवस्था की जाएगी।

'राष्ट्रीय सम्मान को प्राथमिकता देगा ईरान'

तेहरान, 20 अप्रैल। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि देश अमेरिका और इज़रायल के साथ जारी तनावपूर्ण हालात को सम्मान और समझदारी के साथ समाप्त करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान मौजूदा परिस्थितियों को संतुलन और सूझबूझ के साथ संभालने की रणनीति अपना रहा है।

तेहरान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि किसी भी संभावित समाधान में राष्ट्रीय सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण हालात में जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर लिए गए फैसले ही देश को सुरक्षित रास्ते पर आगे बढ़ा सकते हैं।

'बोस को राष्ट्र पुत्र घोषित किया जाए'

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में यह घोषणा करने की मांग की गई थी कि स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज ने भारत को आजादी दिलाई थी। इसके साथ ही, याचिका में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को राष्ट्र पुत्र घोषित करने और 21 अक्टूबर 1943 (आईएनए का स्थापना दिवस) और 23 जनवरी 1897 यानी उनकी जयंती को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने का भी अनुरोध किया गया था। सीजेआई ने इस याचिका को खारिज कर दिया।

अमेरिका-ईरान के बीच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेजेश्कियन ने रविवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ एक फोन बातचीत में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका की नाकाबंदी संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन है।

राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान को आशंका है कि ट्रंप "कूटनीति के साथ विश्वासघात करेंगे।"

ईरान, अमेरिका और इज़रायल दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से केवल तीन दिन दूर हैं। ज्ञातव्य है कि वार्ता का पहला दौर बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908